रांची, शुक्रवार
06.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 93, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

भारत ने रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को 7 रन से हराया, टी20 विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड से होगा सामना

एजेंसी

मुंबई। भारत ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस हाई स्कोरिंग मुकाबले में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 253 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 246 रन ही बना सकी। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना 08 मार्च को न्यूजीलैंड टीम से अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होगा।

भारतीय पारी की शुरूआत में अभिषेक शर्मा जल्दी आउट हो गए, लेकिन इसके बाद संजू सैसमन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। उन्होंने 42 गेंदों में 89 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौके और सात छक्के शामिल रहे। सैमसन ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 97 रन की अहम साझेदारी की। किशन ने 18 गेंदों में 39 रन बनाए। इसके बाद शिवम दुबे ने भी 25 गेंदों में 43 रन की तेज पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।
अंतिम ओवरों में हार्दिक पांड्या ने 12 गेंदों में 27 रन और तिलक वर्मा ने 7 गेंदों में 21 रन बनाकर भारत का स्कोर 250 के पार पहुंचाया।
254 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को शुरूआत में झटके लगे। जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और वरुण चक्रवर्ती ने पावरप्ले में एक-एक विकेट लेकर दबाव बनाया।
हालांकि इंग्लैंड के बल्लेबाज जैकब बैथल ने शानदार शतक लगाकर टीम को मुकाबले में बनाए रखा। उन्होंने जोस बटलर, टॉम बैंटन और विल जैक्स के साथ अहम साझेदारियां कीं।
मैच के 17 ओवर के बाद इंग्लैंड का स्कोर 209 रन था और उसे आखिरी तीन ओवर में 45 रन की जरूरत थी। उस समय मुकाबला पूरी तरह रोमांचक हो गया था।

बुमराह और पांड्या के ओवरों ने बदला मैच

18वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 6 रन दिए। इसके बाद 19वें ओवर में हार्दिक पांड्या ने सैम करन को आउट कर इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा दिया। आखिरी ओवर में गेंदबाजी की जिम्मेदारी शिवम दुबे को दी गई और पहली ही गेंद पर जैकब बैथेल 105 रन बनाकर रन आउट हो गए। इसके साथ ही इंग्लैंड की उम्मीदें खत्म हो गईं और टीम इंडिया ने 7 रन से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ भारत लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंच गया है और अब वह खिताब बचाने से सिर्फ एक कदम दूर है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पैतृक गांव नेमरा में बाहा पर्व में लिया भाग, जाहेर थान में की पूजा-अर्चना

बिभा संवाददाता

रामगढ़। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को सपरिवार अपने पैतृक गांव नेमरा में आयोजित पारंपरिक बाहा पर्व में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों के साथ नेमरा गांव स्थित जाहेर थान पहुंचकर पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की।
परंपरा के अनुसार, पूजन कार्य गांव के नाइके बाबा (पाहन) चैतन टुडू और कुडम नाइके बाबा (उप पाहन) छोटू बेसरा ने संपन्न कराया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ग्रामीणों के साथ अपने आवास से पदयात्रा करते हुए बाहा पूजा के लिए जाहेर थान पहुंचे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी धर्मपत्नी और विधायक कल्पना सोरेन सहित सपरिवार दो दिवसीय दौरे पर नेमरा पहुंचे हैं। उनके आगमन की सूचना मिलते ही आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग गांव पहुंचे और उनसे मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने भी आत्मीयता के साथ लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सभी को बाहा पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में उत्साह

हर वर्ष की तरह इस बार भी मुख्यमंत्री ह्यबाहा पर्वह्व में शामिल होने अपने पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। उन्हें अपने बीच पाकर नेमरा और आसपास के क्षेत्रों के लोग काफी उत्साहित नजर आए। पारंपरिक संस्कृति के अनुरूप ग्रामीण ढोल-नगाड़ा और मांदर बजाते हुए मुख्यमंत्री के साथ जाहेर थान तक पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भी स्वयं मांदर बजाकर ग्रामीणों का उत्साहवर्धन किया। उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया।

दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु समेत नौ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में राज्यपाल-उपराज्यपालों का बड़ा फेरबदल

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, बिहार, नगालैंड, महाराष्ट्र और तेलंगाना में राज्यपालों एवं उपराज्यपालों के पदों पर व्यापक फेरबदल को मंजूरी दी है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ये सभी नियुक्तियां संबंधित पदों का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होंगी।
राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस का इस्तीफा राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया है। इसके बाद तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि को पश्चिम बंगाल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
तमिलनाडु में राज्यपाल पद की जिम्मेदारी केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को अतिरिक्त प्रभार के रूप में सौंपी गई है। वे अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ तमिलनाडु के राज्यपाल के कार्यों का निर्वहन करेंगे।
हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला को तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं, तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया है।
नागालैंड में नंदकिशोर यादव को राज्यपाल नियुक्त किया गया है, जबकि सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन को बिहार का राज्यपाल बनाया गया है।
हिमाचल प्रदेश में रिक्त हुए पद पर लद्दाख के उपराज्यपाल कविन्द्र गुप्ता को राज्यपाल नियुक्त किया गया है। लद्दाख के नए उपराज्यपाल के रूप में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की नियुक्ति की गई है।
दिल्ली के उपराज्यपाल पद पर वरिष्ठ राजनयिक तरनजीत सिंह संधू को नियुक्त किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति आज से पश्चिम बंगाल के दौरे पर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 6-7 मार्च को पश्चिम बंगाल के दौरे पर जाएंगी, जहां वह विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगी। राष्ट्रपति भवन के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मु 6 मार्च को दार्जिलिंग में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित दार्जिलिंग हिल फेस्टिवल का शुभारंभ करेंगी। इस अवसर पर वह लोक भवन, दार्जिलिंग में रूट्स एंड रिद्म्स शीर्षक से आयोजित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन भी करेंगी। इसी दिन राष्ट्रपति भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर में महिला नेतृत्व और सशक्तीकरण विषय पर आयोजित प्लैटिनम जुबिली फ्लैगशिप कार्यक्रम का भी वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करेंगी। अपने दौरे के दूसरे दिन 7 मार्च को राष्ट्रपति दार्जिलिंग में अंतर्राष्ट्रीय संथाल परिषद द्वारा आयोजित नौवें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। राष्ट्रपति का यह दौरा क्षेत्र में सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ आदिवासी समुदाय से जुड़े मुद्दों पर संवाद को भी मजबूत करेगा।

ईरानी युद्धपोत को श्रीलंका में बनाया निशाना, 87 नौसैनिक मारे गए, खामेनेई के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम स्थगित

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव/ वाशिंगटन/कोलंबो/दोहा। ईरान पर अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हमले के बाद समूचा मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) रणभूमि बना हुआ है। हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई और परिवार के सदस्यों की मौत हो चुकी है। ईरान में हालात इतने मुश्किल हो गए हैं कि खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक करने के सभी कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिए हैं। अमेरिका-इजराइल और ईरान के आक्रामक तेवरों से उठ रही युद्ध की लपटों से व्यापक तबाही हुई है। ईरान के एक युद्धपोत को निशाना बनाकर श्रीलंका में डुबो दिया गया है। इसमें 87 ईरानी नौसैनिक मारे गए हैं। सैन्य संघर्ष में उलझे राष्ट्रों का एक-दूसरे को धमकी देने का

सिलसिला जारी है।
सीएनएन, सीबीएस न्यूज, द टाइम्स ऑफ इजराइल और कुछ अन्य प्रभावी समाचार प्रसारण केंद्रों की रिपोर्ट्स में इस घटनाक्रम पर व्यापक चर्चा की गई है। इनका निचोड़ है कि यह युद्ध लंबा खिंच सकता है। ईरान ने धमकी दी है कि अगर इजराइल और अमेरिका के इस्लामिक रिपब्लिक पर हमले जारी रहेंगे तो वह डिमोना न्यूक्लियर साइट को निशाना बनाएगा। उधर, ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल के दागने से मध्य इजराइल में रातभर खतरे के सायरन बजते रहे। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने लोगों को तत्काल इलाका खाली करने की चेतावनी जारी की है। इसके बाद आईडीएफ ने बेरूत में हिजबुल्लाह के गढ़ पर हमला किया है।

शेष पेज 8 पर

यूएस चार्टर्ड उड़ान मिडिल ईस्ट से निकली

इजराइल की मैगन डेविड एडोम एम्बुलेंस सर्विस ने कहा है कि ईरान के नए बैलिस्टिक मिसाइल हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। उधर, कतर ने सावधानी बरतते हुए अमेरिकन एंबेसी के आसपास के इलाके से लोगों को सुरक्षित निकाल लिया है। अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट ने कहा कि देश के नागरिकों के लिए यूएस चार्टर्ड उड़ान मिडिल ईस्ट से निकल चुकी है। युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली उड़ान बताई जा रही है। स्टेट डिपार्टमेंट ने कहा है कि उड़ानों की संख्या बढ़ाई जाएगी। यूएई, कतर, सऊदी अरब और इजराइल में रह रहे लोग अगर स्वदेश लौटना चाहते हैं तो क्राइसिस इनटेक फॉर्म भरें या स्टेट डिपार्टमेंट की 24/7 टास्क फोर्स से +1-202-501-4444 पर संपर्क करें।

हैदराबाद में तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के सुपुत्र सूर्य विक्रमादित्य का विवाह समारोह संपन्न हुआ। इस भव्य अवसर पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शिरकत कर वर-वधू को अपना आशीर्वाद दिया एवं भावी जीवन की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति भवन में चेंज ऑफ गार्ड समारोह का समय बदला

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदा मुर्मु के रस्मी गार्डों की अदला-बदली से जुड़ा चेंज ऑफ गार्ड समारोह अब नए समय पर आयोजित किया जाएगा। यह समारोह इस शनिवार, 7 मार्च से ग्रीष्मकालीन समय के अनुसार सुबह 8 से 9 बजे के बीच होगा। राष्ट्रपति भवन ने गुरुवार को एक बयान में यह जानकारी दी। यह समारोह हर शनिवार को राष्ट्रपति भवन के फोरकोर्ट में आयोजित किया जाता है। हालांकि, यदि उस दिन कोई राजपत्रित अवकाश होता है तो कार्यक्रम नहीं होता। समारोह देखने के लिए दर्शकों को प्रति व्यक्ति 50 रुपये का ऑनलाइन पंजीकरण शुल्क देना होता है, जो गैर-वापसी योग्य और गैर-हस्तांतरणीय है। करीब 50 मिनट तक चलने वाला यह समारोह सेरेमोनियल बैंड की धुनों के साथ शुरू होता है। परेड कमांडर के आगमन के बाद पीबीजी के घुड़सवार दक्षिण प्रांगण से प्रवेश करते हैं। इसके बाद गोरखा राइफल्स की टुकड़ी मार्च करती हुई आती है। नए और पुराने गार्ड का निरीक्षण किया जाता है और सलामी के बाद औपचारिक रूप से नए गार्ड को जिम्मेदारी सौंप दी जाती है।

नीतीश कुमार समेत राजग के पांच उम्मीदवारों ने राज्यसभा चुनाव के लिये नामांकन पत्र दाखिल किया

एजेंसी

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से पांच उम्मीदवारों ने गुरूवार को राज्यसभा चुनाव के लिये नामांकन पत्र दाखिल किया। राजग की ओर से जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री श्री कुमार और मौजूदा राज्यसभा सदस्य रामनाथ ठाकुर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, शिवेश कुमार और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने नामांकन पत्र दाखिल किया.
मुख्यमंत्री श्री कुमार और अन्य राजग

उम्मीदवार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य नेताओं के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए बिहार विधानसभा पहुंचे।जरूरी प्रकिया पूरी करने के बाद श्री कुमार और चार अन्य राजग उम्मीदवारों ने राज्यसभा के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया।
गौरतलब है कि बिहार से राज्यसभा की पांच सीटें रिक्त हो हैं। इनमें से दो-दो सीटें जदयू और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की हैं, जबकि एक रालोमो की है। केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर और राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश जदयू के मौजूदा सदस्य हैं, जबकि अमरेंद्र धारी सिंह और प्रेमचंद गुप्ता राजद के हैं। रालोमो अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा एक और मौजूदा सदस्य हैं, जिनका कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो जाएगा। इन पांच सदस्यों के कार्यकाल अगले माह समाप्त हो रहे हैं, इसके कारण इन सीटों पर राज्यसभा चुनाव हो रहा है।

नीतीश के राज्यसभा नामांकन की चर्चा के बीच भावुक हुए समर्थक, पूछा-बिना राय लिए फैसला क्यों?

पटना। बिहार की राजनीति में गुरुवार को उस समय भावुक और तीखे दृश्य देखने को मिले, जब बड़ी संख्या में समर्थक और कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास के बाहर जुट गए। कार्यकताओं ने दावा किया कि उन्होंने वर्षों तक संघर्ष कर नीतीश कुमार को नेतृत्व के शिखर तक पहुंचाया, लेकिन अब बिना कार्यकताओं से राय लिए उन्हें राज्यसभा भेजने की चर्चा से वे आहत हैं। मुख्यमंत्री आवास के बाहर मौजूद समर्थकों ने कहा कि पार्टी को खड़ा करने और चुनावों में जीत दिलाने के लिए कार्यकताओं ने लंबे समय तक संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं ने कई बार लाठियां खाईं, घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया और केवल नीतीश कुमार के नाम पर वोट मांगे। ऐसे में यदि नेतृत्व स्तर पर कोई बड़ा निर्णय लिया जाता है, तो कार्यकताओं से संवाद किया जाना चाहिए था।

ओडिशा राज्यसभा चुनावः भाजपा उम्मीदवार और दिलीप राय ने नामांकन पत्र भरा

भुवनेश्वर। भाजपा के उम्मीदवार मनमोहन सामल और सुजीत कुमार के साथ वरिष्ठ नेता दिलीप राय ने गुरुवार को ओडिशा में आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन भरा। नामांकन ओडिशा विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, राज्य सरकार के मंत्री तथा अन्य वरिष्ठ भाजपा की मौजूदगी में किया गया। दिलीप राय ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया, जिसमें उन्हें भाजपा का समर्थन प्राप्त है। वे बीजू जनता दल बीजेडी के उम्मीदवार डॉ. दत्तेश्वर होता के खिलाफ चौथे राज्यसभा पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। चुनाव 16 मार्च को होने वाले हैं। नामांकन दाखिल करने से पहले, दिलीप राय ने अपने मेंटर और महान नेता बीजू पटनायक को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उम्मीद जताई कि भले ही उनके पक्ष में आवश्यक 30 प्रथम पसंद मत न हों, वे विजयी होंगे। उन्होंने 2002 में क्रॉस वोटिंग के माध्यम से राज्यसभा की सीट जीतने का उदाहरण भी याद दिलाया।

खूंटी में बच्चा चोरी की अफवाह पर युवक की पिटाई, पेड़ से बांधकर पुलिस को सौंपा

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले में एक बार फिर बच्चा चोरी की अफवाह ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। मामला रनिया थाना क्षेत्र के सोदे गांव का है, जहां गुरुवार शाम करीब पांच बजे ग्रामीणों ने एक युवक को बच्चे के साथ जाते देख बच्चा चोर होने के संदेह में पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी।

मिली जानकारी के अनुसार, पास के ही गांव का रहने वाला युवक एक बच्चे को लेकर कोइल नदी की ओर जा रहा था। इसी दौरान कुछ लोगों ने उसे बच्चे के साथ देखा और बच्चा चोरी की आशंका जताते हुए शोर मचा दिया। देखते ही देखते गांव में अफवाह फैल गई कि एक व्यक्ति बच्चे को बहला-फुसलाकर ले जा रहा है।

इसके बाद ग्रामीणों ने युवक को बच्चे के साथ पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। इतना ही नहीं, लोगों ने उसे पास के एक पेड़ से बांध दिया। इस दौरान कुछ महिलाओं ने भी उसकी पिटाई की। बाद में उससे पूछताछ की गई तो उसने बच्चा चोरी के आरोप से इनकार किया।

घटना की सूचना मिलने पर रनिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अपने साथ थाना ले आई। रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुमार ने बताया कि पकड़ा गया युवक गांव का ही रहने वाला लच्छु कुमार है, जो ट्रक में खलासी का काम करता है। वह नशे की हालत में था और इसी कारण वह अफवाह का शिकार हो गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि युवक के साथ मारपीट में वह घायल हो गया था, जिसका इलाज कराया गया है। प्रारंभिक जांच में बच्चा चोरी की बात सामने नहीं आई है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी संदिग्ध व्यक्ति पर शक हो तो उसे पकड़कर पुलिस को सूचना दें, लेकिन उसके साथ मारपीट न करें। कई बार भीड़ के गुस्से में लोग इतना मार देते हैं कि उसकी मौत तक हो जाती है। ग्रामीण कानून को अपने हाथ में न लें और ऐसे मामलों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

पुलिस के ट्रक से टकराया बाइक सवार, दोनों हाथ टूटा

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में रात को पुलिस वाहन ट्रक और बाईक की टक्कर से बाइक सवार गम्भीर रुप से घायल हो गया। घटना रनिया थाना के समीप रनिया चौक के पास रात को घटी है। जानकारी के अनुसार, रनिया थाना का ट्रक मृत व्यक्तियों के शवों को थाना ले जा रही थी । इसी क्रम में रनिया चौक के नजदीक एक तेज रफ्तार बाइक और रनिया थाना के ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। जिससे बाइक चालक रनिया थाना क्षेत्र के उलूंग गाँव निवासी एल्बम केरकेट्टा गंभीर रूप से घायल हो गया और बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। घायल युवक की पहचान रनिया थाना क्षेत्र के उल्लूंग गाँव निवासी एलजन केरकेट्टा के रुप में हुई है। जिसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रनिया लाया गया। चिकित्सकों के मुताबिक घायल का दोनों हाथ टूट गया है.और पैर पर गंभीर चोट लगी है. स्थिति गंभीर बनी हुई है। वहीं रनिया थाना से ट्रक तुरीगड़ा में बाइक दुर्घटना में जान गवाने वाले तीनों मृतक व्यक्ति का शव को लेने के लिए जा रहा था। इसी दौरान घटना हुई टक्कर की घटना में ट्रक और बाइक दोनों क्षतिग्रस्त हो गया है।

चुकरु जंगल में आग लगने से मची अफरातफरी

खूँटी । थाना क्षेत्र के चुकरु के पास के जंगल में मंगलवार को अचानक आग लग जाने से अफरातफरी मच गयी। जिसकी जानकारी मिलते ही खूँटी थाना के पदाधिकारियों व अग्निशमन विभाग द्वारा आग बुझाने के लिए पहुँचे। जहाँ बहते हवा ने आग की लपट को तेज करने से परेशानी बढ़ दी थी। वहीं लोगों की मदद से काफी देर बाद दहकते आग को बुझाया जा सका ।

संक्षिप्त खबरें

मिथिला सांस्कृतिक परिषद ने होली मिलन समारोह का किया आयोजन

जमशेदपुर(बिभा): मिथिला सांस्कृतिक परिषद जमशेदपुर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मैथिल समाज के लगभग 500 से अधिक महिला पुरुषों ने हिस्सा लिया। एक दूसरे को अबिर गुलाल एवं होली टोपी पहनकर होली की शुभकामनाएं दी ।उसके बाद मिथिला का पारंपरिक होली गीत मैथिली किर्तन मंडली द्वारा मंच से गाया गया। साथ ही सभी के लिए मैथिली पकवान , भोजन की व्यवस्था की गई थी। यह आयोजन मिथिला सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष मोहन ठाकुर के सहयोग से किया गया था। जिसमें परिषद के महासचिव धर्मेश कुमार झा कोषाध्यक्ष रंजीत झा सहित सभी कार्यकारीणी सदस्य उपस्थित थे ।आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आनंद बिहारी दूबे एवं जमशेदपुर के विभिन्न मैथिल संस्थाओं के अध्यक्ष महासचिव, कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित हुए ।जिन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया ।सभी कार्यकारिणी सदस्य की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

प्रशासन ने शांति मार्च निकालकर सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की

खूँटी (बिभा)। होली त्यौहार को लेकर खूँटी शहर में पुलिस प्रशासन द्वारा पर्व की पूर्व संध्या में मंगलवार शाम सैकड़ों पुलिस कर्मियों के सथ शांति मार्च निकाला गया। इस दौरान शहर के मुख्य पथ, भट्टी रोड, कर्रा रोड, लियाकत अली गली, गच्छटांड़, मिश्रा टोली आदि क्षेत्रों में सशस्त्र बलों के साथ पैदल मार्च निकालकर क्षेत्र का अवलोकन किया गया। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह की अगुवाई में डेढ़ सौ से अधिक महिला एवं पुलिस बल शामिल थे। इस दौरान थाना प्रभारी ने लोगों से शांति एवं सौहार्द के साथ होली पर्व मनाने के लिए अपील की है। थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह ने कहा कि होली के पहले शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया ताकि लोग सोहर पूर्ण वातावरण में होली का त्यौहार मनायें। इस मौके पर रूट मार्च पुलिस बल के साथ निकल गया और लोगों से अपील किया गया है कि आपसी भाईचारे के साथ होली मनाई और जो रंग अमीर लेना नहीं चाहते हैं उन्हें रंग अबीर नहीं देना है। ताकि सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे।

खूँटी थाना परिसर में आरक्षियों ने खेली होली

खूँटी (बिभा)। होली घर परिवार सगे संबंधियों और ईस्ट मित्रों के साथ खेलने जाने वाले रंगों का त्यौहार है। लेकिन पुलिस विभाग में कार्यरत लोग होली में ड्यूटी पड़ने के कारण अपने गांव घर नहीं जा पाए। लेकिन खूँटी के सहकर्मियों ने एक दूसरे के साथ अभी लगाकर होली का आनंद लिया। इस दौरान पुलिस प्रशासन के लोगों ने एक दूसरे को अबीर लगाकर जमकर होली खेली और आपसी सौहार्द के साथ अबीर लगाकर होलिका आनंद लिया। एसआई चंदन कुमार ने बताया कि होली में सुरक्षा के दृष्टिकोण से छुट्टी नहीं मिली लेकिन खूँटी के लोगों को ही परिवार मानते हैं। यहीं एक साथ मिलकर होली मनाना है। वहीं लोगों ने बताया कि होली में ड्यूटी लग जाएगा इसलिए पहले ही होली खेल लें रहे हैं। इस दौरान थाना परिसर में महिला थाना व मुख्य थाना दोनों में ही महिला पुरूष, युवक युवती सभी ने एक दूसरे को अबीर लगाकर शुभकामनाएँ दिए।

पुलिस प्रशासन द्वारा चलाया गया वाहन जाँच अभियान

खूँटी(बिभा) । होली का त्यौहार लोग खुशी-खुशी मनाएं और दुर्घटना न हो इसलिए मंगलवार को पुलिस प्रशासन द्वारा वाहन परिचालन सुरक्षा के लिए जाँच अभियान चलाया गया । इस दौरान लोग वाहन चलाते समय फोन पर बात न करें , शराब पीकर वाहन न चलाएँ। साथ ही, अवैध समान न ले जाएँ। इसलिए तमाड़ रोड मोड़ के पास संदेहास्पद लोगों के वाहनों को रोककर जाँच किया गया।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन का विशाल रक्तदान शिविर में रिकॉर्ड 3140 यूनिट हुआ रक्त संग्रहित

टाटा साहब के प्रतिमा का भी हुआ अनावरण

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के सौजन्य से आयोजित रक्तदान शिविर कुल 3140 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। हालांकि कुल 3499 रक्तदाताओं ने नामांकन कराया था। सुबह 5: 10 बजे से रक्तदाताओं का शिविर में आने का सिलसिला शुरू हो गया था। पहला रक्तदाता सुबह 5: 20 बजे रक्तदान किया।

शुरूआत में रक्तदाताओं की काफी भीड़ रही। परंतु जमशेदपुर ब्लड बैंक की टीम एवं पारा मेडिकल स्टॉप तेजी दिखाते हुए सबों का रजिस्ट्रेशन बारी - बारी से किये। कुल पांच काउंटरों पर रक्तदाता पंक्तिबद्ध होकर नामांकन कराएं। यूनियन अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह सुबह से यहां मुस्तैद रहे।

अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह संयुक्त रूप से सभी रक्तदाताओं , पारा मेडिकल स्टॉफ, वीबीडीए की टीम , आगंतुक अतिथियों, प्रबंधन के वरीय पदाधिकारियों , आरके सिंह फैंस क्लब के सदस्यों , पुलिस प्रशासन, यूनियन के पदाधिकारियों, कमेटी मेंबर्स समेत रक्तदान शिविर को सफल बनाने वालों के प्रति आभार जताया। महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि 3140 यूनिट रक्त संग्रह का यह रिकॉर्ड मजदूर भाईयों, एवं शहरवासियों को जाता है। मैं सबों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन प्रांगण में संस्थापक जेएन टाटा साहब के भव्य प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ , सी0 एच0 आर0 ओ0 सीताराम कांडी, वीपीओ विशाल बादशाह, वीपी (ईआरसी , पावर सिस्टम) माइकल बेंज , वीपी (ईआरसी) अनिरुद्ध कुलकर्णी, वीपी एवं बिजनेस हेड (ट्रक) राजेश कॉल , वरीय महाप्रबंधक (प्रोडक्ट एवं प्लानिंग) राजेश खन्ना, टाटा मोटर्स जमशेदपुर के प्लांट हेड अनुराग छारिया, वरीय महाप्रबंधक पीपीसी उमेश तंबोलकर , आनंद एस, एचआर हेड प्रणव कुमार, ईआर हेड सौमिक रॉय, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं झारखंड के पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, यूनियन के अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आरके सिंह समेत दर्जनों वरीय पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान यूनियन के अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह तमाम अतिथियों को पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र एवं प्रतिक चिन्ह देकर स्वागत किये। अतिथियों के हाथों फीता काटकर एवं बटन दबाकर टाटा साहब के प्रतिमा का अनावरण किया गया। महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि कोविड काल में रक्त की जरूरत को देखते हुए यूनियन ने विशेष अनुरोध पर रक्तदान की पहल शुरू की। उस वक्त 1272 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ था। तब के बाद से लगातार यूनियन के सौजन्य से वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन होता आ रहा है। विगत वर्ष आंकड़ा 2906 यूनिट रहा। मजदूर भाईयों के बदौलत रक्तदान के क्षेत्र में हम सबों ने कीर्तिमान स्थापित किया।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि आज भारत के इतिहास में स्वर्णिम दिन है। टाटा साहब वो महान शख्स थे जिन्होंने उद्योग जगत में पहचान स्थापित किये। आजादी के पहले जेएन टाटा ने औद्योगिक जगत की बुनियाद रखी। उनके जन्मदिन पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि टाटा का सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में काफी योगदान रहा है। भारत के प्रगति में टाटा के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है।इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री व उड़िसा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास , पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, झामुमो विधायक सोमेश सोरेन, मानगो कीमेयर सुधा गुप्ता, कांग्रेसी नेता प्रदीप बालमुचू, जिप उपाध्यक्ष पंकज सिंहा , जिप सदस्य डॉ परितोष सिंह, कुसूम पूर्ति, पूर्व जिप उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, यूनियन के पूर्व अध्यक्ष गुरमीत सिंह तोते , भगवान सिंह, बलदेव सिंह, लोक समर्पण संस्था के अध्यक्ष ललित दास , महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष कल्याणी शरण , आजसू के जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह, रघुनाथ पांडेय, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष परविंदर सिंह, आनंद बिहारी दुबे , नीरज सिंह, शिवशंकर सिंह, आदि सैकड़ो लोग शामिल हुए ।

नारायण आईटीआई में जेएन टाटा की जयंती मनाई गई

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : नारायण आईटीआई लुपुंगडीह चांडिल में भारत के महान उद्योगपति, दूरदर्शी राष्ट्रनिमार्ता एवं आधुनिक औद्योगिक भारत के शिल्पकार जमशेद जी टाटा की जयंती हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के संस्थापक डॉ. जटाशंकर पांडे ने कहा कि जमशेदजी टाटा ने ऐसे समय में उद्योगों की नींव रखी जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था और देश आर्थिक रूप से कमजोर था। 1868 में टाटा समूह की स्थापना कर उन्होंने भारतीय उद्योग जगत में स्वदेशी सोच और आत्मनिर्भरता का बीजारोपण किया। जे.एन. टाटा का सपना था कि भारत अपना इस्पात स्वयं बनाए और औद्योगिक रूप से सशक्त बने। उनके इसी स्वप्न के परिणामस्वरूप आगे चलकर टाटा स्टील की स्थापना हुई, जिसने भारत को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर स्थापित किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 1903 में मुंबई में ताज होटल की स्थापना कर उन्होंने भारतीय स्वाभिमान को नई पहचान दी और विश्वस्तरीय आतिथ्य सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उनके योगदान का उल्लेख करते हुए डॉ. पांडे ने कहा कि जे.एन. टाटा का मानना था कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार उच्च शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान है। इसी सोच के तहत भारतीय विज्ञान संस्थान की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ, जो आज देश का प्रमुख अनुसंधान संस्थान है ।कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षुओं एवं शिक्षकगणों ने उनके आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने तथा तकनीकी दक्षता के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प लिया ।इस अवसर पर मुख्य रूप से मौजूद रहे एडवोकेट निखिल कुमार, प्राचार्य जयदीप पांडे,शांति राम महतो, भगत लाल तेली, पवन महतो, अजय मंडल, गौरव महतो, कृष्णा पद महतो,निमाई मंडल, सिसुमति दास, आदि मौजूद रहे।

कोयलांचल में उत्साह और उमंग के साथ धूमधाम से मनाई गई होली

चूरी और राय में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन, विजेता को समाजसेवी सुदेश पासवान ने दिया 5001 रुपये का पुरस्कार

बिभा संवाददाता

खलारी/पिपरवार। कोयलांचल क्षेत्र में इस वर्ष होली का पर्व पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। सीसीएल खलारी-पिपरवार क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण इलाकों में सुबह से ही लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। पूरा इलाका रंगों की मस्ती और उत्सव के माहौल में सराबोर नजर आया ।होली के दिन पारंपरिक परंपरा के अनुसार लोग एक-दूसरे के घर जाकर अबीर-गुलाल लगाते हुए गले मिले और होली की बधाई दी। इस दौरान आपसी भाईचारा और सौहार्द का सुंदर नजारा देखने को मिला। बच्चों और युवाओं में भी होली को लेकर खासा उत्साह रहा। टोली बनाकर युवक और बच्चे मोहल्लों तथा गांवों में घूमते रहे और लोगों को रंग लगाकर पर्व की खुशियां मनाते रहे ।खलारी, केडी, डकरा, बाजारटांड़, मैक्लुस्कीगंज, जेहलीटांड़, हुटाप, बचरा, राय, चूरी, पुरानी राय, बमने, बेंती, बहेरा, कल्याणपुर, किचटो, बिलारी, बुंडू, चिरैयाटांड़, हफुआ और राजधर सहित कई क्षेत्रों में होली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। घरों में बने पारंपरिक पकवानों और मिठाइयों का भी लोगों ने भरपूर आनंद उठाया ।कई स्थानों पर पारंपरिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। चूरी, राय और आसपास के क्षेत्रों में मटकी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। चूरी में आयोजित प्रतियोगिता में मटकी फोड़ने वाले विजेता को समाजसेवी सुदेश पासवान की ओर से 5001 रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।होली के मौके पर बाजारों में भी काफी चहल-पहल देखी गई। मीट, मुर्गा और अन्य खाद्य सामग्री की दुकानों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी और लोगों ने जमकर खरीदारी की ।वहीं होली से एक दिन पहले क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कॉलोनियों में होलिका दहन का आयोजन किया गया। लोगों ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की और कई जगहों पर आतिशबाजी भी की गई ।होली को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए खलारी और पिपरवार थाना क्षेत्र में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। प्रमुख चौक-चौराहों और बाजारों में पुलिस बल की तैनाती की गई थी तथा पुलिस लगातार गश्त करती रही, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

18 दिनों से लापता युवक की तलाश तेज करने की मांग, पंचायत प्रतिनिधियों व बस्तीवासियों ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। बागबेड़ा गांधीनगर निवासी 24 वर्षीय विशाल कुमार सिंह के पिछले 18 दिनों से लापता होने और मामले में पुलिस द्वारा अपेक्षित कार्रवाई नहीं किए जाने से नाराज पंचायत प्रतिनिधियों एवं बस्तीवासियों ने संयुक्त रूप से आरक्षी अधीक्षक कुमार शिवाशीष को ज्ञापन सौंपकर युवक की शीघ्र सकुशल बरामदगी की मांग की।

लापता युवक की मां सुकू देवी ने अपने आवेदन में बताया कि वह दाई का काम कर घर-घर जाकर परिवार का भरण-पोषण करती हैं। उनका बेटा विशाल कुमार सिंह पिछले 18 दिनों से घर से लापता है। इसकी लिखित सूचना उन्होंने बागबेड़ा थाना में दी थी, लेकिन अब तक मामले में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। बेटे के अचानक गायब होने से पूरा परिवार गहरी चिंता और परेशानी में है इस संबंध में मुखिया नीनू कुदादा, मायावती टुडू तथा पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने संयुक्त रूप से कहा कि जब किसी पूंजीपति या व्यवसायी के बेटे के लापता होने की सूचना मिलती है तो पुलिस प्रशासन तत्काल सक्रिय होकर उसे सकुशल बरामद कर लेता है। उसी प्रकार इस गरीब महिला के बेटे की भी गंभीरता से खोजबीन कर उसे सुरक्षित वापस लाया जाना चाहिए।मामले की जानकारी मिलने पर आरक्षी अधीक्षक कुमार शिवाशीष ने बागबेड़ा थाना प्रभारी और संबंधित डीएसपी से दूरभाष पर बातचीत कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिदिन की जा रही कार्रवाई से अवगत कराने का निर्देश देते हुए युवक को जल्द सकुशल बरामद करने का आश्वासन भी दिया।

बिरुमकेल गांव पहुंचा जंगली हाथी , महिला ऑफिसर सहित वन विभाग के पदाधिकारी रातभर हाथी के साथ रहे

बिभा संवाददाता

खूँटी । जंगल से भटक कर हाथी सोमवार को शहर में पहुँचा था जिसे वन विभाग के पदाधिकारियों ने सोमवार सुबह नौ बजे से लगातार खदेड़ते हुए दूसरे दिन 12 बजे तक उसके पीछे अनवरत लगे रहे। इस दौरान हाथी शहर में चार घंटा बिताया तब तक हाथी के साथ जन सैलाब का भी वन विभाग के पदाधिकारियों को सम्भालना पड़ा। जो कि जानवर और आदमी दोनों को देखना पदाधिकारियों के लिए सिरदर्द बन गया था। वहीं एक तो बीमार ग्रस्त हाथी कभी इधर कभी उधर हो जाता और फिर आदमी उसके पीछे लग जाते वहीं हाथी भी परेशान हो गया और फिर घबराकर कुआँ में गिर गया था। जिसे काफी मशक्कत के साथ बाहर निकाला जा सका। फिर हाथी के आगे और पीछे रहकर पदाधिकारी आगे बढ़ाते रहे। शाम तक हाथी शहर में प्रवेश के बाद रात को हाथी बिरुमकेल गाँव पहुँच गया। जहाँ वन विभाग के महिला पदाधिकारी रित्विका पाण्डे सहित वन विभाग के पदाधिकारियों ने रातभर हाथी के निगरानी में लगे रहे और फिर उसे दिशा देने में लगे रहे। जो कि एक प्रशिक्षु महिला भारतीय वन सेवा पदाधिकारी रित्विका पांडे के लिए पहला अवसर ही चैलेंज का विषय बन गया था। जिसे उसे बहुत अच्छी तरह निर्वहन किया गया। रात को सभी उन्होंने वन आरक्षियों के साथ बिरुमकेल में हाथी के पीछे दिशा देने में लगी रही । वहीं दूसरे दिन मंगलवार को भी साथ में हाथी को वन तक दिशा देने में अनवरत सेवा देना काबिलेतारिफ रहा। वहीं मंगलवार शाम तक अन्य पदाधिकारी व वनपाल व वन आरक्षियों ने जबतक हाथी जंगल नहीं घुस गया हाथी के पीछे बने रहे। ऐसा अवसर बिरले ही आता है कि एक प्रशिक्षु पदाधिकारी को इतना बड़ा चैलेंज का सामना करना पड़ा हो।

हाजत में मौत मामले में नामकुम थाना प्रभारी सहित सात निलंबित

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के नामकुम थाना हाजत में बंद आरोपित की मौत मामले में पुलिस प्रशासन ने निष्पक्ष जांच के आदेश दिए हैं। एसएसपी राकेश रंजन ने मामले की जांच दूसरे क्षेत्र के पुलिस निरीक्षक बुंडू रामकुमार वर्मा को सौंपी है। साथ ही हाजत में बंद आरोपित की सुरक्षा और निगरानी में लापरवाही बरतने के आरोप में नामकुम थाना प्रभारी सहित सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। इनमें थाना प्रभारी मनोज कुमार,प्रभुवन कुमार, सुधीर शर्मा, गयानंद, मुकेश ठाकुर, राहुल प्रताप सिंह शामिल है।

जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित जगाई मुंडा पर बदले की भावना से एक नाबालिग लड़के का अपहरण कर उसकी हत्या करने का आरोप था। पुलिस के अनुसार, आरोपित ने साक्ष्य छिपाने की नियत से इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया था। उसे गिरफ्तार कर नामकुम थाना के हाजत में रखा गया था। इसी दौरान हाजत में आरोपित की मौत हो गई, जिसके बाद पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। एसएसपी ने स्पष्ट किया है कि घटना की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाएगी, ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके।

पुलिस प्रशासन ने यह भी बताया कि हाजत में बंद आरोपित की सुरक्षा और निगरानी में लापरवाही बरतने वाले पुलिस पदाधिकारी और पुलिस कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। प्राथमिक जांच के आधार पर नामकुम थानेदार सहित सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। थाना प्रभारी के विरुद्ध विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई भी की जाएगी।

बताया जा रहा है कि जगाई मुंडा को एक बच्चे के अपहरण और हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह खूंटी जिले के साइको थाना क्षेत्र के कोल्हापूर्ति गांव का रहने वाला था। उसका उसी गांव की एक महिला के साथ अवैध संबंध था और दोनों कुछ समय से नामकुम थाना क्षेत्र में रह रहे थे।

रविवार को किसी बात को लेकर महिला और आरोपित के बीच विवाद हो गया था। इसके बाद आरोपित ने बदले की भावना से महिला के 12 वर्षीय बेटे रमेश हजाम का अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद वह बच्चे को रामगढ़ थाना क्षेत्र के घाटो इलाके में ले गया, जहां उसकी हत्या कर शव को जमीन में दफना दिया।

मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसने बच्चे के अपहरण और हत्या की बात स्वीकार कर ली थी। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने बच्चे का शव भी बरामद कर लिया।

रांची नगर निगम की जांच में कई भवनों के निर्माण में नियमों का उल्लंघन

बिभा संवाददाता

रांची। नगर निगम ने अवैध भवन और अतिक्रमण पर कार्रवाई करना शुरू कर दिया है। इसके लिए शहर में गुरुवार को विभिन्न स्थानों पर भवन और अतिक्रमण पर सघन जांच की गई। इस दौरान रांची नगर निगम की डीआरएमटी (डेडिकेटेड रोड मैनेजमेंट टीम) की ओर से शहर के प्रमुख मार्गों मेन रोड, एचबी रोड एवं सर्कुलर रोड पर स्थित विभिन्न व्यावसायिक और आवासीय भवनों का विस्तृत निरीक्षण किया गया।

नगर निगम की ओर से भवन निर्माण स्वीकृत नक्शा, निर्धारित नियमों और भवन उपविधियों के अनुरूप हों। किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण, अतिक्रमण अथवा भवन नियमों के उल्लंघन पर अब सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए है।

जांच अभियान में स्वीकृत भवन प्लान, गिफ्ट डीड के अंतर्गत भूमि पर अवैध कब्जा या अतिक्रमण, सेटबैक एरिया का उल्लंघन सहित अन्य निर्माण संबंधी विसंगतियों की गहन जांच की जा रही है, ताकि शहर में सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नियम आधारित शहरी विकास सुनिश्चित किया जा सके।

जांच के दौरान इन भवनों में कई प्रकार की निर्माण संबंधी विसंगतियां और नियमों के संभावित उल्लंघन सामने आए हैं। नगर निगम की टीम की ओर से संबंधित भवन मालिकों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने भवन से संबंधित सभी दस्तावेज सक्षम प्राधिकार के समक्ष तीन दिनों के भीतर प्रस्तुत करें, ताकि उनकी विधिवत जांच की जा सके।

निर्धारित समयावधि के भीतर दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने या जांच में नियमों के उल्लंघन पाए जाने की स्थिति में संबंधित भवनों के विरुद्ध झारखंड भवन उपविधि, 2016 और अन्य लागू विधिक प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

राज्य के 11 जिलों में 09 को बारिश और वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट

रांची(बिभा) : राज्य के 11 जिलों में 09 मार्च को बारिश और वज्रपात को लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी। विभाग के अनुसार 07 से 10 मार्च तक राज्य के विभिन्न जिलों में मौसम में परिवर्तन होने की संभावना है। इस दौरान गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है। विभाग के अनुसार 7 मार्च को पूर्वी सिंहभूम पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला में हल्की बारिश हो सकती है, जबकि 08 और 09 मार्च को 14 जिलों में हल्के दर्ज की बारिश हो सकती है। वहीं 10 मार्च को राज्य के 13 जिलों में हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है, जबकि 11 जिलों में गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। इन जिलों में कोडरमा, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, गिरिडीह, दुमका, हजारीबाग, देवघर, जामताड़ा, बोकारो और धनबाद शामिल हैं गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और मध्यम दर्जे की हवा चली। इससे दिन में धूप में काम तपिश महसूस की गई।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 को, तैयारी जोरों पर

रांची(बिभा): झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निर्देश पर न्यायायुक्त सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), रांची के मार्गदर्शन में डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम के तहत चान्हो प्रखंड के हुटार ग्राम में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पीएलवी निलश्याम कुमार ने लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत और मध्यस्थता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 14 मार्च को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत में आप अपने वादों का निस्तारण निःशुल्क और सुलभ तरीके से करा सकते हैं। उषा कुमारी और सुमति कुमारी ने बाल श्रम, बाल अधिकार, बाल विवाह, डायन बिसाही, नशा उन्मूलन, पीड़ित मुआवजा और जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के बारे में जानकारी दी।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने असहायों संग मनाई होली, बांटे चिप्स और गुलाल

रांची(बिभा)। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की ओर से होली का उत्सव असहाय बुजुर्गों के साथ गुरुवार को मिलकर पहाड़ी मंदिर के समीप मनाया गया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान शाखा की ओर से बुजुर्गों के बीच चिप्स के पैकेट, जूस, टॉफी, फूड पैकेट और गुलाल का वितरण किया गया। इस अवसर पर मारवाड़ी महिला शाखा के अध्यक्ष पूजा अग्रवाल ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। समाज के हर वर्ग को उनके सम्मान और देखभाल के लिए आगे आना चाहिए। इस दौरान ममता भिवानिया की ओर से चिप्स और जूस का विशेष सहयोग दिया गया। मौके पर शाखा अध्यक्ष पूजा अग्रवाल, कविता सोमानी, दीपिका मोतिका सहित मंच की अन्य सदस्य मौजूद थे।

झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा 10 को करेगा विधानसभा मार्च

रांची(बिभा)। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा (जेएएसएम) रांची जिला की बैठक डोरंडा स्थित केंद्रीय कार्यालय में हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 10 मार्च को विधानसभा मार्च किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता सुबोध कुमार लकड़ा और संचालन सचिव मनोज लकडा ने की। मौके पर सुबोध कुमार लकड़ा ने बताया कि मांगों को लेकर 10 मार्च को झारखंड विधानसभा मार्च किया जाएगा है। साथ ही इस दौरान धरना और प्रदर्शन किया जायेगा। इस अवसर पर दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के अध्यक्ष रोजलीन तिर्की, प्रभारी अनथन लकड़ा, ज़िला संयोजक अमर भेंगरा, सुजीत कुमार राम, राजेंद्र महतो, अयोध्या महतो, अलाउद्दीन अंसारी, बिरसा मिंज, सुरेश महतो सहित अन्य बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

तेज रफ्तार वाहन चलाने के मामले में एमएस धोनी पर जुर्माना

रांची(बिभा)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनके खेल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन है। रांची की ट्रैफिक पुलिस ने स्पीड ड्राईविंग करने की वजह से उनका चलान काटा है। उन्हें 1000 रुपये का चलान काटा गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह मामला राजधानी रांची के कांके का बताया जा रहा है। वह अपनी लग्जरी कार से कांके इलाके से गुजर रहे थे, तभी ट्रैफिक पुलिस के कैमरे में उनकी गाड़ी ओवरस्पीडिंग करते हुए रिकॉर्ड हो

हर्षोल्लास के साथ झारखंड में मना रंगों का उत्सव होली

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में होली का पर्व बुधवार को हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। राजधानी रांची में हर तरफ होली की धूम है। हटिया, डोरंडा, मेन रोड, बरियातू, कोकर, खेल गांव सहित कई जगहों पर लोग होली के मस्ती में डूबे नजर आये। लोग दिनभर रंग खेलने गए और एक दूसरे के यहां जाकर पकवान का आनंद लिया। इसके बाद लोगों ने शाम को अबीर गुलाल खेली और एक दूसरे से मिलकर होली की बधाई दी।

पूरे शहर में लोग फिल्मी गानों बलम पिचकारी जो तूने मुझे मारी, रंग बरसे भीगे चुनरवाली, पार्टी ऑल नाइट, लाल परी ओ लाल परी, होली आइ होली आइ जैसे गानों की धुन पर थिरकते नजर आयी।

कही छात्र कपड़ा फाड़ों होली तो कहीं पिचकारी से बच्चे होली खेल रहे थे।

वहीं खेलगांव के फेज वन में लोगों ने छोटा सा तालाब बनाकर एक दूसरे को डुबोकर होली का आनंद उठाया।

कई स्थानों पर देर रात तक लोगों ने फगुआ गाकर भी होली मनाई।

राजधानी में चप्पे-चप्पे पर थे जवान तैनातराजधानी रांची में होली पर्व को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में दिखी। जिले भर में लगभग 4000 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई थी।

रांची के एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि जिले भर में अतिरिक्त 4000 पुलिस बल तैनात किए गए थे। रांची जिला बल के अलावा, रैफ, रैप और होमगार्ड के जवानों को लगाया गया था। सभी थानों में क्विक रिस्पांस टीम भी तैनात की गई थी।

साथ ही संवेदनशील इलाकों में भी विशेष निगरानी रखी जा रही थी। वहीं सभी थाना प्रभारी अपने -अपने क्षेत्र में पेट्रोलिंग करते देखे गये। एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि शहर में शांतिपूर्वक होली मनायी गयी। कहीं से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

भाजपा नेताओं ने प्रदेश कार्यालय में जमकर खेली होली

रांची। होली के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा नेताओं ने जमकर होली खेली और गुलाल उड़ाये। मौके पर एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की बधाई देते भाजपा नेता और कार्यकर्ता नजर आए। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने इस मौके पर कार्यकताओं को बधाई देते हुए जमकर होली खेली। झाल, मंजीरा बजाते इन मस्तानों की टोली में हटिया विधायक नवीन जायसवाल भी शामिल हुए। नवीन जायसवाल पर होली का रंग चढ़ा रहा। इस दौरान कार्यकताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का सब्जी की माला पहनाकर स्वागत किया। मौके पर उन्होंने झाल बजाकर होली मनाई। मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए आदित्य साहू ने होली की बधाई देते हुए कहा कि यह एक खास पर्व है। जिसमें मस्ती भी है, उल्लास भी है और एक दूसरे के प्रति प्रेम का भाव भी है। हर साल की तरह इस बार भी भाजपा प्रदेश कार्यालय में हम लोगों ने कार्यकताओं के साथ जमकर होली खेली है। इस अवसर पर कर्मवीर सिंह ने भाजपा कार्यकताओं के साथ-साथ राज्य की जनता को रंगों के इस त्योहार की बधाई दी और सुख समृद्धि की कामना की। होली के रंग में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी रंगे दिखे। उन्होंने भाजपा कार्यालय में कार्यकताओं के साथ जमकर होली खेली। उन्होंने लोगों को होली की बधाई देते हुए कहा कि यह एक ऐसा पर्व है, जिसमें दुरियां मिट जाती हैं और समाज में भाईचारगी आती है।

उपायुक्त ने वरीय पदाधिकारियों संग मनाया होली

बिभा संवाददाता

रांची : होली के पावन अवसर पर राँची जिला प्रशासन में खुशियों और भाईचारे का रंग छाया रहा। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी राँची, श्री मंजूनाथ भजंत्री ने आज उपायुक्त आवास में जिला के वरीय पदाधिकारियों के साथ होली खेली। यह आयोजन पारंपरिक होली मिलन के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें सभी पदाधिकारियों ने एक-दूसरे पर रंग लगाकर त्योहार की खुशियां बाँटीं और आपसी सद्भावना को मजबूत किया।

इस अवसर पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि होली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है तथा यह त्योहार प्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा, प्रशासनिक कार्यों के बीच ऐसे अवसर हमें एक परिवार की तरह जोड़ते हैं। आज हम सबने मिलकर होली खेलकर न केवल त्योहार मनाया, बल्कि कार्यालयीन तनाव से मुक्ति पाकर नई ऊर्जा के साथ जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।ह्व उन्होंने सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों और राँची जिला वासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा अपील की कि सभी लोग त्योहार को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से मनाएं।

सभी ने परंपरा का सम्मान करते हुए रंगों के साथ-साथ गुलाल, अबीर और होलियाना गीतों पर थिरकते हुए उत्साहपूर्ण माहौल बनाया।

बाबूलाल ने नीतीश को राज्यसभा के लिए दी बधाई

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा की सदस्यता के लिए नामांकन दाखिल करने पर बधाई दी। मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि नीतीश कुमार पिछले तीन-चार दशकों से बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे हैं और राज्य को जंगल राज से बाहर निकालकर सुशासन स्थापित करने में अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने प्रशासनिक स्थिरता, विकास और बेहतर शासन के लिए एक नई पहचान बनाई है। मरांडी ने यह भी कहा कि नीतीश कुमार ने सार्वजनिक जीवन में हमेशा ईमानदारी, सम्मान और नैतिकता के मूल्यों को प्राथमिकता दी है।

बिहार के नए राजनीतिक समीकरण पर झामुमो महासचिव बोले

भाजपा ने की नीतीश कुमार की राजनीतिक हत्या : विनोद पांडेय

बिभा संवाददाता

रांची : बिहार में बदलते राजनीतिक समीकरण को लेकर झारखंड की सत्ताधारी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक हत्या कर दी है और बिहार के जनादेश का अपमान किया है।

महासचिव विनोद पांडेय ने बयान जारी करते हुए कहा कि भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा एक बार फिर देश की जनता के सामने आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस चेहरे पर बिहार की जनता ने भरोसा जताते हुए जनादेश दिया था, उसी चेहरे को राजनीति की मुख्यधारा से दूर कर दिया गया।

झामुमो नेता ने यह भी दावा किया कि बिहार में भाजपा की यह साजिश काफी पहले से चल रही थी और उन्होंने आशंका जताते हुए कहा कि आने वाले समय में जनता दल (यूनाइटेड) का विलय भाजपा में हो सकता है। महासचिव पांडेय ने कहा कि झारखंड में ऐसी किसी भी साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

राजनीतिक छल के तहत भाजपा ने नीतीश को मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटाने की साजिश रची: डॉ मनोज

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक राजनीतिक छल के तहत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को हटाने की साजिश की जो एक राजनीतिक धोखा है। नीतीश कुमार जी को मुख्यमंत्री के पद से बेदखल करने की साजिश भारतीय जनता पार्टी आज से नहीं लंबे दिनों से प्रयास कर रही थी और आखिरकर आज भाजपा ने उन्हें अपने चंगुल में फंसा ही लिया। इस संबंध में लगातार लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार को अगाह करते आ रहे थे और आज वही हुआ। भारतीय जनता पार्टी का यही कुचक्र और राजनीति के तहत इतना मानसिक दबाव बनाया गया,बढ़ाया कि आज उन्हें कुर्सी छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा । जनता द्वारा चुनी हुई सरकार के मुखिया को प्रेशर पॉलिटिक्स कर के जबरदस्ती कुर्सी से हटाना यह काफी अन्याय पूर्ण है और बिहार के आम आवाम के साथ धोखा है।

भाजपा की राजनीतिक चाल का नया अध्याय, जनता के जनादेश के साथ खिलवाड़ : सतीश पौल मुंजनी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने की चर्चा दरअसल भाजपा की एक सोची-समझी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। यह पूरी तरह से सत्ता हथियाने और अपने राजनीतिक हित साधने की कोशिश है।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने जिस विश्वास के साथ सरकार को जनादेश दिया था, आज उसी जनादेश को राजनीतिक प्रयोगशाला बना दिया गया है। भाजपा पर्दे के पीछे से पूरी राजनीति को नियंत्रित कर रही है और लोकतंत्र की मयार्दाओं को कमजोर कर रही है। सतीश पौल मुंजनी ने कहा कि भाजपा की राजनीति हमेशा से जोड़-तोड़, सत्ता के लिए समझौते और जनभावनाओं को नजरअंदाज करने की रही है। मुख्यमंत्री के पद को भी अब राजनीतिक सौदेबाजी का माध्यम बना दिया गया है, जो लोकतंत्र के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाजपा को यह समझ लेना चाहिए कि बिहार की जागरूक जनता सब देख रही है। सत्ता की कुर्सी के लिए किए जा रहे इस तरह के राजनीतिक प्रयोग का जवाब जनता आने वाले समय में जरूर देगी।

युद्ध के बीच दुबई में फंसे झारखंडी नवदंपति, सरकार से की मार्मिक अपील

बिभा संवाददाता

रांची। शादी के पावन बंधन में बंधने के बाद जीवन की नई शुरूआत के सपनों के साथ छुट्टियां मनाने दुबई गए रांची निवासी अतुल उरांव पत्नी के साथ दुबई में फंस गये हैं। रांची निवासी अतुल उरांव, अधिकारी, स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (सेल) में अधिकारी हैं। वह पत्नी डॉ कंचन बाड़ा के साथ हनीमून पर दुबई गये थे। इसी दौरान मिडिल ईस्ट के खाड़ी क्षेत्र में युद्ध के बीच दुबई में फंस गये हैं। तनाव के बीच दोनों भय और अनिश्चितता के साये में फंसे हुए हैं। जहां एक ओर उनके जीवन की नई सुबह खुशियों, उत्सव और प्रेम के रंगों से सजी होनी थी, वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय संघर्ष की काली छाया ने उन सपनों को सहमा दिया है।

22 फरवरी 2026 को रांची में आदिवासी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न हुआ। परिजनों और शुभचिंतकों की आशीर्वाद भरी विदाई के बाद नवदंपति 27 फरवरी को दुबई के लिए रवाना हुए थे। 4 मार्च को उनकी वापसी निर्धारित थी। लेकिन इसी बीच अमेरिका-इजराइल-ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने खाड़ी क्षेत्र की स्थिति को अत्यंत संवेदनशील बना दिया। दुबई में एहतियातन कई उड़ानें रद्द कर दी गईं।

दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों का निलंबन होने से हजारों पर्यटक फंस गए हैं। होटल परिसरों के बाहर सन्नाटा पसरा है। सार्वजनिक स्थलों पर आवाजाही सीमित कर दी गई है।

अतुल उरांव ने भावुक स्वर में बताया कि हम जीवन की नई शुरूआत का जश्न मनाने आए थे। सोचा था यह यात्रा हमारी यादों में हमेशा के लिए बस जाएगी। लेकिन दुबई पहुंचते ही हालात बदल गए। अचानक फ्लाइट्स रद्द होने की खबर आई।

डॉ. कंचन बाड़ा, जो स्वयं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी एक संवेदनशील प्रोफेशनल हैं, ने कहा कि यहां का वातावरण सामान्य नहीं है। सड़कें खाली हैं। हर खबर चिंता बढ़ा देती है। हम सुरक्षित हैं, परंतु अनिश्चितता बहुत भारी है। हम बस अपने घर, अपने लोगों के बीच लौटना चाहते हैं।

रांची स्थित दोनों परिवारों में गहरी चिंता का माहौल है। परिजन लगातार संपर्क में रहने का प्रयास कर रहे हैं, पर हर समाचार के साथ भय और असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

शादी की खुशियों से भरा घर अब प्रार्थनाओं और प्रतीक्षा में डूबा है। माता-पिता की आंखें टीवी समाचारों पर टिकी हैं। रिश्तेदार और मित्र सरकार से हस्तक्षेप की गुहार लगा रहे हैं।

नवदंपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया गया है कि इस मामले में जल्द वापसी की व्यवस्था की जाए और केंद्र सरकार तथा यूएई स्थित भारतीय दूतावास से समन्वय स्थापित करें। झारखंड सरकार तत्काल केंद्र सरकार से समन्वय स्थापित करे। यूएई में फंसे झारखंडियों की सूची तैयार की जाए। विशेष उड़ानों अथवा सुरक्षित कॉरिडोर के माध्यम से शीघ्र वापसी सुनिश्चित किया जाए।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), चक्रधरपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के तहत ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना संख्या: एमईसीएचसीकेपी–25–26–33, कार्य का नाम** : चक्रधरपुर मंडल, दक्षिण पूर्व रेलवे के टाटा कोचिंग डिपो की नामित ट्रेनों में 02 वर्षों के लिए ऑनबोर्ड सफाई और स्वच्छता सेवा (ओबीएचएस)। **निविदा मूल्य:** रु. 10,54,59,684.00, **बोली प्रतिभूति** : रु. 6,77,300/–, **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** रु. 10,000/–, **निविदा के खुलने का स्थान** : वरिष्ठ डीएमई/चक्रधरपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे का कार्यालय। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : 25.03.2026 को 15.00 बजे। निविदा वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में देखी जा सकती है। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं ऐसा कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। निविदाकार/बोलीदाता के पास क्लास–III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट अवश्य होना चाहिए एवं आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन जरूर पंजीकृत हों। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई–निविदा प्रणाली में भाग ले सकते हैं। ई–निविदा प्रणाली में भाग लेते समय सभी संबंधित कागजात अवश्य अपलोड किए जाएं। (PR-1263)

बोकारो-चास में रंगों की बौछार, जोगीरा की धुन पर झूमे शहर-गांव

दो दिनों तक चला रंगोत्सव, प्रशासन ने भी होली मिलन समारोह आयोजित कर सराबोर किया माहौल

बिभा संवाददाता

बोकारो । रंगों के त्योहार होली पर बोकारो-चास सहित पूरे जिले में उल्लास की लहर दौड़ गई। शहर के चमचमाते इलाकों से लेकर ग्रामीण अंचलों तक दो दिनों तक रंगोत्सव की धूम मची रही। सड़कों, गलियों और मोहल्लों में ₹जोगीरा सारा रा रा रा...₹ की मधुर धुन गूंजती रही, जिस पर लोग रंग-गुलाल में सराबोर होकर नाचते-गाते नजर आए। इस भाईचारे के प्रतीक पर्व ने सामाजिक सौहार्द को नई ऊंचाई प्रदान की।होली की सुबह से ही उत्साह चरम पर था। बच्चों की टोलियां पिचकारियों से रंगों की बौछार करती हुई सड़कों पर उतर आईं। चास के व्यस्त बाजारों से लेकर बोकारो के सेक्टर-वन, सेक्टर-चार जैसे आवासीय इलाकों तक रंगों का तांडव चलता रहा। महिलाएं पारंपरिक फगुआ गीत गाते हुए आपस में गुलाल लगाती रहीं, जबकि युवा पीढ़ी डीजे की धुनों पर ठुमके लगाती नजर आई। ग्रामीण क्षेत्रों जैसे चंदनकियारी, चास के परलिया और बोकारो के नवीन इलाकों में भी होली का जोरदार स्वागत हुआ, जहां डंडा मार होली और अबीर-अष्टमी जैसे रीति-रिवाजों ने रंग जमाया।लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर रंग लगाए और होली की बधाई दी। घर-घर में गुजिया, मठरी, ढोकरा जैसे लजीज व्यंजनों की महक फैली रही। परिवार और मित्रों के साथ पारंपरिक भोज का आनंद लेते हुए सभी वर्गों ने पर्व की खुशियां साझा कीं। कई मोहल्लों में सामुदायिक होली मिलन समारोह आयोजित हुए, जहां पड़ोसी भाईचारे की मिसाल पेश करते दिखे। ट्रैफिक जाम और भीड़भाड़ के बावजूद पुलिस ने यातायात व्यवस्था सुचारू रखी, जिससे कोई बड़ी अप्रिय घटना न घटे।

जिला प्रशासन की होली मिलन में ठुमके लगाए एसपी व पदाधिकारी

विशेष आकर्षण का केंद्र रहा सेक्टर-वन स्थित बोकारो परिषदन में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह। एसपी बोकारो के नेतृत्व में सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को रंग, अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। उसके बाद होली के लोकप्रिय गीतों पर एसपी सहित अधिकारी जमकर थिरके। उपायुक्त ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ₹होली भाईचारे और एकता का प्रतीक है। आइए, इस उत्सव को सौहार्दपूर्ण बनाए रखें।₹ इस आयोजन ने प्रशासन और जनता के बीच नजदीकियां बढ़ाईं।होली के इस दो दिवसीय उत्सव ने बोकारो जिले को रंगों, संगीत और खुशियों से सराबोर कर दिया। आने वाले दिनों में ढोलचोब और फूलों की होली जैसे कार्यक्रम भी अपेक्षित हैं, जो पर्व को और यादगार बनाएंगे।

तुपकाडीह में शांतिपूर्ण रही होली, कोई अप्रिय घटना नहीं

तुपकाडीह (बोकारो)(बिभा) । जिले के तुपकाडीह प्रखंड में होली का त्योहार शांति पूर्ण ढंग से मनाया गया। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की कोई खबर नहीं आई।स्थानीय लोगों ने उत्साह के साथ रंगों का त्योहार मनाया। स्टेशन रोड स्थित जय हिंद कला मंच के सदस्यों ने पारंपरिक धूल-कीचड़ वाली होली खेली, जिससे पुराने दिनों की यादें ताजा हो गईं। वहीं, फ्रेंड्स ग्रुप के युवाओं ने कपड़ा फाड़ होली खेली और डीजे की धुन पर थिरकते हुए खूब नाचे-गाए।त्योहार के दिन बाबा महादेववरनाथ मंदिर और दुगार्धाम मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की तथा भगवान से सुख-समृद्धि की कामना की। प्रखंड प्रशासन ने भी शांति बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती।

बोकारो के आजाद नगर में दो गुटों के बीच जमकर मारपीट, आधा दर्जन घायल, फायरिंग की भी सूचना

बिभा संवाददाता

बोकारोः बोकारो जिले के माराफारी थाना क्षेत्र के आजाद नगर स्थित चमररिया खटाल में होली की शाम दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। बुधवार को हुई इस घटना में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सभी घायलों का स्थानीय स्तर पर इलाज कराया जा रहा है।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान कुछ वाहनों को भी क्षतिग्रस्त किया गया। वहीं रात में चार राउंड फायरिंग होने की भी सूचना पुलिस को मिली है, हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।

माराफारी थाना प्रभारी आजाद खान ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान फायरिंग के कोई ठोस प्रमाण नहीं मिले हैं। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से शिकायत पत्र दिया गया है और शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार विवाद की शुरूआत उस समय हुई जब एक युवक पर दूसरे पक्ष के लड़के को जबरन शराब पिलाने की कोशिश करने का आरोप लगा। इसका विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार मामला आपसी वर्चस्व की लड़ाई से भी जुड़ा बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने पर डीएसपी हेडक्वार्टर ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और इलाके में एहतियातन पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल में होली मिलन समारोह, प्राचार्य ने बताया संस्कृति का परिचायक

बोकारो(बिभा) : एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर चार एफ में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य फादर डॉ. जोशी वर्गीस ने कहा कि होली का त्योहार देश की सभ्यता व संस्कृति का परिचायक है। यह लोगों के जीवन में खुशियों के रंग घोलता है तथा एकता का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि होली द्वेष मिटाकर प्रेम से रहने और जीवन को विभिन्न रंगों से जीने का पाठ पढ़ाती है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक भी है। उप प्राचार्या राखी बनर्जी ने विभिन्न रंगों से जीवन को खुशहाल बनाने का संदेश दिया, जबकि हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी ने होली की महत्ता पर प्रकाश डाला। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाया तथा लोकगीत और नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। समारोह में शैक्षणिक निदेशक जार्ज जोसफ, शिक्षक, शिक्षिकाएं व शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीवाई पाटिल इंटरनेशनल स्कूल बोकारो में होली समारोह की धूम

बोकारो(बिभा)। भारत विविध त्योहारों का देश है ।हर त्योहार का अपना अलग और खास महत्त्व है ।आपसी वैमनस्य को भूलकर प्रेम से मिल जुलकर रहना हमारी सांस्कृतिक एकता की धरोहर है। इसी परंपरा को अविरल रखते हुए डी .वाई . पाटिल इंटरनेशनल स्कूल , बोकारो में होली समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष श्री पंकज कुमार व अध्यक्षा पूनम सिंह मुख्य अतिथि थे। प्रभारी प्राचार्य मनोज कुमार ने पुष्प - पौध भेंट कर सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।फूलों की रंगोली से विद्यालय प्रांगण सुसज्जित था। शिक्षक - शिक्षिकाओं ने सुमधुर गीत - संगीत से इस त्योहार को और भी मनोरंज बन दिया ।मुख्य अतिथि ने सभी को होली की बधाई देते हुए कहा कि सभी मिलजुल कर रहें। अपनी संस्कृति व परंपरा पर गर्व करें । अध्यक्षा श्रीमती पूनम सिंह ने त्योहार के पौराणिक महत्त्व का वर्णन किया ।सभी ने गुलाल , अबीर व फूलों से होली खेली ।प्रभारी प्राचार्य श्री मनोज कुमार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि जिस प्रकार रंग पानी में घुलकर उसे रंगीन और खूबसूरत बना देता है उसी प्रकार हम सभी मिलजुलकर विद्यालय की सुंदरता , एकता और शिक्षा की गुणवत्ता को और भी निखारेंगे ।इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी शिक्षक -शिक्षिकाओं और अन्य कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय रहा।

सेक्टर-4 जय बाबा चौहरमल मंदिर में बनी पूजा कमेटी, 1 अप्रैल को स्थापना दिवस मनाने का फैसला

बोकारो (बिभा) : सेक्टर-4 स्थित जय बाबा चौहरमल मंदिर प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाबा चौहरमल एवं राहु पूजा स्थापना दिवस को 1 अप्रैल को भव्य रूप से मनाने के उद्देश्य से सर्वसम्मति से एक पूजा कमेटी का गठन किया गया।कमेटी में अध्यक्ष वीरेंद्र पासवान, उपाध्यक्ष सुमन कुमार पासवान व संजय पासवान, सचिव अरुण पासवान, संयुक्त सचिव सुनील कुमार व सुशील कुमार, तथा कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम राम एवं संजय पासवान को नियुक्त किया गया। वहीं, कार्यकारिणी सदस्यों में महावीर पासवान, कपिल पासवान, चंद्रदेव पासवान, रामपति पासवान, दुख पासवान, आरसी पासवान, धीरेंद्र पासवान, सुरेश पासवान, रामाकांत पासवान, केशव पासवान व करु पासवान शामिल हैं।बैठक में अमरनाथ पासवान, रामनारायण पासवान, संत पासवान, विनोद कुमार पासवान, राकेश कुमार, राजू पासवान, प्रभात कुमार, विनोद कुमार, असीम पासवान, सुरेंद्र पासवान, राजीव रंजन, शंभू कुमार, करीमन पासवान, प्रवीण कुमार, दिलीप पासवान, अरविंद पासवान, चुन्नू पासवान, महेंद्र पासवान, अरुण कुमार, प्रदीप पासवान, निखिल, प्रशांत, पिंटू सहित भक्ति एवं समाज के दर्जनों सदस्य उपस्थित थे।सभी ने उत्साहपूर्वक आयोजन की सफलता के लिए कमेटी को समर्थन देने का संकल्प लिया।

बोकारो पुलिस को मिली बड़ी सफलता, तनिष्क डकैती प्रयास मामले में बेंगलुरु व सूरत से दो आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो के सिटी सेंटर स्थित तनिष्क शोरूम में 11 जनवरी को हुई डकैती के प्रयास की घटना ने पूरे शहर को हिला कर रख दिया था. दिनदहाड़े हथियारबंद अपराधियों का एक गिरोह पुलिस की वर्दी पहनकर शोरूम में घुस गया था. बताया जाता है कि इस गिरोह में करीब सात अपराधी शामिल थे और उनका मकसद शोरूम में रखे महंगे आभूषणों को लूटना था. हालांकि उनकी योजना उस समय विफल हो गई जब शोरूम के गार्ड ने उनका विरोध किया और हाथापाई शुरू हो गई. इसी दौरान शोरूम का अलार्म बज गया, जिससे अपराधियों में अफरा-तफरी मच गई और वे मौके से भागने पर मजबूर हो गए. इस घटना के बाद शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े हो गए थे और पुलिस पर जल्द से जल्द आरोपियों को पकड़ने का दबाव बढ़ गया था.

पुलिस की कार्रवाई, पहले ही दो आरोपी हो चुके थे गिरफ्तार

घटना के बाद बोकारो पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे मामले की जांच शुरू कर दी थी. शुरूआती जांच के दौरान पुलिस ने गिरोह से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की पहचान करने की कोशिश की और उनकी तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही थी. इस घटना को लेकर पुलिस ने कई राज्यों में भी संभावित ठिकानों पर नजर रखी थी, क्योंकि गिरोह के सदस्य वारदात के बाद अलग-अलग स्थानों पर छिपने की कोशिश कर रहे थे.

बेंगलुरु और सूरत से दो और मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जांच के दौरान बोकारो पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी. पुलिस की विशेष टीम ने इस डकैती के प्रयास में शामिल दो और मुख्य आरोपियों को बेंगलुरु और सूरत से गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी बिहार के बेगूसराय जिले के रहने वाले हैं. पुलिस टीम ने दोनों को पकड़ने के लिए अन्य राज्यों में भी दबिश दी और आखिरकार उन्हें हिरासत में लेने में कामयाबी हासिल की. इसके बाद दोनों आरोपियों को हवाई जहाज के माध्यम से बोकारो लाया गया, जिससे इस मामले की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है.

पूछताछ में खुल सकते हैं गिरोह के अन्य राज

गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस डकैती की पूरी साजिश कैसे रची गई और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल थे. फिलहाल पुलिस अधिकारी इस मामले में ज्यादा जानकारी देने से बच रहे हैं और उनका कहना है कि जांच अभी जारी है. पुलिस का मानना है कि इन गिरफ्तारियों के बाद गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंचने में भी मदद मिलेगी और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जा सकता है. इस कार्रवाई को शहर में अपराध पर लगाम लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

गोमिया के दरहा बेडा गांव में धूमधाम से मना सरहुल पर्व

बिभा संवाददाता

बोकारो । गोमिया प्रखंड के पंचायत कंडेर अंतर्गत दरहा बेडा गांव में सरहुल पूजा का आयोजन किया गया। क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की।स्थानीय ग्रामीणों ने सरहुल देवता का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर सरहुल को केवल एक पर्व ही नहीं, बल्कि समृद्ध सभ्यता, संस्कृति और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का महान अवसर बताया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

चतरा। पत्थलगडा प्रखंड मुख्यालय के दानापुर में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। दानापुर निवासी संतोष दांगी बुधवार दोपहर बाद होली खेलने के लिए अपना पुराना घर महतो टोली पत्थलगडा बाइक से आ रहा था।लोगों ने बताया कि एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। यह घटना पत्थलगडा ब्लॉक रोड में सरपंच वाटिका के समीप हुई है। दुर्घटना के बाद परिजन उसे सदर अस्पताल हजारीबाग ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आज उसका अंतिम संस्कार हुआ।जानकारी मिलते ही सैंकड़ों लोग उसके घर पहुंचे और शोक जताया।उसकी मौत की सूचना के बाद पत्थलगडा, सिंघानी सहित आसपास का माहौल गमगीन हो गया और लोग होली मनाना छोड़ दिए।उसके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने गुरुवार को परिजनों को शव सौंपने के बाद बकुलिया नदी घाट में अंतिम संस्कार किया गया। विधायक प्रतिनिधि विजय दांगी, समाजसेवी हरीश दांगी, अंबिका यादव सहित अन्य ने बताया कि युवक अत्यंत गरीब था। उसके परिजनों को सरकारी मुआवजा देने की मांग की है।

चास के पास संदिग्ध हालत में प्लंबर का शव बरामद, ग्रामीणों में आक्रोश

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)ः बेलुंजा निवासी चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के काशीनाथ रजवार (45) का शव आज सियालजोरी थाना क्षेत्र के वृन्दावन गांव के पास सड़क किनारे गड्ढे में पड़ा मिला। पेशे से प्लंबर मिस्त्री काशीनाथ आठ दिनों से लापता थे।घटना की जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि रास्ते के पास से दुर्गंध आने लगी तो गड्ढे में शव दिखा। तत्काल चास मुफस्सिल थाना और सियालजोरी थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध लग रहा है। थाना प्रभारी ने बताया, ₹पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह आत्महत्या है या हत्या, स्पष्ट होगा।₹घटना की सूचना फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आक्रोश जताया।

सुरक्षा, सम्मान और संवेदनशीलता की संजीवनी-बीएसएल की नई कल्याणकारी पहल

संविदा कर्मियों को 4 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट ने अपने संविदा कर्मियों की सामाजिक एवं स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए संजीवनी नामक समूह स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ किया है। यह कदम संयंत्र की अपने ठेका कर्मियों के समग्र कल्याण, सुरक्षा और सम्मानजनक कार्यपरिसर के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित करता है।

संजीवनी योजना के अंतर्गत लगभग 7,000 संविदा कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। योजना का संचालन बोकारो वेलफेयर ट्रस्ट के माध्यम से किया जाएगा, जबकि बीमा कवरेज मेसर्स बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस योजना के तहत प्रत्येक बीमित संविदा कर्मी को 4 लाख तक की इन-पेशेंट चिकित्सा सुविधा तथा 1,500 तक की आउट-पेशेंट सुविधा एक वर्ष की अवधि के लिए प्रदान की जाएगी। यह प्रावधान संविदा कर्मियों और उनके परिवारों को आकस्मिक स्वास्थ्य व्ययों से सुरक्षा प्रदान करेगा तथा उन्हें आर्थिक और मानसिक संबल देगा। संजीवनी योजना पूरे सेल में इस तरह की एकमात्र योजना है जो न केवल स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि संविदा कर्मियों के मनोबल को भी सुदृढ़ करेगी। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि बीएसएल अपने कार्यबल के प्रत्येक वर्ग को संगठन की प्रगति का सहभागी मानते हुए समावेशी, उत्तरदायी और मानवीय कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयासरत है।

उल्लेखनीय है कि यह योजना ठेका कर्मियों के कल्याण के प्रति बीएसएल की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को एक बार फिर स्थापित करती है और औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिक कल्याण की दिशा में एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत करती है।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद के होली मिलन में फगुआ गीतों की रही बौछार

सामाजिक मैत्री की प्रेरणा देती है होली : अधिशासी निदेशक

बिभा संवाददाता

बोकारो। इस्पातनगरी बोकारो में चौतरफा होलियाना माहौल के बीच मिथिला-मैथिलों की प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो का होली मिलन समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। परिषद की ओर से नगर के सेक्टर- 4ई में संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल में आयोजित होली मिलन में एक तरफ जहां खूब अबीर-गुलाल उड़ते रहे, वहीं घंटों पारंपरिक फगुआ गीतों की बौछार होती रही। ढोलक, झाल-मंजीरा और हारमोनियम के साथ परिषद की कीर्तन मंडली के कलाकारों ने फागुन-रस की ऐसी बौछार की कि उपस्थित सभी लोग उसमें सराबोर हो गए।

कलाकारों ने फगुआ गीतों- बाबा हरिहरनाथ सोनपुर में खेले होली..., बिरज में होरी खेलत नंदलाल... मिथिला में राम खेलथि होरी..., खेले मसाने में होरी दिगंबर... आदि गीतों की झड़ी लगा दी। इस क्रम में आसपास का पूरा वातावरण होलीमय बना रहा। परिषद के अध्यक्ष जय प्रकाश चौधरी एवं महासचिव नीरज चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए होली को आपसी प्रेम, सदभाव और भाईचारे का पर्व बताया। साथ ही, उन्होंने मिथिला समाज के लोगो से एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

समारोह में मुख्य रूप से उपस्थित बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त ने उपस्थित सभी लोगों को होली की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व हमें सामाजिक प्रेम और मैत्री की प्रेरणा देता है। मौके पर बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम- 3) राजेश कुमार झा, परिषद निदेशक मंडल के संयोजक एवं मिथिला एकेडमी के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार, निदेशक मंडल के सदस्य केसी झा व विजय कुमार झा, विद्यालय सचिव दिलीप कुमार झा, परिषद के सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक, कोषाध्यक्ष मिहिर मोहन ठाकुर सहित श्रीमोहन झा, सुनील मोहन ठाकुर, अविनाश झा अवि, सुदीप कुमार ठाकुर, विजय कुमार मिश्र अंजू, सुभद्र चौधरी, एसके झा, विश्वनाथ झा, तरुण, अमरनाथ झा, भूषण पाठक, रमण झा, मनोज कुमार झा, अरविन्द मिश्रा, प्रमोद कुमार मिश्र, गंगेश पाठक, उमेश कुमार झा, विश्वनाथ गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

बोकारो में पासवान परिवार की होली मिलनः एकता और सौहार्द का संदेश

बिभा संवाददाता

बोकारो। सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द को मजबूत करने की दिशा में बोकारो जिला पासवान परिवार की होली मिलन समारोह सेक्टर-2 स्थित कांग्रेस एससी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज कुमार पासवान के आवासीय कार्यालय में संपन्न हुई। हर वर्ष की भांति इस बार भी रंगों के त्योहार होली के साथ होली मिलन समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया।सेक्टर-2 प्रांगण में आयोजित रंगारंग 'होली मिलन समारोह' में वरिष्ठ और कनिष्ठ सक्रिय सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समारोह की शुरूआत आपसी भाईचारे और शांति के संदेश के साथ हुई, जहां उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान गीत-संगीत का भी मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोज पासवान ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि मेलजोल और सौहार्द का प्रतीक है। उनका उद्देश्य इस समारोह के माध्यम से समाज में प्रेम और एकता का संदेश फैलाना है। समारोह में सभी सक्रिय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा लजीज व्यंजनों का भी आनंद उठाया।

कामंता डैम में युवक के डूबने की खबर से क्षेत्र में हड़कम्प

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगर पंचायत क्षेत्र के कामंता डैम में वृहस्पतिवार को नहाने गए एक युवक के डूबने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। जिसकी जानकारी पुलिस को मिली तो थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह दल-बल के साथ कामंता डेम पहुँचे और पूरे मामले पर अनुसंधान किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, अनिगड़ा गांव से आज दोपहर को सात लोग नहाने के लिए कामंता डैम गये हुए थे। जिसमें एक युवक के डूबने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि अनिगाड़ा गांव के करन सिंह, बिंदेश्वर होरो, सुखराम पाहन, घसिराय पाहन, सुबोध सारुकद पूर्ति और करीब 22 वर्षीय आकाश पूर्ति सहित कई युवक दोपहर करीब दो बजे डैम में नहाने पहुँचे थे। नहाने के दौरान अचानक आकाश पूर्ति पानी में गायब हो गया। पहले साथियों को लगा कि वह मजाक कर रहा है, लेकिन काफी देर तक बाहर नहीं आने पर युवकों ने डैम और आसपास के इलाके में उसकी तलाश शुरू कर दी। घटनास्थल पर आकाश पूर्ति के कपड़े, मोबाइल फोन और अन्य सामान डैम किनारे रखा मिला, जिसके बाद डूबने की आशंका और बढ़ गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना खूंटी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के इलाके में खोजबीन कराई, लेकिन देर शाम तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया। पुलिस ने बताया कि गोताखोर को बुलाया गया है। रात होने की वजह से तलाश अभियान शुरू नहीं किया जा सका, अब शनिवार सुबह गोताखोर की मदद से डैम में युवक की तलाश की जाएगी। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है और साथ में नहाने गए युवकों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल पूरे इलाके में युवक के सुरक्षित मिलने की उम्मीद के साथ तलाश अभियान की तैयारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आज सुबह से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया जाएगा।

चेरवादाग मोड़ के पास भीषण सड़क हादसा, जीजा-साला की मौत, दो गंभीर घायल

बिभा संवाददाता

कर्रा। प्रखंड क्षेत्र के चेरवादाग मोड़ के पास बुधवार शाम करीब चार बजे हुए भीषण सड़क हादसे में जीजा-साला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कर्रा की ओर से आ रहे एक ऑटो और कर्रा से जलटंडा साप्ताहिक हाट की ओर जा रही बाइक के बीच चेरवादाग मोड़ के पास आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। बाइक पर तीन लोग सवार थे। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार रमेश और उसका साला मुन्ना उरांव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

दुर्घटना में मुन्ना उरांव का दोस्त राजू कच्छप तथा ऑटो चालक अनिल गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्रा भेजा गया।

बताया जाता है कि मृतक मुन्ना उरांव रांची जिले के नगड़ी थाना क्षेत्र के पांडू टोली का निवासी था। वह अपने दोस्त राजू कच्छप के साथ चिउर छापरा स्थित अपने जीजा के घर आया हुआ था। वहां से तीनों एक साथ जलटंडा साप्ताहिक हाट जा रहे थे। इसी दौरान चेरवादाग मोड़ के पास यह दर्दनाक हादसा हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही कर्रा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए खूंटी भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया गया।

घायल राजू कच्छप और ऑटो चालक अनिल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्रा में भर्ती कराया गया है। ऑटो चालक अनिल कर्रा के पेपीर टोली का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

वन विभाग परिसर में आग लगने से लकड़ी का बोटा व ट्रक जली

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगर पंचायत क्षेत्र के वन प्रमंडल कार्यालय परिसर स्थित मालखाना में रखे जब्त सखुवा बोटा के ढेर में बुधवार को होली की शाम अचानक आग लग गयी। जिससे जब्त किये गये सखुआ बोटा लकड़ियां व ट्रक जली गये। ये लकड़ियाँ अवैध तस्करी वाले लकड़ियाँ थी जिसे वन विभाग द्वारा पकड़ गया था और जब्त लकड़ियों को निलामी की गयी थी। जिसे खरीदार बोटा नहीं ले जा सका था। वहीं आज अचानक एसडीओ तालाब, एसपी आवास आदि जाने का रास्ता है। जहां सड़क के किनारे घेरा कर अंदर रखे मोटे मोटे बड़े बड़े लकड़ियों में आग लग गया। वहीं आशंका लगायी जा रही है कि कोई व्यक्ति सिगरेट बीड़ी पीकर जलता हुआ फेंक दिया होगा जो पत्ता में आग पकड़ने के कारण बढ़ता चला गया और फिर ये आग सूखे लकड़ियों में पकड़ने के साथ लकड़ियों के ढेर में पकड़ लिया। वहीं काफी संख्या में रखे बोटे और ट्रक के टायर व अन्य हिस्सों में जलने काफी नुकसान हो गया। जिसकी जानकारी मिलते ही वन प्रमंडल पदाधिकारी, डीएसपी वरुण रजक, थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह सहित वन विभाग के लोग पहुंचे और फिर अग्निशमन विभाग को जानकारी दिया गया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत अग्निशमन वाहन पहुँचा और उनकी तत्परता से आग को बुझाने का काम किया गया लेकिन वाहन में पानी समाप्त हो गया। जिसके बाद वन विभाग, पुलिस विभाग आदि मिलकर आग को बुझा दिया गया। लेकिन जितना जब्त लकड़ी रखा गया है और काफी जब्त ट्रक आदि परिसर में है। अगर आग पर काबू नहीं पाया गया होता तो करोड़ों रुपए का नुकसान हो सकता था। डीएसपी वरुण रजक ने बताया कि वन प्रमंडल परिसर क्षेत्र में एसडीओ तालाब सड़क वाले रास्ते के किनारे मालखाना में जप्त करके रखे गए लकड़ी बोटा के गांज में आग लग गया। हालांकि आग कैसे लगा इसकी अभी जांच की जा रही है। लेकिन आग लगने से काफी मात्रा में लकड़ी जल गई। वहीं वन विभाग पुलिस प्रशासन और अग्निशमन विभाग के प्रयास से इसे बुझाने का काम किया गया। अब आग कैसे लगी इसका अनुसंधान किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, खूंटी में पानी वाला एक ही एक ही अग्निशमन वाहन है और उसमें पानी भरने के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं है। जिसके कारण तुरंत पानी भरने का सुविधा नहीं होने से देर हो जाती है। जिसके लिए समुचित व्यवस्था की आवश्यकता है। नहीं तो बड़ी घटना होने से समस्या उत्पन्न हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

कई वर्षों की परंपरा ओरिया में वाद्ययंत्रों के साथ जीवंत

हजारीबाग(बिभा): रंगोत्सव के पावन पर्व होली के शुभ अवसर पर कीर्तन समाज, ओरिया द्वारा परंपरानुसार शिवमंदिर से ग्राम-भ्रमण का मंगलमय शुभारंभ किया गया। वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनियों से गूंजता वातावरण आध्यात्मिक आभा से आलोकित हो उठा। झंकार और करताल की समन्वित ताल ने ऐसी अनुपम लय उत्पन्न की, जिसने हर हृदय को स्पंदित कर दिया। गूंजते भजनों और उल्लासपूर्ण भक्तिमय स्वर ने पूरे ग्राम को एक सूत्र में बांध दिया। सामाजिक एकता, पारस्परिक प्रेम और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक है। ग्राम- भ्रमण के दौरान चौक- चौराहा, गली- मुहल्ला एवं कई घरों में पकवान एवं अबीर- गुलाल लगाकर सहृदय स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्य रूप से कीर्तन समाज के अध्यक्ष नारायण साव, उपाध्यक्ष बिनोद साव, सचिव दिनु ठाकुर, उपसचिव पोखन साव, कोषाध्यक्ष रामनाथ राणा, सक्रिय सदस्य चरका साव, मोहन साव, रोहित साव, महादेव साव, गणेश गोप, बंधन साव, विजय यादव, शीतल पवन रजक, उदय पासवान, अभय पासवान, बबलू यादव, गोविन्द यादव, जीतु यादव, विनय यादव, कौलेश्वर साव, संजय यादव सहित कई ग्रामीण उत्साह के साथ जुटे रहे।

अनुज यादव के इलाज का पूरा खर्च उठाएगी सीसीएल, इलाज में कोई कोताही नहीं होगी : अनीता देवी

लातेहार/बालूमाथ (बिभा): तेतरिया खांड कोलियरी में हुई दुर्घटना में घायल बालूमाथ प्रखंड के आरा ग्राम के निवासी एवं सीसीएल कर्मी अनुज यादव के इलाज में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी। इस संबंध में जिला परिषद लातेहार की उपाध्यक्ष अनीता देवी लगातार मामले की निगरानी कर रही हैं।अनीता देवी ने तेतरिया खांड कोलियरी के प्रोजेक्ट ऑफिसर जयप्रकाश रावत से दूरभाष पर बातचीत की। प्रोजेक्ट ऑफिसर ने बताया कि वे स्वयं देवकमल हॉस्पिटल में मौजूद हैं ।अनीता देवी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि घायल अनुज यादव के इलाज का पूरा खर्चा (सीसलएल) द्वारा वहन किया जाए, क्योंकि दुर्घटना में सुरक्षा मानकों के उल्लंघन और प्रबंधन की लापरवाही की बात सामने आ रही है। प्रोजेक्ट ऑफिसर ने बताया कि मामले की लगातार निगरानी की जा रही है। घायल अनुज यादव फिलहाल खतरे से बाहर हैं और देवकमल हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है। सीसीएल गांधीनगर अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर भी मरीज को देख चुके हैं और उन्होंने इलाज को संतोषजनक बताया है। इस दौरान अनीता देवी ने घायल के परिजनों से भी बात कर स्थिति की जानकारी ली और उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। तब जाकरअनीता देवी के इस प्रयास से परिजनों में भरोसा जगा है ।

बाईक व ट्रक के बीच हुई सीधी भिड़ंत, तीन की मौत

खूँटी(बिभा) । जिले के रनिया थाना क्षेत्र में ट्रक व बाईक की सोमवार को जबरजस्त सीधी भीड़ंत से तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना रनिया थाना क्षेत्र के तुरीगड़ा में घटी है। जहाँ एक अज्ञात ट्रक और बाईक की सीधी टक्कर हो गयी। जिसमें तीनों लोगों की मौत पर शवों की पहचान हो गयी है। जिन मृतकों में दो लोग खूँटी थाना क्षेत्र के खूंटी थाना के लटरजंग निवासी सनिका मुंडा और तुरी मुंडा और तीसरा गुदडी थाना उड़रिंग गाँव निवासी मानु बरजो के रुप में हुई है। जो गुदड़ी में हो रहे ठीकेदारी कार्य में जेसीबी चलाने का काम करते थे। वहीं गुदड़ी से रनिया आये थे फिर पल्सर बाइक से ही मरचा की ओर बढ़ रहे थे। लेकिन वितरित दिशा से आ रहे ट्रक को टक्कर मारी दिया। इससे घटनास्थल पर ही तीनों की मौत हो गयी। पुलिस तीनों के शवों को रनिया थाना ले गयी थी। जिसका आज अंत्यपरीक्षण कराया गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि गुदड़ी थाना क्षेत्र में ठीकेदारी का काम चल रहा है। उसमें एक जेसी चलाता है। और दो लोग हेल्पर का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि कि तीन लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गया इसपर जानकारी मिला । तभी रनिया थाना जाकर देखे कि उसके ही भाई हैं तो फिर शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए शव को लाए हैं। वहीं पुलिस नसों को पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया।

तमाड़ के तीन मेधावी छात्रों को मेधा सम्मान पत्र व प्रोत्साहन राशि

तमाड़(बिभा)। झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आयोजित मैट्रिक परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तमाड़ प्रखंड क्षेत्र के कोठारी चौक स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रथम तीन छात्रों को स्वर्गीय प्रदीप सेन गुप्ता मेधा सम्मान पत्र 2026 देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान छात्रों को मोमेंटो, पुस्तक तथा प्रोत्साहन राशि के रूप में पांच-पांच हजार रुपये प्रदान किये गये। विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले नावाडीह निवासी राकेश पुराण, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले आमलेसा निवासी विक्की मछुवा तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले झारगांव निवासी अनिल सिंह मुंडा को स्वर्गीय ई. प्रदीप सेन गुप्ता के भाइयों द्वारा मेधा सम्मान पत्र, मोमेंटो, पुस्तक और प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक

किसी भी स्थिति में योग्य लाभुकों का नाम राशन कार्ड से न हटे, यह सुनिश्चित करें:डीसी

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में आज 5 मार्च को जिला स्तरीय आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने राशन कार्ड की रिक्तियों की स्थिति की समीक्षा करते हुए अयोग्य लाभुकों के नाम हटाने तथा योग्य लाभुकों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही लाभुकों के ई-केवाईसी की प्रक्रिया में गति लाने के लिए एनआईसी के साथ समन्वय स्थापित कर चार दिनों के भीतर सुधार लाने को कहा।

चीनी वितरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान डाड़ी प्रखंड में कम वितरण पर उपायुक्त ने नाराजगी जताते हुए संबंधित पदाधिकारियों को वितरण कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त चना दाल वितरण को 15 मार्च तक पूर्ण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने तथा केरोसिन तेल वितरण का प्रतिवेदन 10 मार्च तक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। नमक वितरण कार्य को भी गंभीरता के साथ पूर्ण करने पर जोर दिया गया।

उपायुक्त ने सभी प्रखंडों से चावल वितरण की तिथियों तथा गोदामों में उपलब्ध खाद्यान्नों की अद्यतन रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया। धान अधिप्राप्ति की समीक्षा करते हुए उन्होंने अब तक किसानों को किए गए भुगतान की जानकारी प्राप्त की तथा विभाग द्वारा धान अधिप्राप्ति से संबंधित संदेश सभी पंजीकृत किसानों को अनिवार्य रूप से भेजने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी स्थिति में योग्य लाभुकों का नाम राशन कार्ड से न हटे, यह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही गोदामों में भंडारित खाद्यान्नों के सुरक्षित रख-रखाव के लिए सीसीटीवी, अग्निशमन यंत्र तथा रसायनों के छिड़काव जैसी व्यवस्थाओं को अद्यतन रखने का निर्देश दिया। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री मुरली यादव एवं सभी प्रखंडों को प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी व अन्य मौजूद थे।

चंदवा में हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया रंगों का त्योहार होली, पुलिस प्रशासन दिखी मुस्तैद

बिभा संवाददाता

लातेहार : चंदवा प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में रंगों का त्योहार होली बुधवार को हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ संपन्न हो गया। सुबह से ही लोगों में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया।सुबह से दोपहर लगभग 2 बजे तक लोगों ने जमकर रंग खेला और एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की बधाई दी।दोपहर 2 बजे के बाद देर शाम तक लोगों ने अबीर-गुलाल लगाकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान लोग समूह बनाकर मोहल्लों और गांवों में घूमते नजर आए और एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाते हुए पर्व की खुशियां साझा कीं। पर्व को लेकर बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में उत्साह देखने को मिला।होली के अवसर पर महावीर मंडल कंचन नगरी में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जहां लोगों ने झाल, मंजीरा और तबले की धुन पर फगुआ गीत गाकर जमकर आनंद उठाया। वहीं प्रखंड मुख्यालय के कई स्थानों पर गाजे-बाजे की धुन पर लोग नाचते-गाते और एक-दूसरे को झुमाते नजर आए। पर्व के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखा।चंदवा के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात रहा और पुलिस वाहन लगातार गश्त करते नजर आए।वहीं दोपहर बाद सनातन धर्मावलंबियों ने अपने घरों में स्थापित देवी-देवताओं के साथ-साथ आसपास के मंदिरों, देवालयों और देवी मंडपों में पूजा-अर्चना भी की।होली के अवसर पर घरों में पुआ-पकवान सहित कई प्रकार के व्यंजन बनाए गए, जिनसे आने-जाने वाले अतिथियों का स्वागत और सत्कार किया गया।

धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया होली का पर्व, लोगों ने एक-दूसरे को लगाया रंग-गुलाल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: रंगों का पावन त्योहार होली क्षेत्र में बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही गांव और शहर की गलियों में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों की टोलियां रंग-गुलाल लेकर निकल पड़ीं। लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी प्रेम तथा भाईचारे का संदेश दिया।

इस अवसर पर जगह-जगह होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जहां लोगों ने ढोल-नगाड़ों और फाग गीतों के साथ जमकर नृत्य किया। घरों में तरह-तरह के पकवान जैसे गुजिया, दही-बड़ा और मिठाइयां बनाई गईं, जिन्हें लोगों ने आपस में बांटकर त्योहार की खुशियां साझा कीं।

बच्चों और युवाओं में होली को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। पिचकारी और रंगों के साथ उन्होंने पूरे दिन मस्ती की। वहीं बुजुर्गों ने भी पारंपरिक अंदाज में एक-दूसरे को गुलाल लगाकर आशीर्वाद दिया।

स्वास्थ्य लाभ ले रहे पद्मभूषण कड़िया मुण्डा ने खेली तिलक होली

खूँटी । होली एक ऐसा त्यौहार है जिस रंगोत्सव में सभी लोग होली खेलते हैं। वहीं पद्मभूषण कड़िया मुण्डा अस्वस्थ हैं। लेकिन रंगोत्सव की बेला में उनके पोते के साथ होली खेली। कड़िया मुण्डा ने अपने पोते को अबीर गुलाल लगाकर आशिर्वाद दिये। वहीं उनके पोते ने होली के मौके पर उत्सव मनाते हुए दादा जी को अबीर गुलाल लगाया व आशिर्वाद लिया। इस दौरान होली के माहौल में दादा पोता का प्यार घर में और भी खुशियां ला दिया।

कार चालक ने विवाद के बाद फल दुकानदार को कार से घसीटा, गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

धनबाद। धनबाद के केंदुआ मोड़ में गुरुवार को एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई, जहां मामूली विवाद के बाद एक फल दुकानदार को कार से करीब 100 मीटर तक घसीट दिया गया। इस घटना में दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका सिर फट गया।

घटना केंदुआ मोड़ स्थित बिहारी लाल चौधरी के सामने की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, एक कार आकर फल दुकानदार के ठेले के सामने खड़ी हुई। कार में सवार एक व्यक्ति बाहर बियर की बोतल रखकर शराब पीने लगा। जब दुकानदार ने इसका विरोध किया तो दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। इसी दौरान आरोपित ने गाली-गलौज करते हुए दुकानदार को थप्पड़ मार दिया।

बताया जा रहा है कि इसके बाद आरोपित ने कार का दरवाजा खोलकर दुकानदार को अंदर खींच लिया और तेज रफ्तार में गाड़ी भगा दी। दुकानदार करीब 100 मीटर तक घसीटता रहा और फिर चलती कार से सड़क पर गिर पड़ा। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल दुकानदार को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद केंदुआ थाना पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि कार चालक और वाहन अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पारम्परिक होली से प्रचलित रहा है नागवंशी रियासत का गाँव जरिया गढ़

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में एक ऐसा गाँव जरिया गढ़ है जहां पारम्परिक तरीके से होली खेली जाती है। जहाँ शराब का नशा नहीं बल्कि रंगोत्सव की उमंग होती है और पूरी श्रद्धा के साथ होली खेली जाती है। मित्रों के साथ खुलकर नाच-गाकर होली खेली जाती वहीं पहली बेला रंग और दूसरी बेल अबीर खेली जाती है। जहां भगवान कृष्ण, बलभद्र सुभद्रा को रंग व अबीर देने के पश्चात लोग एक दूसरे को रंग डालते हैं। ढोल मृदंग करताल के साथ होली के गीत गाती जाती है और यह पूरे गांव में भ्रमण करते हुए होली त्यौहार मनाया जाता है। यही मात्र नहीं बल्कि होली के दिन सभी लोग आपसी द्वेष भूलकर सभी मिलकर होली खेलते हैं। वहीं आज पूरे गांव में इस प्रकार होली खेली गयी। जहां युवकों ने गाजे-बाजे के साथ गाँव में निकले और एक तरफ मृदंग, झांझ, करताल का समूह रहा , वहीं नागपुरी गीत के साथ डीजे बजाकर होली खेली गयी। वहीं हिंदी गीत वाले समूह और भोजपुरी वाले डीजे साउंड के साथ नाचते गाते हुए होली खेली। यह उल्लास परम्परा के साथ होली की खुशियाँ मनायी गयी। यही परम्परा जरिया के अलावे मुरुचकेल, डहकेला, समुंदर, सिलफारी सहित अनेक क्षेत्रों के लोग हर्षोल्लास के साथ रंगोत्सव होली खेली। लाल जितेंद्र नाथ शाहदेव ने बताया कि जरियागढ़ नागवंशी शासन की राजधानी रहा है जहाँ के ग्रामीण प्राचीन संस्कृति के साथ होली खेलते हैं जिसमें एक बेल रंग और दूसरी बेला अबीर खेली जाती है और आज गाजे-बाजे के साथ होली खेली गयी। गांव में कृष्ण भगवान का डोल लगा। जहां परंपरा के साथ भगवान कृष्ण को अबीर और रंग दिया गया उसके पश्चात सभी लोगों ने मिलकर मदन मोहन मंदिर से रंगोत्सव होली खेली।

होली की उमंग , बच्चों में होली की खुशहाली, कहीं पूजा तो कहीं मांस खरीदारी में जुटे लोग

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिलेभर में लोगों ने बुधवार को हर्षोल्लास के साथ जमकर होली खेली। बच्चे हो या बड़े सभी एक दूसरे को रंग अभी लगाकर होली की खुशहाली व्यक्त किया। हालांकि होली त्यौहार में मनोरंजन और खुशी को अपने-अपने तरीके से मनाए। कहीं पूजा पाठ और विधि विधान से पूजा अर्चना करके भगवान कृष्ण और देवी देवताओं को अबीर अर्पित करके होली को सात्विक तरीके से मनाया गया। तो वहीं दूसरी ओर मांस की दुकानों में लोगों की भीड़ देखने को मिली।होली खेल रहे बच्चों ने बताया कि रंगों का पर्व के अवसर पर लोगों को रंग लगा रहे हैं और एक दूसरे को रंग लगाकर मनोरंजन कर रहे हैं और इससे काफी मजा आ रहा है। मीना देवी ने बताई कि होली में भगवान देवी देवताओं के साथ पुर्वजों की भी पूजा की जाती है। इसलिए आज प्रकृति के नव कोम्पल फूलों केस साथ पूजा किये। जिसमें प्लास के फूल आम मंजर , महुआ फूल और अबीर गुलाल के साथ पूजा किये जिसमें विशेष पकवान प्रसाद पुआ का भोग लगाया गया। इस दौरान भगवान से कामना किये कि बाल बच्चों के साथ सारा दुनिया सुखी सम्पन्न और यशस्वी रहें।

राज्यसभा चुनाव 2026: बदलते समीकरण, नंबर गेम और बिहार की पांचवीं सीट पर सियासी शतरंज

कांतिलाल मांडोत

राज्यसभा के ये चुनाव केंद्र सरकार की विधायी क्षमता, विपक्ष की प्रतिरोध शक्ति और क्षेत्रीय दलों की सौदेबाजी क्षमता–तीनों को प्रभावित करेंगे। यदि अनुमान सही साबित होते हैं और एनडीए 145 के आसपास पहुंचता है, तो उच्च सदन में उसकी स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। इसके विपरीत, विपक्ष को अपनी राजनीतिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा। इस प्रकार 2026 का राज्यसभा चुनाव केवल सीटों का फेरबदल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के अगले अध्याय की प्रस्तावना है।

साल 2026 का राज्यसभा चुनाव भारतीय राजनीति के लिए केवल नियमित संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन के पुनर्निर्धारण का वर्ष साबित हो सकता है। राज्यसभा की कुल 245 सीटों में से लगभग 72 से 75 सीटें वर्षभर में विभिन्न चरणों में रिक्त हो रही हैं। मार्च में 37 सीटों पर चुनाव प्रस्तावित हैं, जबकि शेष सीटों पर अप्रैल, जून, जुलाई और नवंबर में चुनाव होंगे। इन चुनावों का सीधा असर केंद्र की विधायी रणनीति और विपक्ष की प्रभावशीलता पर पड़ेगा, क्योंकि उच्च सदन में बहुमत का समीकरण कई महत्वपूर्ण विधेयकों की दिशा तय करता है।

फरवरी 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सदन में भाजपा के पास 103 सीटें, कांग्रेस के पास 27, तृणमूल कांग्रेस के 12, आम आदमी पार्टी के 10, द्रमुक के 10, बीजद के 7, वाईएसआरसीपी के 5 और अन्नाद्रमुक के 7 सदस्य हैं। सात सदस्य नामित श्रेणी में हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की कुल ताकत लगभग 121 के आसपास मानी जा रही है, जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक करीब 80 सीटों के साथ मौजूद है। मौजूदा विधानसभा संरचनाओं को देखते हुए अनुमान है कि एनडीए को 7 से 9 सीटों का शुद्ध लाभ मिल सकता है, जिससे उसकी संख्या 140 के पार जा सकती है। इसके विपरीत, विपक्षी गठबंधन को लगभग पांच सीटों का नुकसान संभव है।

मार्च में जिन 37 सीटों पर चुनाव होंगे, वे महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना से संबंधित हैं। इन राज्यों की विधानसभा संरचना ही परिणामों का आधार बनेगी।

राज्यसभा के चुनाव प्रत्यक्ष जनमत से नहीं, बल्कि निर्वाचित विधायकों के वोट से होते हैं। प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और विधायकों की कुल संख्या के आधार पर 'कोटा' तय किया जाता है। सूत्र है–कुल विधायक संख्या को (सीटें + 1) से भाग देकर उसमें एक जोड़ दिया जाता है। यही न्यूनतम मत संख्या है, जो किसी उम्मीदवार को प्रथम वरीयता के आधार पर जीत के लिए चाहिए।

बिहार का उदाहरण इस गणित को स्पष्ट करता है। वहां विधानसभा में 243 सदस्य हैं और इस चरण में पांच सीटों पर चुनाव होना है। सूत्र के अनुसार 243 को 6 से भाग देने पर 40.5 आता है, उसमें एक जोड़ने पर कोटा 41.5 बनता है, जिसे व्यावहारिक रूप से 42 माना जाता है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं। इस आधार पर वह चार सीटें सहजता से जीत सकता है, क्योंकि 202 को 42 से भाग देने पर चार पूर्ण कोटे बनते हैं। इसके बाद उसके पास 38 वोट शेष रहते हैं। पांचवीं सीट के लिए उसे कम से कम तीन अतिरिक्त विधायकों का समर्थन चाहिए। यही वह बिंदु है, जहां सियासी रणनीति और क्रॉस वोटिंग की संभावनाएं अहम हो जाती हैं।

बिहार में एनडीए के घटक दलों में भाजपा के 89 और जदयू के 85 विधायक हैं। इसके अतिरिक्त लोजपा (रामविलास), हम और अन्य सहयोगियों को मिलाकर संख्या 202 तक पहुंचती है। दूसरी ओर महागठबंधन में राजद के 25, कांग्रेस के 6 और वामदलों के तीन विधायक हैं। इनके अलावा पांच विधायक एआईएमआईएम और एक विधायक बसपा का है, जो किसी खेमे में औपचारिक रूप से शामिल नहीं हैं। महागठबंधन की कुल संख्या 35 है, जो एक सीट के लिए भी पर्याप्त नहीं। यदि विपक्ष एआईएमआईएम और बसपा का समर्थन जुटा ले, तब भी उसे कोटा पूरा करने के लिए अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता रहेगी। इसीलिए बिहार में पांचवीं सीट का मुकाबला केवल गणित नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वास और रणनीतिक तालमेल का प्रश्न बन गया है।

एनडीए की रणनीति स्पष्ट है कि वह चार सुनिश्चित सीटों के बाद पांचवीं पर भी दांव लगाए। इसके लिए बसपा के विधायक, महागठबंधन से जुड़े कुछ असंतुष्ट चेहरों या निर्दलीय समर्थन पर नजर है। वहीं विपक्ष भी यह समझता है कि यदि वह एकजुट होकर एक ही उम्मीदवार उतारे और अतिरिक्त समर्थन सुनिश्चित करे तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। किंतु यदि विपक्षी खेमे से एक से अधिक प्रत्याशी मैदान में आते हैं, तो प्रथम वरीयता के वोटों के बंटवारे से एनडीए को लाभ मिल सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी यही गणित कई राज्यों में दोहराया जा रहा है। महाराष्ट्र में हालिया विधानसभा परिणामों ने एनडीए को बढ़त दी है, जिससे वहां अतिरिक्त सीट मिलने की संभावना है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भी क्षेत्रीय दलों की बदली ताकत का असर दिख सकता है। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में विधानसभा में भाजपा की स्थिति मजबूत होने से विपक्ष की सीटें घट सकती हैं। कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में सीमित नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है, परंतु कुल मिलाकर संतुलन एनडीए के पक्ष में झुकता दिखाई देता है।

इन चुनावों का एक मानवीय और प्रतीकात्मक पहलू भी है। कई वरिष्ठ नेताओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। कुछ के लिए पुनर्निर्वाचन कठिन प्रतीत हो रहा है, क्योंकि उनकी पार्टियों की विधानसभा शक्ति घटी है। राज्यसभा अक्सर उन नेताओं के लिए मंच रही है जो प्रत्यक्ष चुनाव नहीं लड़ते, किंतु राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहते हैं। यदि विधानसभा गणित अनुकूल न रहा, तो कई अनुभवी चेहरों की वापसी असंभव हो सकती है। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं, बल्कि संसदीय विमर्श की दिशा का भी संकेत होगा।

सत्य आकलन यह दशार्ता है कि राज्यसभा का चुनाव पूर्णतः अंकगणितीय प्रक्रिया है, किंतु राजनीति इसे जीवंत बना देती है। जहां संख्या स्पष्ट है, वहां परिणाम लगभग तय होते हैं; जहां अंतर कम है, वहां रणनीति निर्णायक हो जाती है। 2026 का परिदृश्य बताता है कि एनडीए अपनी बढ़त को और मजबूत करने की स्थिति में है, जबकि विपक्ष को समन्वित रणनीति और आंतरिक एकता पर अधिक ध्यान देना होगा। विशेषकर बिहार जैसे राज्यों में पांचवीं सीट का संघर्ष यह सिद्ध करेगा कि भारतीय संसदीय राजनीति में एक-एक विधायक का महत्व कितना अधिक है।

अंततः, राज्यसभा के ये चुनाव केंद्र सरकार की विधायी क्षमता, विपक्ष की प्रतिरोध शक्ति और क्षेत्रीय दलों की सौदेबाजी क्षमता–तीनों को प्रभावित करेंगे। यदि अनुमान सही साबित होते हैं और एनडीए 145 के आसपास पहुंचता है, तो उच्च सदन में उसकी स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। इसके विपरीत, विपक्ष को अपनी राजनीतिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा। इस प्रकार 2026 का राज्यसभा चुनाव केवल सीटों का फेरबदल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के अगले अध्याय की प्रस्तावना है।

संपादकीय

परमाणु रिसाव हुआ तो...

ईरान युद्ध में परमाणु रिसाव के खतरे बढ़ते जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का मानना है कि अमरीका और इजरायल जिस तरह बमबारी कर रहे हैं, मिसाइल-ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं, उनसे परमाणु केंद्रों पर चिंताजनक स्थितियां बनती जा रही हैं। हालांकि अभी आईएईए ने किसी भी तरह के परमाणु विकिरण की पुष्टि नहीं की है और न ही ऐसे संकेत हैं, लेकिन परमाणु रिसाव की संभावनाओं से इंकार भी नहीं किया है। आईएईए ने आपात बैठक भी की है, क्योंकि ईरान के राजनयिक रेजा नजाफी ने दावा किया था कि अमरीकी-इजरायली लड़ाकू विमानों ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला किया है, जबकि उन केंद्रों में शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर काम किया जा रहा है। अब बमबारी के बाद परमाणु रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। आईएईए ने ईरान सरकार के संबद्ध अधिकारियों से बात की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि परमाणु विकिरण फैल सकता है। यदि परमाणु रिएक्टर ह्यमेल्टडाउनह्व हुआ, तो 10 करीबी देशों में भी परमाणु खतरा पैदा हो जाएगा। फारस की खाड़ी में भी विकिरण पहुंचेगा और बड़े स्तर पर पानी जहरीला और जानलेवा हो सकता है। जलीय जीव तो मरेंगे ही, उनके अलावा मनुष्य में कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों का ज्यादा विस्तार होगा। यदि ईरान के परमाणु केंद्रों से रिसाव शुरू हुआ, तो सभी खाड़ी देश उसके दायरे में होंगे। कई अरब देशों के परमाणु रिएक्टर खतरनाक स्थितियों में हैं। ईरान ही नहीं, इराक, सीरिया, बहरीन, कुवैत आदि देशों में भी परमाणु साइट्स हैं। क्या वे परमाणु कार्यक्रम उन देशों के अपने और घोषित, वैध कार्यक्रम हैं अथवा अमरीका के परमाणु उपनिवेश हैं? यह दायित्व आईएईए का है। अमरीका ने इन देशों के परमाणु केंद्रों पर आपत्ति दर्ज नहीं की और न ही किसी हमले की धमकियां दीं! क्या ये ह्यसंहारी संयंत्रह्व नहीं हैं? अलबत्ता आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा है कि हमारे पास ऐसे किसी हमले की जानकारी नहीं है। फिर आपात बैठक में क्या विमर्श किया गया? फिर अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने चिंताजनक स्थितियां किस आधार पर आंकी थीं?

अमरीका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने फिर दोहराया है कि ईरान परमाणु बम बनाने में जुटा है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का बयान भी सामने आया है कि हम परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाएंगे। फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के बयान आए थे कि वे यूक्रेन को परमाणु हथियार मुहैया कराने पर विचार कर रहे हैं। ये बड़े देश विनाश की ओर अग्रसर क्यों हो रहे हैं? इस संदर्भ में गौरतलब है कि ओमान की मध्यस्थता से जिनेवा में अमरीका और ईरान के बीच बातचीत के जो दौर हुए थे, उनमें ईरान यूरेनियम संवर्द्धन को 3-5 फीसदी तक कम करने को तैयार हो गया था। उस स्थिति में ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। आईएईए का एक अनुमान है कि यदि ईरान के इस्फहान, नतांज, बुशहर परमाणु संयंत्रों से विकिरण की नौबत आ गई, तो कमोबेश 20 देशों के करीब 51 करोड़ लोग उस खतरे के दायरे में होंगे। बहरहाल जिनेवा वार्ता एक ढकोसला थी और अमरीका-इजरायल ईरान पर हमला करने की योजना बहुत पहले बना चुके थे और उनकी खुफिया एजेंसियां उस पर काम कर रही थीं। अमरीका-इजरायल और ईरान, सभी खाड़ी देशों समेत, जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर अमरीकी एटम बम बरसाने और उनके बाद की त्रासद् स्थितियों को भूले नहीं होंगे।

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड़ितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

झूठ पर गढ़े गए युद्ध के निराधार और भ्रामक दावे

डॉ हिदायत अहमद खान

बातचीत के दौरान एक झूठ का सहारा लेकर इजराइल और अमेरिका ने जिस तरह से ईरान पर हमला किया, उसी वक्त तनाव के बीच का संघर्ष मानों बेलगाम युद्ध में तब्दील हो गया। अब पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध केवल मिसाइलों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, इसके समानांतर एक और खतरनाक युद्ध लड़ा जा रहा है, वह है सूचना और दुष्प्रचार की जंग। जब युद्ध के मैदान में धुआँ उठता है, तब अक्सर सच्चाई धुंध में छिप जाती है और अफवाहें, आधे-अधूरे तथ्य तथा झूठी खबरें जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैलने लगती हैं। भीड़ या समूह को भड़काने में इसका बेजा इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल हाल ही में एक अमेरिकी समाचार चैनल द्वारा यह दावा किया गया कि ईरान पर हमले के लिए अमेरिकी नौसेना भारतीय बंदरगाहों का उपयोग कर रही है। भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत इस खबर का खंडन करते हुए इसे पूरी तरह झूठा और निराधार बताया। यह घटना बताती है कि युद्ध के समय भ्रामक सूचनाएँ किस प्रकार देशों के बीच अनावश्यक तनाव पैदा कर सकती हैं। दरअसल, अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता संघर्ष पहले ही बेहद संवेदनशील मोड़ पर पहुंच चुका है। हजारों लोगों की जान जा चुकी है और युद्धविराम की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे माहौल में अगर किसी तीसरे देश को बिना किसी प्रमाण के युद्ध से जोड़ दिया जाए, तो उसके गंभीर कूटनीतिक और रणनीतिक परिणाम हो सकते हैं। भारत के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत लंबे समय से पश्चिम एशिया में संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाता रहा है। भारत के ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही देशों से महत्वपूर्ण संबंध हैं। ऐसे में इस प्रकार के निराधार दावे भारत की तटस्थ और संतुलित नीति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास भी हो सकते हैं। खासतौर पर तब जबकि ईरान पर हमले से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे को लेकर तरह-तरह के भ्रामक दावे किए गए, बाद में इस पर भी स्पष्टीकरण आया और सभी दावे अफवाहें साबित हो गए। बहरहाल युद्ध के दौरान दुष्प्रचार का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है कि युद्ध के समय प्रचार और मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ सैन्य हथियारों जितनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं। आज डिजिटल युग में यह प्रवृत्ति और अधिक खतरनाक हो गई है, क्योंकि सोशल मीडिया और 24 घंटे चलने वाले कुछ समाचार चैनलों के कारण गलत जानकारी पलक झपकते ही दुनिया भर में फैल जाती है। कई बार तो ये खबरें बिना तथ्य के जांचे-परखे प्रसारित कर दी जाती हैं, जिससे भ्रम और अविश्वास का माहौल बन जाता है।

वर्तमान संघर्ष के संदर्भ में भी यही स्थिति दिखाई दे रही है। अमेरिकी नेतृत्व ने दावा किया है कि उसके सैन्य अभियान ने ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है और ईरान द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों में भारी कमी आई है। वहीं दूसरी ओर ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है और क्षेत्र में तनाव बढ़ता जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य में सच्चाई का सही आकलन करना कठिन हो गया है, क्योंकि हर पक्ष अपनी-अपनी रणनीतिक कथा प्रस्तुत कर रहा है। इस युद्ध के व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। पश्चिम एशिया की अस्थिरता का असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल और गैस के व्यापार तथा समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है। चीन और रूस जैसे देश भी इस स्थिति को लेकर सतर्क दिखाई दे रहे हैं। चीन द्वारा रक्षा बजट में वृद्धि का निर्णय इसी व्यापक रणनीतिक अस्थिरता की ओर संकेत करता है। इसका अर्थ तो यही हुआ कि यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अमेरिका के भीतर भी इस युद्ध को लेकर बहस तेज हो गई है। एक तरफ कुछ आलोचकों का मानना है कि बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य कार्रवाई करना संवैधानिक सीमाओं को चुनौती देने जैसा है, वहीं दूसरी तरफ कुछ ने इसे सही कदम बताया है। यह विवाद दशार्ता है कि आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में युद्ध केवल सैन्य या कूटनीतिक मुद्दा नहीं होता, बल्कि राजनीतिक और कानूनी विमर्श का भी विषय बन जाता है।

इन सबके बीच सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सूचना की विश्वसनीयता कैसे सुनिश्चित की जाए। जब समाचार और दुष्प्रचार के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब जनता के लिए सही और गलत में फर्क करना कठिन हो जाता है। इसलिए सरकारों, मीडिया संस्थानों और नागरिकों, तीनों की जिम्मेदारी है कि वे तथ्यों की पुष्टि के बिना किसी भी सूचना को स्वीकार न करें। भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा झूठे दावों का तुरंत खंडन करना इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। यह दशार्ता है कि आज के दौर में केवल सैन्य या कूटनीतिक तैयारी ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सूचना युद्ध से निपटने के लिए भी सतर्क और सक्रिय रहना आवश्यक है। अंततः यह समझना होगा कि युद्ध का सबसे बड़ा शिकार केवल सैनिक या नागरिक नहीं होते, बल्कि सच भी होता है। जब झूठ और दुष्प्रचार को हथियार बना लिया जाता है, तब वैश्विक शांति और स्थिरता पर गंभीर खतरा मंडराने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय न केवल युद्ध को रोकने के प्रयास करे, बल्कि सूचना के क्षेत्र में भी जिम्मेदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा दे। तभी दुनिया को झूठ पर गढ़े गए युद्धों और उनके खतरनाक परिणामों से बचाया जा सकेगा।

बंद होते हवाई अड्डे: हवा हवाई होती हवाई चप्पल वालों की हवाई यात्रा

निर्मल रानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में सूरत में पहली बार कहा था कि सरकार का लक्ष्य है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा करे। मोदी ने अक्टूबर 2025 में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट उद्घाटन पर भी यही दोहराया कि 2014 से उनका सपना था कि हवाई चप्पल वाला भी हवाई सफर करे। बेशक प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य गरीबों को हवाई यात्रा मुहैया कराने की सोच को दशार्ता है।इसी मकसद से उड़ान योजना की शुरूआत की गयी थी। UDAN अर्थात उड़े देश का आम नागरिक। इस योजना का उद्देश्य छोटे शहरों, टियर-2 और टियर-3 इलाकों को हवाई संपर्क से जोड़ना और हवाई यात्रा को सस्ता बनाना था। आंकड़ों के मुताबिक 2014 में भारत में लगभग 74 सक्रिय हवाई अड्डे थे जिनकी संख्या 2026 के प्रारंभ तक बढ़कर 160-162 तक हो गयी। इनमें से उड़ान योजना के अंतर्गत एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वॉटर एयरोड्रोम सहित 93 हवाई अड्डे या तो नए विकसित किये गये या फिर उन्हें पुनर्जीवित किया गया। इनमें से अधिकांश नए या अपग्रेडेड हवाई अड्डे देश के अनेक छोटे शहरों में हैं। गोया कुल मिलाकर गत 10-12 वर्षों में 90 से अधिक नए अथवा सक्रिय हवाई अड्डे जोड़े गए हैं। बताया जा रहा है कि सरकार का लक्ष्य 2047 तक देश भर में 400 से अधिक हवाई अड्डे बनाना है ताकि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा कर सके अर्थात गरीबों का सस्ती हवाई यात्रा का सपना साकार किया जा सके।

परंतु पिछले दिनों देश के केवल एक ही राज्य उत्तर प्रदेश से प्राप्त खबरों के अनुसार 2021 के बाद उड़ान योजना के अंतर्गत शुरू किये गये 7 नए हवाई अड्डों में से 6 पर नियमित कामर्शियल उड़ानें बंद हो चुकी हैं। धार्मिक पर्यटन के चलते इस समय केवल अयोध्या स्थित महर्षि बाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा ही सक्रिय है। हालाँकि अयोध्या का यह हवाई अड्डा भी आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तो जरूर घोषित किया गया है परन्तु अंतर्राष्ट्रीय शब्द केवल नाम तक ही सीमित है। वास्तव में अयोध्या का यह महर्षि बाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में केवल भारत के भीतर सीमित घरेलू उड़ानें ही संचालित करता है और अभी तक किसी दूसरे देश के लिए यहाँ से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू नहीं हुई हैं। अलबत्ता यहाँ से संचालित कुछ स्वदेशी मार्गों जैसे कोलकाता, पटना आदि की उड़ानें भी अस्थायी रूप से बंद जरूर हो चुकी हैं। केवल उत्तर प्रदेश देश में जिन हवाई अड्डों से उड़ानों का संचालन फिलहाल बंद हो चुका है उनमें कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट,आजमगढ़ एयरपोर्ट,चित्रकूट एयरपोर्ट,श्रावस्ती एयरपोर्ट,मुरादाबाद एयरपोर्ट तथा अलीगढ़ एयरपोर्ट के नाम उल्लेखनीय हैं। इसी तरह पंजाब में पठानकोट व लुधियाना, सिक्किम में पेक्यांग,गुजरात के भावनगर,छत्तीसगढ़ का अंबिकापुर,ओड़ीसा का राउरकेला,मध्य प्रदेश का दतिया,कर्नाटक का कलबुर्गी व हिमाचल के शिमला के हवाई अड्डों के बंद होने की खबरें हैं। सैकड़ों करोड़ की लागत से बनाये गये यह हवाई अड्डे कहीं कम पैसेंजर ट्रैफिक के कारण अर्थात यात्रियों की कमी के चलते बंद करने पड़े तो कहीं खराब दृश्यता , इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की कमी या एयरलाइंस कंपनियों की संचालन में रुचि न होने के कारण बंद करने पड़े। कहीं पास के बड़े हवाई अड्डों के कारण यात्री न मिलने की वजह से बंद कर दिये गए तो कुछ तकनीकी व इंफ्रास्ट्रक्चर समस्याओं जैसे छोटे एयरपोर्ट पर हैंगर, फ़्यूल , स्टाफ की कमी के कारण भी बंद हुये।

एक अनुमान के अनुसार UDAN के अंतर्गत बिना किसी उड़ान के ही इन 15 नॉन-ऑपरेशनल एयरपोर्ट्स के रखरखाव और सिक्योरिटी पर पिछले 8 वर्षों में लगभग 878-900 करोड़ रुपए खर्च किये जा चुके हुए हैं जबकि कुल UDAN एयरपोर्ट्स के विकास पर 4,600 करोड़ से भी अधिक खर्च होने का अनुमान है। परन्तु सरकार को इससे कोई लाभ नहीं हुआ। इसी तरह एयर पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया AAI के 81 एयरपोर्ट्स पर पिछले 10 वर्षों में 10,853 करोड़ के कुल घाटे का अनुमान है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या बंद होने वाले हवाई अड्डों या घाटे में चलने वाले हवाई अड्डों को शुरू करते समय या इनकी योजना बनाते वक़्त क्या इस बात का सही आंकलन नहीं किया गया कि यह हवाई अड्डे भविष्य में सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगे या नहीं? क्या वजह है कि कल की यह लोकलुभावन योजनायें आज मात्र सफ़ेद हाथी बनकर रह गयी हैं ? एक सवाल यह भी है कि हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करें जैसी लोकलुभावन बातें कर इस तरह की योजनायें केवल चुनावी लाभ लेने के कारण बनाई गयी थीं? साथ ही एक सवाल यह भी कि जिस देश में रेल व बस जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार की भारी जरूरत हो,जहां अभी तक ट्रेन में यात्रियों को समय पर आरक्षित सीटें उपलब्ध न हो पाती हों,हद तो यह है कि अनेक दूरगामी ट्रेन्स में पैर रखने,खड़े होने यहाँ तक कि यात्रियों के डिब्बों में घुस पाने तक की जगह न मिल पाती हो,जहां आज भी यात्री ट्रेन्स में लटककर और अपनी जान को जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर हों वहां इस तरह की शर्मसार कर देने वाली सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार करने व इन्हें व्यवस्थित करने के बजाये ऐसे नये हवाई अड्डे बनाना जोकि शीघ्र ही बंद भी करने पड़ जायें,क्या ऐसा कदम जनता के पैसों की बबार्दी नहीं है? इन सबके अतिरिक्त यह भी माना जा रहा है कि बिना जरुरत के नये हवाई अड्डे शुरू करने के पीछे का एक मकसद इनके संचालन से सत्ता के नजदीकी समझे जाने वाले उद्योगपतियों व कार्पोरेट्स को आर्थिक लाभ पहुंचाना भी है।

बहरहाल देश में लगातार बंद होते जा रहे नव सांचालित हवाई अड्डे इस निष्कर्ष पर तो पहुँचने के लिये काफी हैं कि हवाई चप्पल वालों को हवाई यात्रा करने का जो लोकलुभावन ढिंढोरा पीटा जा रहा था वह फिलहाल हवा हवाई साबित होता जा रहा है।

सुबह की ये गलत आदतें सेहत को पहुंचा सकती हैं भारी नुकसान

कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलतियां ?

कहते हैं कि सुबह की पहली किरण सिर्फ सूरज की रोशनी नहीं, बल्कि नई ऊर्जा और संभावनाओं का उपहार लेकर आती है। हालांकि, आज की आधुनिक और भागदौड़ भरी जिंदगी में कुछ लोगों ने इस बेशकीमती समय को अपनी गलत आदतों की भेंट चढ़ा दिया है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार सुबह के समय हमारा शरीर 'रिकवरी मोड' से बाहर आ रहा होता है, ऐसे में नींद खुलते अक्सर लोग कुछ ऐसी गलतियां करते हैं जो शरीर को अंदर से खोखला बना सकता है। यह छोटी सी लापरवाही आपके मेटाबॉलिज्म, मानसिक स्वास्थ्य और पाचन तंत्र पर गहरा असर करती है।

अगर आप भी सुबह उठते ही भारीपन या तनाव महसूस करते हैं, तो इसका सीधा संबंध आपके मॉर्निंग रूटीन की उन गलतियों में है जो जाने-अनजाने में आपकी कार्यक्षमता और आयु को कम कर रही हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि वो कौन-सी आदतें हैं जिन्हें तुरंत बदलना जरूरी है।

सुबह उठते ही स्मार्टफोन का इस्तेमाल

नींद खुलते ही मोबाइल स्क्रीन की 'ब्लू लाइट' के संपर्क में आना आपकी आंखों और दिमाग के लिए बेहद हानिकारक है। जैसे ही आप सोशल मीडिया या काम के ईमेल देखते हैं, शरीर में 'कोर्टिसोल' (स्ट्रेस हार्मोन) का लेवल अचानक बढ़ जाता है। यह आदत आपको दिन की शुरुआत में ही मानसिक रूप से थका देती है और एकाग्रता में कमी का कारण बनती है।

खाली पेट चाय या कॉफी का सेवन

भारतीय घरों में 'बेड टी' का रिवाज आम है, लेकिन यह पाचन तंत्र के लिए एक बड़ा खतरा हो सकता है। खाली पेट कैफीन का सेवन शरीर में एसिडिटी और पित्त के असंतुलन को बढ़ाता है। इससे न सिर्फ पेट में जलन और कब्ज की समस्या होती है, बल्कि यह शरीर के पोषक तत्वों को अवशोषित करने की क्षमता को भी कम कर देता है।

पानी न पीना और डिहाइड्रेशन का जोखिम

रात भर की 7-8 घंटे की नींद के बाद हमारा शरीर पूरी तरह डिहाइड्रेट (पानी की कमी) हो जाता है। सुबह उठकर पानी न पीना आपके अंगों को सक्रिय होने से रोकता है। पानी की कमी के कारण किडनी और लीवर शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर नहीं निकाल पाते, जिससे त्वचा बेजान नजर आने लगती है और आप सुबह से ही सुस्ती महसूस करते हैं।

नाश्ता स्किप करना है बड़ी लापरवाही

सुबह का नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन है, जिसे छोड़ने से ब्लड शुगर लेवल बिगड़ सकता है। जो लोग वजन घटाने के चक्कर में नाश्ता नहीं करते, उनका मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और वे दोपहर में ओवरईटिंग करने लगते हैं। एक हेल्दी जीवन के लिए सुबह जल्दी उठें, गुनगुना पानी पिएं और पोषक तत्वों से भरपूर नाश्ता करें ताकि आप दिन भर एनर्जेटिक बना रहे।

चेहरे पर होते हैं मुंहासे, जानें इनसे बचने के तरीके

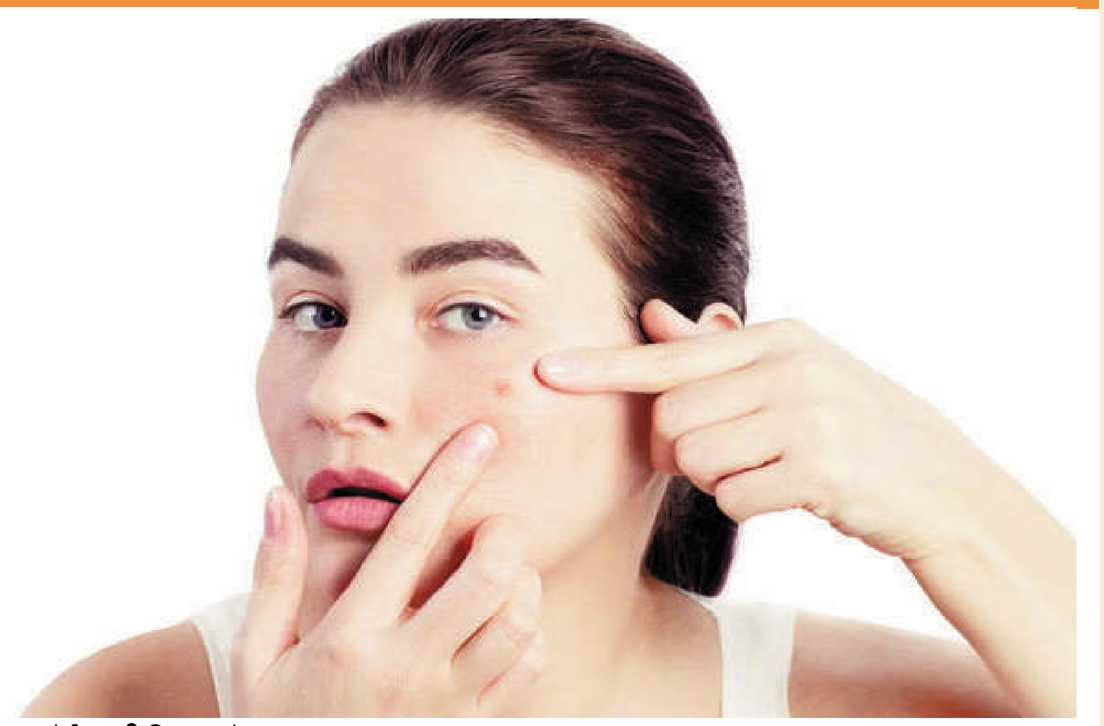

हर कोई अपनी स्किन को साफ, चमकदार और बेदाग देखना चाहता है, लेकिन चेहरे पर अचानक आने वाले पिंपल्स या मुंहासे इस खूबसूरती को बिगाड़ देते हैं। अक्सर किसी खास मौके से पहले ही चेहरे पर एक बड़ा सा पिंपल निकल आता है, जिससे आत्मविश्वास भी कम हो जाता है।

किशोरावस्था से लेकर बड़ों तक, मुंहासों की समस्या आम है और ये किसी भी स्किन टाइप में हो सकती है। कई लोग महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन सही कारण जाने बिना समस्या बार-बार लौट आती है।

दरअसल, मुंहासे सिर्फ बाहरी गंदगी की वजह से नहीं, बल्कि शरीर के अंदर होने वाले बदलावों के कारण भी होते हैं। इसलिए जरूरी है कि पहले इसकी असली वजह समझी जाए और फिर सही उपाय अपनाए जाएं। यहां इस लेख में हम आपको इससे जुड़ी हर बात बताएंगे।

मुंहासे होने की वजह

मुंहासे तब होते हैं जब त्वचा के रोमछिद्र (पोर्स) तेल, गंदगी और मृत कोशिकाओं से बंद हो जाते हैं।

सबसे बड़ी वजह हार्मोनल बदलाव है, खासकर किशोरावस्था, पीरियड्स, प्रेग्नेंसी या तनाव के दौरान।

हार्मोन बढ़ने से त्वचा में सीबम (तेल) ज्यादा बनता है, जो बैक्टीरिया के साथ मिलकर पिंपल्स पैदा करता है।

इसके अलावा ऑयली स्किन, गलत स्किन केयर प्रोडक्ट्स, ज्यादा मेकअप, जंक फूड, डेयरी प्रोडक्ट्स का अधिक सेवन, नींद की कमी और स्ट्रेस भी कारण बनते हैं।

बार-बार चेहरे को छूना, गंदा तकिया कवर या मोबाइल स्क्रीन भी बैक्टीरिया बढ़ाते हैं, जिससे मुंहासे बढ़ सकते हैं।

इससे बचने के तरीके

दिन में दो बार माइल्ड, सल्फेट-फ्री फेसवॉश से चेहरा साफ करें।

ऑयल-फ्री और नॉन-कॉमेडोजेनिक प्रोडक्ट्स चुनें।

हफ्ते में 1-2 बार हल्का एक्सफोलिएशन करें, लेकिन ज्यादा स्क्रब न करें।

जंक फूड, ज्यादा मीठा और तला-भुना कम करें।

रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें और तनाव कम करने के लिए योग या मेडिटेशन करें।

मुंहासे हो जाएं तो क्या करें ?

पिंपल को फोड़ने या निचोड़ने से बचें, इससे दाग और इंफेक्शन हो सकता है।

सैलिसिलिक एसिड या बेंज़ोयल पेरोक्साइड युक्त क्रीम ट्रीटमेंट डॉक्टर की सलाह से लगाएं।

एलोवेरा जेल या टी ट्री ऑयल हल्के पिंपल्स में मदद कर सकते हैं।

मेकअप कम करें और त्वचा को साफ रखें।

लगातार बढ़ते मुंहासों के लिए क्या करें ?

अगर मुंहासे बार-बार हो रहे हैं या दर्दनाक सिस्टिक एक्ने बन रहे हैं, तो त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें।

डॉक्टर ब्लड टेस्ट, हार्मोन जांच या विशेष दवाइयां दे सकते हैं।

लंबे समय तक खुद से दवा लेने से बचें।

सही इलाज, संतुलित जीवनशैली और नियमित स्किन केयर से मुंहासों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

आपके जोड़ों के दर्द का कारण कहीं कॉफी तो नहीं ?

सुबह उठते ही एक कप गरम कॉफी कई लोगों की आदत बन चुकी है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जरूरत से ज्यादा कॉफी पीना आपके जोड़ों (जॉइंट्स) के लिए हानिकारक हो सकता है? डॉक्टरों का कहना है कि सीमित मात्रा में कॉफी ठीक है, लेकिन अधिक कैफीन शरीर में सूजन और कैल्शियम की कमी बढ़ा सकती है, जिससे जोड़ों में दर्द और जकड़न की समस्या हो सकती है। खासकर उन लोगों को सावधान रहना चाहिए जिन्हें पहले से गठिया, यूरिक एसिड या हड्डियों की कमजोरी की समस्या है।

डॉक्टर ने बताए 5 चेतावनी संकेत – सुबह उठते ही जोड़ों में जकड़न: अगर रोज सुबह उठने पर घुटनों, उंगलियों या कंधों में अकड़न महसूस हो और कुछ देर चलने के बाद ही आराम मिले, तो यह सूजन का संकेत हो सकता है।

जोड़ों में हल्की सूजन या गर्माहट: जोड़ों को छूने पर गर्म महसूस होना या हल्की सूजन दिखाई देना शरीर में बढ़ती सूजन की ओर इशारा करता है। बार-बार दर्द या चुभन: अगर बिना ज्यादा मेहनत किए भी घुटनों, एड़ियों या कलाई में दर्द बना रहता है, तो कैफीन की अधिकता शरीर के मिनरल संतुलन को प्रभावित कर सकती है।

कैल्शियम की कमी के लक्षण: बहुत ज्यादा कॉफी शरीर से कैल्शियम बाहर निकाल सकती है। इससे हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, जिससे बार-बार दर्द या थकान महसूस होती है। यूरिक एसिड बढ़ना: कुछ लोगों में ज्यादा कॉफी और डिहाइड्रेशन के कारण यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है, जिससे जोड़ों में तेज दर्द (गठिया जैसा) हो सकता है।

कितनी कॉफी सुरक्षित है?

विशेषज्ञों के अनुसार दिन में 1-2 कप ब्लैक कॉफी सामान्यत: सुरक्षित मानी जाती है। लेकिन अगर आपको पहले से जोड़ों की समस्या है तो मात्रा कम रखना बेहतर है। ऐसे में कॉफी के साथ कैल्शियम और विटामिन ष युक्त आहार लें, नियमित हल्की एक्सरसाइज करें। अगर दर्द लगातार रहे तो डॉक्टर से जांच जरूर कराएं। याद रखें हर आदत अच्छी है, जब तक वह संतुलन में है। अगर आपको भी सुबह कॉफी के बाद जोड़ों में दर्द या अकड़न महसूस होती है, तो इसे नजरअंदाज न करें। समय रहते सावधानी बरतना ही समझदारी है।

सुबह खाली पेट किशमिश का पानी पीने के 7 जबरदस्त फायदे

किशमिश देखने में भले ही छोटी हो, लेकिन इसके फायदे सेहत के लिए बेहद बड़े हैं। आयुर्वेद और घरेलू नुस्खों में किशमिश को ताकत और पोषण का खजाना माना गया है। खासतौर पर जब किशमिश को रातभर भिगोकर उसका पानी सुबह खाली पेट पिया जाए, तो यह शरीर पर गहरा असर डालती है। किशमिश में आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, विटामिन क्र- कॉम्प्लेक्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं।

लिवर को करता है डिटॉक्स

किशमिश का पानी शरीर में जमा विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे लिवर की सफाई होती है और उसकी कार्यक्षमता बेहतर बनती है। नियमित रूप से सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से लिवर पर जमा गंदगी कम होती है, मेटाबॉलिज्म सुधरता है और शरीर अंदर से हल्का व साफ महसूस करता है।

पाचन तंत्र रहता है मजबूत

अगर आपको कब्ज, गैस या अपच जैसी पाचन संबंधी समस्याएं रहती हैं, तो किशमिश का पानी एक रामबाण उपाय साबित हो सकता है। यह आंतों की सफाई में मदद करता है, पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और सुबह पेट साफ होने में सहायक होता है, जिससे दिनभर हल्कापन और आराम महसूस होता है।

खून की कमी (एनीमिया) में फायदेमंद

खून की कमी यानी एनीमिया की समस्या में किशमिश का पानी बेहद फायदेमंद माना जाता है। किशमिश आयरन का अच्छा स्रोत है और रोजाना इसका पानी पीने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ने में मदद मिलती है, जिससे कमजोरी, थकान और चक्कर जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

त्वचा में आता है नेचुरल ग्लो

त्वचा में नेचुरल ग्लो लाने के लिए किशमिश का पानी बहुत कारगर माना जाता है। जब शरीर अंदर से डिटॉक्स होता है, तो उसका सीधा असर चेहरे पर दिखाई देता है। रोजाना किशमिश का पानी पीने से मुंहासे कम होते हैं, दाग-धब्बे हल्के पड़ते हैं और त्वचा साफ, स्वस्थ व चमकदार बनती है।

दिनभर बनी रहती है एनर्जी

दिनभर एनर्जी बनाए रखने में किशमिश का पानी काफी मददगार होता है। किशमिश में मौजूद नेचुरल ग्लूकोज और फ्रुक्टोज शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं, जिससे थकान, कमजोरी और सुस्ती दूर होती है। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से दिनभर एक्टिव और तरोताजा महसूस होता है।

ब्लड प्रेशर रहता है कंट्रोल

किशमिश का पानी ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में भी सहायक होता है। इसमें पोटैशियम की मात्रा अधिक और सोडियम कम होता है, जिससे शरीर में नमक का संतुलन बना रहता है। नियमित रूप से किशमिश का पानी पीने से हाई ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और दिल की सेहत बेहतर बनी रहती है।

किशमिश का पानी कैसे बनाएं ?

रात को 15-20 किशमिश एक गिलास पानी में भिगो दें
सुबह उठकर पानी को छान लें
इस पानी को खाली पेट पिएं
बची हुई भीगी किशमिश को चबा-चबाकर खा लें।
इन बातों का रखें खास ध्यान
दिन में सिर्फ 1 गिलास ही पिएं
डायबिटीज के मरीज सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह लें
ज्यादा मात्रा में लेने से वजन बढ़ सकता है

हमेशा बिना सल्फर वाली किशमिश का इस्तेमाल करें।

अगर आप बिना दवा के सेहत सुधारना चाहते हैं, तो सुबह खाली पेट किशमिश का पानी एक आसान और असरदार घरेलू उपाय है। यह लिवर, पाचन, त्वचा और ऊर्जा हर स्तर पर शरीर को फायदा पहुंचाता है।

खरगे का सरकार पर वार, बोले- पीएम मोदी ने विदेश नीति का सरेंडर कर दिया

बीफ एक्सपोर्ट से जुड़ी कंपनियां सत्तारूढ़ दल को चंदा क्यों दे रही हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मध्य पूर्व संकट से निपटने के उनके तरीके को लेकर तीखा हमला करते हुए इसे भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन बताया और प्रधानमंत्री पर भारत की विदेश नीति को आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में, खरगे ने पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति और क्षेत्र में फंसे भारतीय नागरिकों की दुर्दशा पर सरकार की प्रतिक्रिया के बारे में कई सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन सबके सामने है।

खरगे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्थे लौट रहा एक ईरानी जहाज हिंद महासागर क्षेत्र में टॉरपीडो से क्षतिग्रस्त हो गया। खरगे ने कहा कि भारत का अतिथि एक ईरानी जहाज, जो हमारे द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्था लौट रहा था, हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में टॉरपीडो से हमला किया गया। इस पर कोई चिंता या संवेदना व्यक्त नहीं की गई। प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। उन्होंने सरकार की अपनी ही नीतियों पर चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि महासागर नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के 'शुद्ध सुरक्षा प्रदाता' होने की नीतियों पर हमें उपदेश क्यों दे रहे हैं, जबकि आप अपने ही आंगन में हो रही घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते? खरगे ने होर्मुज की खाड़ी में फंसे भारतीय नौसैनिकों के मानवीय संकट पर प्रकाश डाला। उन्होंने सवाल किया कि होर्मुज की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 38 वाणिज्यिक जहाज और 1100 नौसैनिक फंसे हुए हैं। कैप्टन आशीष कुमार समेत 2 भारतीय नौसैनिकों की कथित तौर पर मौत हो गई है। ऐसे में कोई समुद्री बचाव या राहत अभियान क्यों नहीं चलाया जा रहा है?

उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रभावों पर भी चिंता जताई। उन्होंने पूछा कि आप कहते हैं कि कच्चे तेल और अन्य तेल का भंडार सिर्फ 25 दिनों का बचा है। तेल की बढ़ती कीमतों के साथ, हमारी ऊर्जा संबंधी आपातकालीन योजना क्या है, खासकर तब जब भारत सरकार ने रूसी तेल का आयात रोकने की मांग को लगभग स्वीकार कर लिया है? खाड़ी देशों के साथ अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के व्यापार का क्या होगा? उन्होंने खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नागरिकों के संबंध में विदेश मंत्रालय के 3 मार्च, 2026 के बयान का भी हवाला दिया।

तेजस्वी का दावा- मेरी भविष्यवाणी सच हुई, बीजेपी ने नीतीश कुमार को किया हाईजैक, अब जेडीयू खत्म

पटना (एजेंसी)। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। तेजस्वी ने आगे कहा कि हमने पहले ही कहा था कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। मैंने मुख्यमंत्री परिवर्तन की बात पहले ही कह दी थी। महाराष्ट्र मॉडल अब बिहार में लाया गया है.। भाजपा पिछड़े नेताओं को सत्ता में नहीं रहने देती। भाजपा सिर्फ एक कठपुतली मुख्यमंत्री बैठाती है। तेजस्वी यादव ने कहा कि मैंने हमेशा कहा है, 'नीतीश जी को घोड़ा तो चढ़ाया है दुल्हा बनाकर लेकिन फेरा किसी और के साथ दिला रहा है'। भाजपा ने नीतीश कुमार को पूरी तरह से हाईजैक कर लिया है। नीतीश कुमार ने कहा है कि वह (राज्यसभा) जाना चाहते हैं। हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि चुनाव के बाद भाजपा के लोग नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहने देंगे। आज वह बात सच हो गई है। जनता की आकांक्षाएं इस सत्ता परिवर्तन के खिलाफ हैं... जब नीतीश कुमार ने 2024 में हमारा गठबंधन छोड़ा था... तब भी हमने कहा था कि भाजपा जेडीयू पार्टी को खत्म कर देगी। यादव ने कहा कि हमें यह पहले से ही पता था। जब हमने 28 जनवरी, 2024 को कहा था कि जेडीयू का सफाया हो जाएगा, तो भाजपा को वे परिणाम नहीं मिले जिनका उन्होंने दावा किया था, यानी 400 सीटें। इसलिए, एक साल की देरी हुई। अन्यथा, वे उन्हें (जेडीयू को) बहुत पहले ही खत्म कर चुके होते। उन्होंने कहा कि निशांत को बहुत पहले आ जाना चाहिए था, लेकिन कुछ लोगों ने ऐसा होने नहीं दिया... अब आप देख रहे हैं कि ये लोग बिहार को कैसे बर्बाद कर रहे हैं, जो वे पहले से ही करते आ रहे हैं। हम भाजपा के खिलाफ लड़ेंगे और उन्हें हराएंगे।

नागरिकता के नाम पर मतुआ समुदाय को अनिश्चितता में धकेल रहा केंद्रः ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार नागरिकता देने के नाम पर मतुआ समुदाय के सदस्यों को ''अनिश्चितता और भ्रम'' की स्थिति में धकेल रही है। बनर्जी ने मतुआ समुदाय की कुलमाता वीणापाणि देवी, जिन्हें 'बड़ो मा' के नाम से जाना जाता है, की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए कहा कि केंद्र उन लोगों की पहचान पर सवाल उठा रहा है जो लंबे समय से देश के नागरिक हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र की भाजपा सरकार की साजिश के कारण हमारे मतुआ भाई-बहनों को अस्थिर और भ्रमित स्थिति में धकेला जा रहा है। नागरिकता देने के नाम पर राजनीति की जा रही है।'' उन्होंने कहा, ''उनकी पहचान पर ही सवाल उठाया जा रहा है। एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के जरिए उन्हें मतदाता सूची से जानबूझकर बाहर किया जा रहा है। जो लोग पीढ़ियों से इस देश के नागरिक हैं, जिनके वोट सरकारों को चुनते हैं, उन्हें फिर से 'नागरिकता' देने के नाम पर अब अनिश्चितता का सामना कराया जा रहा है।''

बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार समुदाय के अधिकारों को कमजोर करने वाले हर कदम का विरोध करती रहेगी। उन्होंने कहा, ''इस अन्याय को स्वीकार नहीं किया जाएगा। मेरे मतुआ भाई-बहनों और बंगाल के लोगों के अधिकार छीनने की कोशिशों के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा। हम बंगाल के लोगों को कोई नुकसान नहीं होने देंगे।''

बनर्जी ने कहा कि वीणापाणि देवी के साथ उनका ''व्यक्तिगत और आध्यात्मिक संबंध'' रहा है और वे एक मां की तरह उनसे स्नेह करती थीं। उन्होंने कहा, ''बड़ो मा वीणापाणि देवी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देती हूं और प्रणाम करती हूं। हरिचंद ठाकुर और गुरुचंद ठाकुर द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए, मतुआ महासंघ बंगाल के सामाजिक सुधार और नवजागरण का अविभाज्य हिस्सा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''बड़ो मा ने जीवन भर इन आदर्शों को पोषित किया। उनके नेतृत्व में मतुआ महासंघ सामाजिक समानता और बंधुत्व के स्तंभ के रूप में स्थापित हुआ।''

तमिलनाडु गठबंधन रहेगा बरकरार, 28 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

–सीएम स्टालिन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बीच निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे पर लगी मुहर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए डीएमके ने कमर कस ली है। सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने एक विशाल गठबंधन तैयार किया है, जिसमें कुल 21 पार्टियां शामिल हैं। कांग्रेस फिर इस गठबंधन का हिस्सा है और इस बार 28 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार कर रही है।

सीएम स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागाई के बीच गुरुवार को अहम बैठक हुई। इस बैठक में निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे पर अंतिम मुहर लगी। डीएमके और कांग्रेस के बीच हुए समझौते के तहत ये फैसला लिया गया है कि कांग्रेस तमिलनाडु में 28 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा, आगामी राज्यसभा चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी के लिए एक सीट आरक्षित की गई है। डीएमके ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा भी कर दी है। पार्टी ने वरिष्ठ नेता तिरुचि शिवा पर फिर भरोसा जताते हुए उन्हें राज्यसभा सांसद के रूप में बरकरार रखा है, जबकि कॉन्स्टेंटाइन रविंद्रन को पहली बार राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। इस गठबंधन में डीएमके को दो, कांग्रेस को एक और डीएमडीके को एक राज्यसभा सीट मिली है।

डीएमके ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए लिखा है कि तमिलनाडु की राजनीति के इतिहास में ये पहली बार है जब एक ही गठबंधन, बिना टूटे और नई पार्टियों को शामिल करते हुए चार बार चुनावों का सामना कर रहा है। तमिलनाडु की राजनीति का अब तक का इतिहास रहा है कि विधानसभा चुनाव के लिए बना गठबंधन अगले चुनाव तक कभी टिक नहीं पाया। पार्टी ने दावा किया कि सीएम स्टालिन ने अपने अनूठे व्यक्तित्व और सौहार्दपूर्ण स्वभाव से ये नया इतिहास रचा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीएमके ने विपक्षी नेताओं पर भी तीखा हमला बोला है। पार्टी ने कहा कि विपक्षी नेता पिछले दो साल से गठबंधन टूटने की भविष्यवाणी कर रहे थे, लेकिन उनकी इच्छाएं अनसुनी रह गईं। डीएमके ने तंज कसते हुए कहा कि एडप्पादी पलानीस्वामी गठबंधन टूटने की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन आखिर में वह अकेले रह गए। पार्टी ने दावा किया कि सत्ताधारी दल के समर्थन की लहर को देखते हुए कई नए दल भी इस मोर्चे में शामिल हो रहे हैं।

खामेनेई की मौत पर कश्मीर में उबाल, महबूबा ने अमेरिकी और इजरायली नेताओं के पुतले फूंके

जम्मू (एजेंसी)। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत और तेहरान पर हुए भीषण हमलों की गूंज अब कश्मीर की वादियों में पुरजोर तरीके से सुनाई दे रही है। इस घटनाक्रम ने घाटी के राजनीतिक और सामाजिक माहौल में भारी तनाव पैदा कर दिया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर में एक विशाल विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बुराई की ताकत करार दिया और उनके पोस्टरों को आग के हवाले कर दिया।

महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार के रुख पर तीखा हमला बोलते हुए गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अब तक न तो इन हमलों की निंदा की है और न ही ईरान की जनता के प्रति कोई सहानुभूति दिखाई है। भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों का हवाला देते हुए उन्होंने याद दिलाया कि ईरान ने हमेशा कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन किया है, जबकि अन्य कई मुस्लिम देश उस समय पाकिस्तान के पाले में खड़े थे। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जब भारत कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा था, तब ईरान ने ही संकट के समय कर्ज पर तेल देकर भारत की मदद की थी। उन्होंने कहा कि ऐसे वफादार दोस्त के मुश्किल वक्त में भारतीय नेतृत्व की खामोशी अत्यंत दुखद है। विरोध प्रदर्शन के दौरान महबूबा मुफ्ती ने वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने प्रशासन द्वारा श्रीनगर के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी और पूर्व मेयर जुनैद अजीम मट्टू के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को तुरंत वापस लेने की मांग की। महबूबा ने आरोप लगाया कि पिछले तीन दिनों में विरोध प्रदर्शन करने वाली कई युवा लड़कियों और आम नागरिकों को हिरासत में लेकर जेल में डाल दिया गया है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में हर नागरिक को विरोध करने का संवैधानिक अधिकार है और सरकार सबको चुप रहने पर मजबूर नहीं कर सकती। महबूबा मुफ्ती ने स्पष्ट किया कि कश्मीर के लोग और वैश्विक मुस्लिम समुदाय इस घड़ी में पूरी तरह ईरान के साथ खड़े हैं। उन्होंने मारे गए लोगों को शहीद बताते हुए उनकी बहादुरी को नमन किया। हालांकि, स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने कश्मीरी युवाओं से एक भावुक अपील भी की। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण होना चाहिए, क्योंकि कश्मीर की अर्थव्यवस्था और पर्यटन अभी पटरी पर लौटना शुरू हुए हैं और किसी भी हिंसा से इन्हें नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। इस बीच, घाटी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और शिया बहुल इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात है।

देशभर में बम धमाकों की धमकी देने का आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

अहमदाबाद साइबर पुलिस के बाद अब मुंबई पुलिस ने लिया हिरासत में

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के स्कूलों, स्टॉक एक्सचेंज और मेट्रो स्टेशनों समेत देश के विभिन्न स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी देकर दहशत फैलाने वाले आरोपी को मुंबई पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पिछले कुछ दिनों में देश के करीब 50 स्थानों को धमकी भरे ईमेल भेजे थे।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के न्यू बराकपुर निवासी सौरव विश्वास (28) के रूप में हुई है। मुंबई पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पिछले पांच दिनों के दौरान मुंबई, दिल्ली, गुजरात सहित कई राज्यों के महत्वपूर्ण संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को बम धमाके की धमकी भेजी थी, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया था।

पुलिस के अनुसार 27 फरवरी को सुबह करीब 8ः46 बजे इंटरनेट के माध्यम से मुंबई के कई स्कूलों और मेट्रो स्टेशनों को एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया था। ईमेल में अगले दो दिनों के भीतर बम विस्फोट करने की चेतावनी दी गई थी। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं और कई स्थानों पर जांच अभियान चलाया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई के दिंडोशी पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और ईमेल ट्रैकिंग की मदद से आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की। जांच के दौरान पता चला कि धमकी भरा ईमेल पश्चिम बंगाल के न्यू बराकपुर इलाके से भेजा गया था। इसके बाद दिंडोशी पुलिस की एक विशेष टीम आरोपी की तलाश में पश्चिम बंगाल पहुंची। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी इससे पहले 16 फरवरी 2026 को अहमदाबाद में भी इसी तरह का धमकी भरा ईमेल भेज चुका था। अहमदाबाद साइबर पुलिस ने उस मामले में पहले ही केस दर्ज कर रखा था और 1 मार्च 2026 को सौरव विश्वास को हिरासत में ले लिया था। इसके बाद मुंबई पुलिस ने आरोपी को अहमदाबाद से अपनी हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने यह धमकी भरे संदेश महज अफरा-तफरी फैलाने के उद्देश्य से भेजे थे या इसके पीछे किसी बड़े नेटवर्क या साजिश का हाथ है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम की गहराई से पड़ताल कर रही हैं।

ईरान-इज़राइल युद्ध में मुंबई के युवक की मौत, भारतीय दूतावास ने दुख जताया

मुंबई (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में महायुद्ध शुरू हुए 5 दिन हो चुके हैं और इसका असर अब भारत पर भी पड़ा है। इस युद्ध में एक 25 साल के युवक दीक्षित की ड्रोन से मौत होने की खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार मुंबई के पश्चिमी उपनगर कांदिवली इलाके के रहने वाले दीक्षित सोलंकी की ओमान के तट पर मस्कट के पास एक कार्गो ऑयल टैंकर पर ड्रोन हमले में मौत हो गई। मूल रूप से दीव के रहने वाले 25 साल के दीक्षित सोलंकी कुछ समय पहले व्यापार के लिए मुंबई में बस गए थे। वह मुंबई के कांदिवली इलाके में रह रहे थे। ओमान के मस्कट के तट से 52 नॉटिकल मील दूर एक एक्सप्लोसिव से लदी ड्रोन बोट ने ऑयल टैंकर एमकेडी व्योम को टक्कर मार दी। इस भयानक धमाके में टैंकर के इंजन रूम में आग लग गई और दीक्षित की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि टैंकर पर सवार बाकी 25 क्रू मेंबर्स (जिनमें 16 भारतीय शामिल हैं) को सुरक्षित बचा लिया गया है।दीक्षित दीव के 25 साल के मछुआरे अमृतलाल सोलंकी का छोटा बेटा था। वह अपनी मां की मौत के बाद एक महीने पहले अपने घर लौटे थे और फिर ड्यूटी पर लौट गए थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इस बीच ओमान में भारतीय दूतावास ने दीक्षित सोलंकी की मौत पर गहरा दुख जताया है।

सरकारी हॉस्टल में रैगिंग के बहाने यौन उत्पीड़न, 10वीं के छात्रों पर पॉक्सो के तहत केस दर्ज

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले से एक झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक सरकारी हॉस्टल में रैगिंग के नाम पर कम उम्र के बच्चों के साथ कुकर्म का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने इस मामले में कक्षा 10 में पढ़ने वाले कई छात्रों के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और अप्राकृतिक कृत्य की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि ये सीनियर छात्र अपने से छोटी कक्षाओं, मुख्य रूप से 5वीं और 6वीं के बच्चों को अपना निशाना बनाते थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी) बालासाहेब पाटिल ने स्वयं मौके का मुआयना किया और जांच की कमान संभाली। जांच में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि पीड़ित बच्चों के साथ पिछले 6 से 7 महीनों से इस तरह की घिनौनी हरकतें की जा रही थीं। बच्चों ने हिम्मत जुटाकर 22 फरवरी को इस मामले की जानकारी हॉस्टल अधीक्षक को दी थी। हालांकि, प्रबंधन की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। आरोप है कि घटना की जानकारी होने के बावजूद हॉस्टल अधीक्षक ने पुलिस को सूचित करने के बजाय केवल छात्रों के माता-पिता को बुलाकर उन्हें घर ले जाने को कह दिया। मंगलवार को एक पीड़ित छात्र के अभिभावकों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सीनियर छात्रों को हिरासत में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिन्हें जल्द ही जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा। इसके साथ ही, लापरवाही बरतने और अपराध को छिपाने के आरोप में हॉस्टल अधीक्षक सहित तीन कर्मचारियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस हॉस्टल की क्षमता 60 छात्रों की है, जिसमें वर्तमान में 48 छात्र रह रहे थे। इस घटना ने हॉस्टल में बच्चों की सुरक्षा और प्रबंधन की निगरानी पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

पहाड़गंज में खिलौना गोदाम में लगी आग, चौथी मंजिल के गोदाम से दो शव बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य दिल्ली के हाड़गंज इलाके में बुधवार शाम एक इमारत की चौथी मंजिल पर लगी आग ने हड़कंप मचा दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को आग लगने की सूचना शाम को मिली। आग इमारत की चौथी मंजिल पर बने अस्थायी ढांचे में स्थित खिलौनों के गोदाम में लगी थी। आग के कारण गोदाम में रखी सामग्री तेजी से जलने लगी। सूचना मिलते ही डीएफएस की 25 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों ने संकरी गलियों और अस्थायी ढांचे की वजह से कई चुनौतियों का सामना करते हुए आग बुझाने में कई घंटे खर्च किए। आग की भीषणता मुख्यत: प्लास्टिक और सिंथेटिक खिलौनों के कारण थी। दमकल कर्मियों ने लगभग 11 घंटे की मेहनत के बाद गुरुवार तड़के 3ः20 बजे आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। आग में दो जले हुए शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान अभी नहीं हो सकी। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि चौथी मंजिल पर अस्थायी ढांचे में गोदाम संचालित होना और संकरी गलियां आग पर काबू पाने में चुनौती रही।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद को अस्तित्वगत खतरा करार दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरें नीति को दोहराया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव रघु पुरी ने कहा कि आतंकवाद किसी सीमा, राष्ट्रीयता या जातीयता को नहीं मानता। रघु पुरी ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक अस्तित्वगत खतरा करार दिया। उन्होंने बताया कि यह चुनौती केवल एक देश की सीमा तक सीमित नहीं है और इसका सामना केवल सामूहिक अंतरराष्ट्रीय प्रयासों से किया जा सकता है। भारत ने सभी देशों से आतंकवाद के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने का आग्रह किया। पुरी ने कहा कि आतंकवाद वैश्विक स्थिरता और मानव सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है और इसके खिलाफ हर स्तर पर ठोस कदम उठाना आवश्यक है।

कनाडा की पंजाबी मूल की यूट्यूबर नैंसी ग्रेवाल की चाकुओं से गोदकर हत्या, पुलिस कर रही जांच

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कनाडा में पंजाबी मूल की यूट्यूबर नैंसी ग्रेवाल की मॉन्ट्रियल के पास लासाल में उनके घर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस को सेंट-लूस क्रिसेंट में स्थित बिल्डिंग से इमरजेंसी कॉल आई थी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस को नैंसी घायल हालत में मिली। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया पर जहां उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसके शरीर पर चाकू से गोदने के कई निशान थे और खून बहने से उसकी मौत हुई है। इस खबर से कनाडा और पंजाब में रहने वाले नैन्सी ग्रेवाल के परिवार में शोक की लहर है। मॉन्ट्रियल पुलिस मामले की जांच कर रही है। हत्या के असली कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

पेज एक का शेष

ईरानी युद्धपोत को श्रीलंका में बनाया...

हिजबुल्लाह के गढ़ और अमेजन डेटा सेंटर पर हमला

इजराइल ने कहा कि उसने तेहरान के साथ-साथ बेरूत में हिजबुल्लाह के इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला शुरू कर दिया है। ईरान ने कहा है कि उसने बहरीन में एक अमेजन डेटा सेंटर पर ड्रोन हमला किया है। इस बीच अमेरिका में रिपब्लिकन ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया जिसका मकसद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तेहरान के खिलाफ भविष्य की यूएस मिलिट्री कार्रवाई के लिए कांग्रेस से मंजूरी लेने की जरूरत थी। पेंटागन ने रविवार को कुवैत में ड्रोन हमले में मारे गए दो सदस्यों की पहचान कर ली है।

ईरान में अब तक 1000 से ज्यादा लोगों की मौत

अमेरिका की एक मानवाधिकार एजेंसी के मुताबिक, इस अमेरिका और इजराइल के हमले में अब तक ईरान के अंदर 1,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ने ईरान पर युद्ध को और तेज कर दिया है। तुर्किये से श्रीलंका तक मौजूद ईरान के सैन्य साजो सामान को लक्ष्य किया गया है। इजराइल भी तेहरान और लेबनान में तेज हमले कर रहा है। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ने हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया। इस बीच ईरानी सरकार ने कहा कि अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम तीन दिन टाल दिया गया है।

ईरान के 32 नौसैनिक घायल

अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने कहा कि ₹उम्मीद है कि आज और कल लगभग 6,500 लोग मिडिल ईस्ट से स्वदेश पहुंच जाएंगे। उड़ानों की संख्या बढ़ाने के साथ अन्य विकल्पों पर ठोस निर्णय लिया जा चुका है। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ने भारत से लौट रहे एक ईरानी युद्धपोत को श्रीलंका के पास हमला कर डुबा दिया है। हमले में अब तक 87 ईरानी नौसैनिक मारे गए हैं। श्रीलंका की नौसेना ने 32 घायल नौसैनिकों का रेस्क्यू कर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। इसमें लगभग 180 नौसैनिक सवार थे। यह ईरानी युद्धपोत पिछले महीने भारत के विशाखापत्तनम में आयोजित 2026 इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेकर लौट रहा था। श्रीलंकाई अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच (भारतीय समय के मुताबिक) यह युद्धपोत दक्षिणी श्रीलंका के गाले शहर से करीब 40 समुद्री मील (करीब 75 किलोमीटर) दूर था।

17,500 से अधिक अमेरिकी सुरक्षित लौटे

अमेरिका ने कहा है कि 28 फरवरी से अब तक 17,500 से अधिक अमेरिकी नागरिक मध्य पूर्व से सुरक्षित रूप से स्वदेश लौट चुके हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के मीडिया नोट में सहायक विदेश सचिव डिलन जॉनसन ने कहा कि अकेले मंगलवार को ही 8,500 से अधिक अमेरिकी नागरिक अमेरिका लौटे। अमेरिका ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव और सुरक्षा जोखिमों के बीच अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए निकासी और सहायता प्रयास तेज कर दिए हैं। उधर, इंटरनेट मॉनिटरिंग संगठन नेटब्लाक्स ने बताया है कि ईरान लगभग 100 घंटे से इंटरनेट कनेक्टिविटी से लगभग पूरी तरह कट गया है। यह इस साल दूसरी बार है जब ईरान में इस तरह का इंटरनेट शटडाउन लागू किया गया है।

होली के रंग में रंगा साहेबगंज, कहीं उड़ा गुलाल तो कहीं हुई रंगों की बरसात

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । प्यार और रंगों का त्योहार होली जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। होलिका दहन के बाद लोगों ने अबीर और गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। युवकों ने डांस कर होली का आनंद लिया। वहीं लोगों ने फाग गीत का भी आनंद लिया। पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चौकस रही। होलिका दहन के बाद बुधवार की सुबह होते ही बच्चों व युवकों ने अबीर-गुलाल व रंगों से होली खेलकर जमकर मौज मस्ती की। वहीं दूसरी ओर फाग के साथ अबीर और गुलाल की धूम रही। बुजुर्ग, बच्चे व जवान सभी होली के रंगो में सराबोर रहे। वहीं महिलाओं ने घरों में पूजा पाठ कर अपनी सखियों के साथ जमकर गुलाल उड़ाया। बच्चे जहां पिचकारी से रंग डालने में मस्त रहे, वहीं युवा डीजे की धुन में होली के गीतों में थिरके। महिलाओं और युवतियों ने भी अपने सखी सहेलियों को अबीर व गुलाल लगाकर रंगों का लुप्त उठाया। घरों में दुपके लोगों को रंग लगाने के लिए उनके साथी जुगत भिड़ाते रहे। वहीं कई जगहों पर कुरता फाड़ होली का भी आयोजन किया गया। छोटे-छोटे बच्चों में होली को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। होली के मौके पर हुड़दंग न हो इसको लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये गये थे। बावजूद इसके जिले के कई भागों में होली के मौके पर हल्की - फुल्की हुड़दंग का भी नजारा देखने को मिला। शराबबंदी के बाद भी जिले के विभिन्न इलाके में चोरी छिपे शराब की बिक्री हुई। होली में रंग लगाने एवं हुड़दंग मचाने को लेकर कई थाना क्षेत्रों में छिटपुट मारपीट की घटनाओं का भी सामाचार प्राप्त हुआ है। हालांकि पुलिस की सक्रियता से इस बार जिले में कोई बड़ी घटना नहीं हुई। होली के मौके पर जगह-जगह होली मिलन समारोह का भी आयोजन किया गया। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, फाग, होली गीत व जोगीर का लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। ग्रामीण क्षेत्रों में होली के मौके पर बड़े-बुजुर्गों एवं युवाओं की अलग-अलग टोलियों के द्वारा पारंपरिक होली गीतों सदा अनंदा रहे एहि द्वारे मोहन खेले होली एवं जोगीरा गाकर जमकर लुत्फ उठाया। देर शाम तक लोग रंग-अबीर से सराबोर होकर होली की शुभकामना देते रहे।

तालझारी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया होली

बिभा संवाददाता

तालझारी । प्रेम सौहार्द व भाईचारे का अनुपम महापर्व होली बुधवार को पूरे तालझारी प्रखंड क्षेत्र में लोक प्रचलित परम्पराओं के अनुसार हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में मनायी गयी। रंगों की इन्द्रधनुषी फुहारों व अबीर-गुलाल के बीच डीजे की धुन, जोगीरा के राग के साथ अलमस्तों की टोली हुड़दंग करती सड़कों से लेकर गांवों की पगडण्डियों तक भोर से लेकर देर रात तक झूमती-गाती रही। लोग घर-घर जाकर लोगों ने एक दूसरे के संग होली खेली। रंग-अबीर व गुलाल लगाये, गुझिया, पापड़ संग अनेक प्रकार के पकवानों की दावत उड़ाई। भंग की तरंग में डूबे उतराये तो मदिरा के जाम भी छलकाये। कुल मिलाकर हर ओर मस्ती का आलम था। प्रेम की फुहार बरस रही थी। ऊंच-नीच, अमीर-गरीब, जातपात, भेदभाव व सारी कटुता व वैमनस्यता की सभी दीवारें ढह गयी थीं। सभी आपस में गले मिलकर एक-दूसरे को होली की बधाईयां व शुभकामनायें दे रहे थे। फाग के राग और ऊंचे हो गये, ढोल की थाप और तीव्र। पूरी रात लोग नाच-गाकर होली की मस्ती का मजा ले रहे थे। घरों में महिलाएं पूरी रात विभिन्न प्रकार के पकवान बनाने में जुटी रहीं। होलिका दहन के लिए शाम से ही युवा और बच्चे खरपतवार एकत्र करने में जुट गये थे। निर्धारित समय पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विद्वान ब्राह्मणें ने दहन की परम्परा को सम्पन्न कराया। और सुबह होते ही उत्साह से लबरेज युवाओं व बच्चों की टोली रंग, गुलाल व अबीर लेकर एक दूसरे को सराबोर करने में जुट गई। घरों में रिश्तों की मिठास प्रगाढ़ बनाने के बाद लोग मुहल्लों में और फिर सड़कों पर उतर पड़े। हर गली हर दरवाजे पर रुकते नृत्य करते एक दूसरे को रंगों से सराबोर करने के बाद अबीर-गुलाल उड़ाते सबको तिलक लगाकर गले मिलते, गुझिया व अन्य पकवान खाते, ठंडई व भंग घोलते उल्लास की तरंगों में डूबते-उतराने का यह क्रम देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान अनेक स्थानों पर कीचड़, गोबर, रंग और गुब्बारों का भी जमकर प्रयोग हुआ।

संक्षिप्त खबरें

किराना दुकान में ताला तोड़कर हजारों की चोरी, छानबीन में जुटी पुलिस

उधवा(बिभा) । राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर चौक स्थित एक किराना दुकान से बीते बुधवार की रात्रि को अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर हजारों रूपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। मामले को लेकर पीड़ित दुकानदार वरूण मंडल ने गुरुवार को राधानगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। दिए गए आवेदन में पीड़ित दुकानदार ने बताया कि बीते बुधवार की रात करीब 8 : 30 बजे अपने दुकान बंद कर घर चले गए थे। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रतिदिन की तरह गुरुवार की सुबह करीब 6 : 30 बजे दुकान खोलने के लिए गया तो देखा कि मुख्य दरवाजा का ताला टूटा हुआ है। उन्होंने जैसे ही दुकान के अंदर प्रवेश कर देखा कि सामान बिखरा पड़ा है। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि अज्ञात चोरों ने पचास हजार रुपए का सामान व नगदी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। उधर,घटना की सूचना मिलते ही राधानगर पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

कार्रवाई : मादक पदार्थ के तस्करी मामले में दो अप्राथमिकी आरोपित गिरफ्तार, भेजा जेल

उधवा(बिभा) । राधानगर थाना पुलिस ने मादक पदार्थ (एमडीएमए) के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो अप्राथमिकी आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपित अनारूल शेख एवं समसुल हक को पुलिस ने मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार राधानगर थाना कांड संख्या 89/23 के अप्राथमिकी आरोपित राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वी नारायणपुर के हसन टोला निवासी समसुल हक तथा राधानगर थाना कांड संख्या 443/25 के अप्राथमिकी आरोपित राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वी जामनगर पंचायत के उसमल्ली टोला निवासी अनारूल शेख लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों आरोपित अपने घरों में छुपे हुए है। त्वरित कार्रवाई करते हुए राधानगर पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर दोनों अप्राथमिकी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। छापेमारी दल में थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज सहित अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

एक-दूसरे को गुलाल लगाकर मनाया होली का जश्न

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में बुधवार को रंगों का त्यौहार होली पर्व शांतिपूर्ण एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जानकारी के अनुसार उधवा, मोहनपुर, मिर्जानगर, भुदेवमंडल टोला, सोमवारी हाटपाड़ा, जंगलपाड़ा, फुदकीपुर, मनिहारी टोला, श्रीधर दियारा, कटहलबाड़ी, बेगमगंज, राधानगर, अमानत दियारा, आतापुर, केलाबाड़ी, मसना, सुतियारपाड़ा, जोंका सहित विभिन्न इलाकों में रंगों का त्यौहार होली पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों व लोगों ने एक-दूसरे को रंग व गुलाल लगाकर होली का जश्न मनाया। होली पर्व को लेकर गांवों में काफी चहल-पहल देखी गई। वहीं जुनून अड्डा राधानगर में उज्जवल घोष के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने होली का जश्न मनाया। इस दौरान खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। होली पर्व को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। चौक- चौराहों पर दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी के साथ - साथ पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी।

गिरिडीह के त्रिवेणी संगम में डूबे दो बच्चों की मौत

गिरिडीह(बिभा)। गिरिडीह जिले के जमुआ - देवरी इलाके की मध्य सीमा पर बुधवार को गोदावरी त्रिवेणी संगम तालाब में पानी में डूब जाने से दो किशोर की मौत हो गयी। दोनों किशोर देवरी थाना क्षेत्र के चतरो बाजार के रहने वाले थे । खोरी महुआ एसडीपीओ राजेन्द्र प्रसाद ने डूबने से दो बच्चों की मौत की पुष्टि की है। मिली जानकारी के अनुसार चतरो (देवरी) गांव निवासी संजय साव का पुत्र करण कुमार और पुरनीगड़िया गांव के कृष्णा विश्वकर्मा के पुत्र दीपक कुमार चतरो बाजार में होली खेलने के बाद अपने दोस्तों के साथ स्नान के लिए त्रिवेणी संगम गए थे। जहां पर स्नान के क्रम में दोनों गहरे पानी मे डूब गए । बच्चों के नदी में डूबने की सूचना के बाद स्थानीय लोग नदी में उतरे और खोजबीन करने में जुट गए ।इस बीच खंडोली से गोताखोरों की टीम भी पहुंची। लगभग ढाई तीन घंटे तक खोजबीन के बाद दोनों को पानी से बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद दोनों के शव को घर लाया गया तो पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया।

एनटीपीसी द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का जिप अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । एनटीपीसी फरक्का के सीएसआर के तत्वाधान में प्रखण्ड अंतर्गत सिंगा मैदान में आयोजित फुटबॉल टूनार्मेंट का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि जिप अध्यक्ष सह झामुमो नेत्री मोनिका किस्कू ने फुटबॉल किक मारकर किया। वहीं विशिष्ट अतिथियों प्रखण्ड प्रमुख बर्नाड मरांडी व थाना प्रभारी पवन कुमार ने भी बारी बारी से फुटबॉल को किक मारा। इस दौरान अतिथियों का स्वागत सम्मान एनटीपीसी के अधिकारियों द्वारा दुलदस्ता भेंट कर व शॉल ओढ़ाकर किया गया। वहीं टूनार्मेंट में कुल 16 टीम ने भाग लिया। जिसमें से पहला मैच शिवापहाड़ व हाथीगढ़ के बीच खेला गया। मौके पर उप प्रमुख रूपक साह, प्रखण्ड सचिव मुजीबुर्रहमान, एनटीपीसी उप महाप्रबंधक विनीत कुमार, जिप सदस्य जेठा मुर्मू, छवि हेंब्रम, जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष देव सोरेन, एजाज अंसारी, प्रखण्ड उपाध्यक्ष लखीराम हेंब्रम, समदा सोरेन, गुंजन सिंघानिया, एनटीपीसी के जूनियर ऑफिसर मो. जहीरूद्दीन, चूमकी दास, प्रो. हाशिम अख्तर, अमजद अंसारी, फिरोज अंसारी, इस्लाम अंसारी सहित अन्य मौजूद थे।

जिले में पूजा अर्चना के साथ होलिका दहन : बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया होली का त्यौहार

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । होली के पावन पर्व पर सोमवार को जिले में जगह-जगह होलिका दहन किया गया। इस मौके पर शाम को मुहूर्त के अनुसार लोगों ने विभिन्न स्थानों पर होलिका दहन किया। त्यौहार के मद्देनजर शहर के बाजारों में भीड़ रही।जिला मुख्यालय के विभिन्न मोहल्लों में होलिका दहन किया गया। इस दौरान दोपहर से ही विशेष रूप से युवक और बच्चे होलिका दहन की तैयारियों में नजर आए। होलिका दहन के लिए घास, लकड़ी आदि की व्यवस्था में जुटे रहे। रात को मुर्हुत के अनुसार विधि विधान से पूजा-अर्चना के बाद होलिका दहन किया गया। वहीं, लोगों ने रीति रिवाज के अनुसार गेहूं और जौ की बालियों को होलिका की अग्नि में सेककर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। इसके बाद अलग-अलग स्थानों पर होली गायन का आयोजन किया गया। गायक कलाकारों ने फाग उत्सव में होली गीत प्रस्तुत किए तो होली के हुरिया रे झूमने, नाचने और गाने लगे। होली के अवसर घरों में पकवान बनाए गए। वहीं, मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। साथ ही लोगों ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं। दिनभर सोशल मीडिया पर भी होली की शुभकामनाओं का दौर चला।

राधानगर में डोल यात्रा के उपरांत ग्रामीणों के बीच हुआ खिचड़ी प्रसाद का वितरण

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के राधानगर गांव में मंगलवार को कंचन घोष के आवासीय राधा-कृष्ण मंदिर में होली के पावन अवसर पर आयोजित डोल यात्रा का समापन अत्यंत उत्साह और सेवा भाव के साथ हुआ। इस दौरान आयोजकों ने भक्तों के साथ मिलकर घंटों तक भजन कीर्तन किया। भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के भक्तिमय झूला उत्सव के पश्चात,आयोजन समिति की ओर से एक विशेष भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित भक्त ग्रामीणों को श्रद्धापूर्वक खिचड़ी प्रसाद का सेवन कराया गया। डोल यात्रा के दौरान उमड़े जनसैलाब ने न केवल गुलाल खेलकर खुशियाँ बांटी,बल्कि साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण कर आपसी भाईचारे और समरसता का संदेश भी दिया। आयोजक समिति के प्रमुख कंचन घोष ने बताया कि डोल पूर्णिमा के दिन भगवान को भोग लगाने के बाद ग्रामीणों के बीच प्रसाद वितरण की यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जो समाज को जोड़ने का कार्य करती है। इस दौरान समिति के सदस्य ईश्वर मंडल,शंकरी घोष,हेलानी घोष,ओफल मंडल,बिफल बेवा, पाता देवी,राखी देवी,विश्वजीत मंडल सहित दर्जनों भक्त ग्रामीण सहयोगी के रूप में सम्मिलित हुए।

समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने के लिए जागरूक जरूरी : चंदा

बिभा संवाददाता

उधवा । जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निदेशानुसार उधवा प्रखंड के दक्षिण पियारपुर पंचायत भवन में गुरुवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देख-रेख के चंदा कुमारी द्वारा किया गया। इस दौरान चंदा कुमारी ने उपस्थित आंगनबाड़ी सेविका व स्वास्थ्य सहिया को प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर, फोस्टर केयर, महिला उत्पीड़न, डायन प्रथा तथा बाल विवाह की रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने कहा कि समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास और जागरूकता आवश्यक है। वहीं परियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन मो. इकबाल ने बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण,बाल तस्करी, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, बाल शोषण, बाल श्रम एवं बाल विवाह जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर टोल फ्री नंबर की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। महिला सशक्तिकरण,किशोर-किशोरियों के विकास तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के उपायों पर अपने विचार रखें। मौके पर महिला पर्यवेक्षिका दरखाशा खातून, चाइल्ड हेल्पलाइन केस वर्कर संजीव कुमार, पंचायत सचिव, मुखिया, आंगनबाड़ी सेविका, सहिया सहित अन्य मौजूद थे।

होली पर शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

तालझारी । होली पर्व को लेकर तालझारी सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद के नेतृत्व में मंगलवार को तालझारी थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान पुलिस ने लोगों से पर्व पर शांति बनाए रखने का आह्वान किया गया। वहीं फ्लैग मार्च तालझारी थाना क्षेत्र के महराजपुर, सकरीगली आदि गांवों का भ्रमण कर थाना पहुंच कर समाप्त हो गई। फ्लैग मार्च के दौरान सीओ सह बीडीओ के अलावे तालझारी थाना प्रभारी नितेश पांडे जवानों के साथ पैदल मार्च करते हुए चल रहे थे। इस दौरान लोगों से शांतिपूर्ण सौहार्द के साथ होली मनाने की अपील की। साथ ही कहा कि होली रंगों और भाईचारे का त्योहार है। शांति पूर्वक तरीके से मनाएं। शरारती तत्वों पर नजर रखकर पुलिस का सहयोग करें। कहा कि क्षेत्र के किसी भी गांव में होलिका दहन को लेकर कोई समस्या हो तो समय रहते अवगत कराएं। मौके पर सीओ, थाना प्रभारी के अलावे एसआई, एएसआई सहित पुलिस बल शामिल थे।

होली के रंग में सराबोर दिखा दुमका, सभी वर्गों पर छायी रही खुमारी

बिभा संवाददाता

दुमका। उपराजधानी दुमका में रंगों का त्योहार होली धूमधाम से सौहार्दपूर्ण महौल में मनाई गई। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर बड़ी संख्या में लोग एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की मस्ती में डूबे दिखे। होली के त्योहार पर सभी वर्ग के लोगों ने शामिल होकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

पांरपरिक होली के गीतों पर झूमते-नाचते लोगों का उत्साह इस दौरान देखते ही बन रहा था। शहरी जीवन में रहने के बावजूद बेहद ही ग्रामीण परिवेश में युवा कपड़ाफार होली खेली। हर तरफ होली की मस्ती छाई रही। मौके पर यहां के गली, मुहल्लों और चौक-चौराहों पर बच्चे, बूढ़े और जवानों को होली खेलते देखा गया। दुमका शहर में सुबह से ही होली शुरू हो गई। बच्चों की टोली को भी हाथों में पिचकारी लिए सड़कों पर लोगों को रंग लगाते देखा गया। होली खेलने में महिलाएं भी पीछे नहीं रही। महिलाओं ने आपस में एक दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली का त्योहार मनाया। दुमका वासियों ने पहले पहर में रंग खेलकर और दूसरे पहर में अबीर-गुलाल लगाकर होली का लुफ्त उठाया। बुजुर्गो को अभिवादन कर उनकी आशीर्वाद लिया।

वहीं हम उम्र के लोगों ने एक दूसरे को जमकर अबीर-गुलाल लगाया और गले मिलकर होली की बधाई दी। इस दौरान रंग-गुलाल लगाने के साथ ही पुआ-पकवान खाने और खिलाने का दौर जारी रहा। इधर, होली के रंग में कोई खलल नहीं पहुंचे इसके लिए पुलिस गस्ती होती रही। संवेदनशील इलाकों में पुलिस पेट्रोलिंग की गाड़ी खड़ी दिखी।

बियर की बोतल से हमला, एक महिला सहित तीन घायल

बिभा संवाददाता

धनबाद। शहर के सरायढेला थाना क्षेत्र के उड़िया पट्टी में गुरुवार को आपसी विवाद में बियर की बोतल से हमला करने का मामला सामने आया है। इस घटना में दो युवक और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। सभी घायलों को इलाज के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। बताया जा रहा है कि विक्की हाड़ी नामक युवक अपनी बहन रानी देवी के घर उड़िया पट्टी आया हुआ था। इसी दौरान पास के रहने वाले कुछ युवक नशे की हालत में वहां पहुंचे और पहले एक व्यक्ति के साथ मारपीट की, जिसमें उसका सिर फूट गया। जब विक्की हाड़ी और उसके भाई बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपितों ने बियर की बोतल तोड़कर उन पर हमला कर दिया। इस दौरान एक युवक के सीने पर बोतल से वार कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों का आरोप है कि जब वे लोग घायलों को बचाने पहुंचे तो आरोपितों ने चाकू से भी हमला करने की कोशिश की, जिसमें विक्की की बहन रानी देवी भी घायल हो गईं। घटना के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। परिजनों का यह भी आरोप है कि इलाके के कुछ युवक अक्सर पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी देते रहते हैं।

पूर्व रेलवे
निविदा सं.: एमसी-40-सी-बीकेवीएएन-एमेनिटिज-आरई, दिनांक 02.03.2026; मंडल यांत्रिक अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** "150 ब्रेक वैनों में समायोजन योग्य गार्ड कुर्सियों तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान"। **निविदा मूल्य:** रु. 2,11,33,134। **बयाना राशि:** रु. 2,55,700। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **कार्य समापन अवधि:** 12 महीने। **बंद एवं खुलने की तारीख एवं समय:** 23.03.2026 को अपराह्न 3.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
(ASN-381/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने वाली जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम से मिले आईसीसी प्रमुख जय शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने पर जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी है। जम्मू-कश्मीर ने खिताबी मुकाबले में आठ बार की विजेता कर्नाटक को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर जीत की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, रणजी ट्रॉफी में जम्मू और कश्मीर की जीत दिखाती है कि राज्य में क्रिकेट आगे बढ़ रहा है जो गर्व की बात है। अपनी यादगार जीत के बाद, खिलाड़ियों ने आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिलने और उनके साथ यह खास पल साझा करने की इच्छा भी जताई थी। तब खिलाड़ियों ने बीसीसीआई सचिव रहते शाह के जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए किए गए कार्यों की भी प्रशंसा की थी। बीसीसीआई ने जम्मू-कश्मीर टीम को उसके इस सफलता पर बधाई दी। साथ ही जीतने वाली टीम से मिलने के लिए शाह को धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि जम्मू और कश्मीर टीम ने चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में बड़ी बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी 2025-26 का खिताब जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। खिताबी मुकाबले की पहली पारी में 584 रन बनाने के बाद, जम्मू और कश्मीर ने कर्नाटक को 293 रन पर आउट करके 291 रनों की बढ़त हासिल की थी।

वहीं जम्मू-कश्मीर ने ओपनर कमरान इकबाल के नाबाद 160 रन और साहिल लोतरा के की शतकीय साझेदारी की सहायता से अपनी दूसरी पारी 4 विकेट प 342 रन बनाकर घोषित कर दी। ये मैच ड्रॉ रहा और पहली पारी की बढ़त के आधार पर जम्मू-कश्मीर को विजयी घोषित किया गया था। जम्मू-कश्मीर सरकार ने भी इस सफलता पर टीम की प्रशंसा करते हुए उसे इनाम दिया था।

सचिन के बेटे अर्जुन की शादी में पारंपरिक परिधाओं में नजर आये धोनी और साक्षी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी धोनी गुरुवार को यहां महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक की शादी में शामिल हुए। धोनी और साक्षी इस समारोह में स्टाइलिश अंदाज में नजर आये। शादी में धोनी के अलावा कई और दिग्गज खिलाड़ी भी शादी में शामिल हुए।

धोनी ने शादी समारोह में पारंपरिक परिधानों में सबका ध्यान खींचा। वह हल्के बेज-ब्लश सिल्क कुर्ते में अपने ही अंदाज में दिखे। जिसमें बीच और कफ पर बारीक रेशम और ज़रदोज़ी की कढ़ाई की गई थी। हल्के हरे, लाल और सुनहरे रंग के हल्के फूलों से उनका ये कुर्ता और भी क्लासिक भारतीय अंदाज दिखा रहा था। उन्होंने क्रिस्प सफेद चूड़ीदार ट्राउज़र के साथ लुक को साफ और सिंपल रखा, जिससे कुर्ते की कारीगरी उभर कर सामने आई। वहीं साक्षी ने आइवरी अनारकली-स्टाइल सूट पहना था, जिसके बॉर्डर पर कलमकारी से प्रेरित फूलों की बेलें और मोर के डिज़ाइन थे, जो शाही चार्म दिखा रहा था। उनके हल्के सोने के बॉर्डर वाले शीयर दुपट्टे, लेयर्ड गोल्ड ज्वेलरी और भारी सजावट वाले गोल्ड पोटली बैग ने स्टाइल के साथ ही पारंपरिक अंदाज दिखाया। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान और उनकी पत्नी सफा बेग भी पारंपरिक कपड़ों में दिखे। इरफान हल्के क्रीम रंग के थ्री-पीस सूट में बहुत खूबसूरत लग रहे हैं, जिसमें फिटेड ब्लेज़र, मैचिंग वेस्टकोट और स्लिम ट्राउज़र हैं। इसे बिना बटन वाली सफेद शर्ट और पॉलिश किए हुए भूरे जूतों के साथ कैजुअली स्टाइल किया गया है, जो एक मॉडर्न और आरामदायक लुक देता है।

वहीं सफा ने एक शानदार ब्लश पिंक गाउन, एक बड़ी ट्यूल स्कर्ट और बारीक सजी हुई स्लीव्स में कॉम्प्लिमेंट किया। उनका शीयर मैचिंग हिजाब, लेडी डायर बैग और डायमंड चोकर लुक को पूरा कर रहे हैं, जिससे एक सॉफ्ट, रोमांटिक लुक बन रहा है जो इरफान के स्ट्रक्चर्ड आउटफिट के साथ मिलकर अलग ही अंदाज दिखा रहा था। साथ में, वे एक पेस्टल और न्यूट्रल पैलेट में अच्छे लग रहे हैं, जो कपल गोल्स की निशानी है। अर्जुन तेंदुलकर की शादी के जश्न में कई और क्रिकेटर भी परिवार सहित शामिल हुए। इसमें पूर्व तेज गेंदबाज ज़हीर खान के साथ उनकी पत्नी सागरिका घाटगे, हरभजन सिंह के साथ गीता बसरा, युवराज सिंह के साथ हेज़ल कीच के अलावा पूर्व कोच रवि शास्त्री और मुख्य चयनकर्ता अजीत भी अपने-अपने परिवसर के साथ शामिल हुए।

वरुण के बचाव में उतरे मेंटर, उसके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

दुबई (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर के नाम से लोकप्रिय वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन इस बार टी20 विश्वकप में उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। वरुण चक्रवर्ती सुपर 8 के मैच में बल्लेबालों पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगा पाये जिससे उनके ओवरों में पहले से अधिक अधिक रन बने हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में वह प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि इसके बाद भी वह भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं वरुण के मेंटर प्रतीपन ने उनका बचाव करते हुए कहा है कि इस गेंदबाज के फार्मा को लेकर चिन्ता की कोई जरुरत नहीं है।

प्रतीपन ने कहा, आंकड़ों पर नजर डालें तो वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की है। अगर पिच से किसी और को ज्यादा टर्न मिल रही होती और वरुण को नहीं, तो हम कुछ बदलाव की बात करते पर अभी ऐसा कुछ नहीं है। इसलिए वह परेशान नहीं हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि वरुण को अभी तकनीक में किसी भी प्रकार के बदलाव की जरुरत नहीं है। उनका फिलहाल किसी तकनीकी बदलाव की जरूरत महसूस नहीं की गई है। केवल एक दो मैच के आधार पर बदलाव सहीं नहीं है। उनके अनुसार अगर विकेट से ज्यादा टर्न नहीं मिल रही, तो गेंदबाज क्रीज और ट्रैजेक्टरी का इस्तेमाल कर कोण बनाकर बदलाव ला सकता सकता है। इसके अलावा ओवर द विकेट और राउंड द विकेट गेंदबाजी कर भी गेंदबाजी और सटीक बनायी जा सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ वरुण का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। पिछले साल पांच मैचों की टी20 सीरीज में उन्होंने 9.85 की औसत से 14 विकेट लिए थे, जिसमें एक बार पांच विकेट भी थे। तब उन्होंने जोस बटलर और लियाम लिविंगस्टोन जैसे बेहतरीन बल्लेबाजों को आउट किया था। इस बार भी उम्मीद है कि वह सेमीफाइनल और फाइनल में अपने प्रदर्शन से अंतर पैदा करेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप: फिन एलन के नाम हुआ एक एडिशन में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड, इन दिग्गजों को पछाड़ा

कोलकाता (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता के इडेन गार्डेन में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में विस्फोटक शतक लगाया। इस शतकीय पारी के दम पर एलन ने न्यूजीलैंड को फाइनल में पहुंचाने के साथ ही कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

फिन एलन ने 33 गेंदों पर 10 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। इस पारी के दौरान आठवां छक्का लगाते ही एलन एक विश्व कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। एलन इस विश्व कप में अब तक 20 छक्के लगा चुके हैं। एलन ने इसी विश्व कप में 19 छक्के लगाने वाले शिमरोन हेटमायर और 18 छक्के लगाने वाले साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ा।

इससे पहले एक विश्व कप में सर्वाधिक छक्का लगाने की उपलब्धि निकोलन पूरन (17 छक्के 2024 विश्व कप में) के नाम थी। अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज ने टी20 विश्व कप 2024 में 16 और क्रिस गेल ने 2012 में 16 छक्के लगाए थे। फिन एलन का यह शतक टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक है। एलन ने क्रिस गेल के सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ा। गेल ने 2016 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों पर शतक लगाया था। एलन टी20 विश्व कप के नॉकआउट मैचों में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान द्वारा 2009 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ सेमीफाइनल में बनाए नाबाद 96 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ा।

टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के लिए शतक लगाने वाले एलन तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। ब्रैंडन मेक्कुलम 2012 में पल्लेकेले में बांग्लादेश के खिलाफ 123 और ग्लेन फिलिप्स 2022 में श्रीलंका के खिलाफ 104 रन की पारी खेल चुके हैं।

मैच पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के 169 रन बनाए थे। 170 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 12.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाकर मैच 9 विकेट से जीत लिया। एलन के 33 गेंदों पर 100 रन के अलावा टिम साइफर्ट ने भी 33 गेंदों पर 58 रन बनाए। फिन एलन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

सेमीफाइनल की हार टीम पर एक करारा प्रहार : कोच कॉनराड

कोलकाता। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कोच शुकरी कॉनराड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल मुकबले में मिली करारी हार पर नाराजगी जतायी है। कोच के अनुसार ये हार उनकी टीम पर एक करारे प्रहार की तरह है। इस हार से एक बार फिर टीम के बड़े मुकाबलों मे दबाव में आने के आरोप लगाने वालों की बात को ही बल मिला है!। दक्षिण अफ्रीका को कोलकाता में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कॉनराड ने इस हार को बेहद दर्दनाक बताया है। मैच के बाद कॉनराड ने कहा, इस मैच में हमारी टीम मुकाबले में कहीं भी नजर नहीं आई। आपकी गेम में थोड़ी सी भी पकड़ होनी चाहिए पर हमें हमारे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह एक तरह से ऐसा था जैसे चेहरे पर कोई थप्पड़ मारा गया हो। कॉनराड ने कहा, आज रात बहुत कुछ ठीक नहीं हुआ पर शायद ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वे बहुत अच्छे थे और उन्होंने हमें कभी अवसर नहीं दिया। मैं हार के लिए कोई बहाना नहीं बनाऊंगा। हम अच्छे नहीं थे और वे बहुत अच्छे थे। उन्होंने हमें आगे से रोक दिया, हमने विकेट खोये और हमें कोई मौका नहीं मिला। कोच ने कहा, हमारी टीम की गेंदबाजी की कमजो रही जिससे मैच हमारे लिए कठिन बन गया। वहीं न्यूजीलैंड की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड ने बहुत, बहुत अच्छा खेला। उन्होंने हमें बिल्कुल अवसर नहीं दिया और सच में बहुत अच्छा दबाव बनाया। उनके स्पिनर बहुत अच्छे रहे। गौरतलब है कि ग्रुप स्तर में न्यूजीलैंड को हरा चुकी दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा।

ऑल इंग्लैंड ओपन में लक्ष्य की जीत से शुरुआत, गत विजेता यूकी को हराया

लंदन। भारत के लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन ओपन 2026 में जीत के साथ शुरुआत की है। लक्ष्य ने पुरुष एकल के अपने पहले ही मुकाबले में गत विजेता चीन के शी यूकी को 23-21, 19-21, 21-17 से पराजित कर दिया। लक्ष्य ने पुरुष सिंगल्स के पहले दौर में यूकी को एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य ने मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी खिलाड़ी पर दबाव बनाया। इससे लक्ष्य ने 17-10 की बढ़त ले ली पर इसके बाद शी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-17 पर ला दिया। लक्ष्य ने फिर से बेहतर खेल दिखाते हुए हुए तीन गेम अंक हासिल किए पर चीनी खिलाड़ी ने एक और मैच अंक बचाकर अपने को खेल में बनाने का प्रयास किया। दूसरे गेम में यूकी ने आक्रामक रुख अपनाया पर लक्ष्य ने 13-19 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी की। उनका प्रयास मैच को निर्णायक मुकाबले तक ले जाने का था पर तीसरे और अंतिम गेम में भारतीय खिलाड़ी ने जबरस्त प्रदर्शन करते हुए 16-11 की बढ़त हासिल की और चार मैच अंक बटोरे। यूकी ने एक अंक बचाया पर वह अपनी हार नहीं टाल पाये।

गावस्कर का फाउंडेशन कर रहा गोल्फ इवेंट का आयोजन

-पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही पेस, पादुकोण जैसे दिग्गज भी होंगे शामिल

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का चैंप्स फाउंडेशन 6 मार्च को डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ इवेंट आयोजित करने जा रहा है। इसमें कई पूर्व क्रिकेटरों के अलावा अन्य खेलों के दिग्गज भी भाग लेंगे। ये इवेंट मुंबई के चेंबूर स्थित बॉम्बे प्रेसीडेंसी गोल्फ क्लब में होगा। इसमें दुनिया भर के नामी गोल्फर भाग लेंगे। ये फाउंडेशन परेशानियों से संघर्ष कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सहायता करता है। इस टूर्नामेंट में 100 से ज्यादा प्रतियोगियों के शामिल होने की संभावना है। इसमें पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, जी.आर. विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस. बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा भी शामिल होंगे। वहीं विदेशी क्रिकेटरों में इयोन मॉर्गन, माइकल वॉन और डेविड लॉयड रहेंगे। क्रिकेट के अलावा टेनिस स्टार लिएंडर पेस, बैडमिंटन दिग्गज प्रकाश पादुकोण और प्रोफेशनल गोल्फर नेहा त्रिपाठी, रिधिमा दिलावरी व गौरव घई भी इस इवेंट में भाग लेंगे। सुनील गावस्कर ने कहा कि चैंप्स फाउंडेशन इस सोच के साथ बनाया गया कि जिन्होंने खेल के जरिए देश का नाम रोशन किया, उन्हें जरूरत के समय अकेला न छोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ गोल्फ नहीं, बल्कि खेल समुदाय को लौटाने का प्रयास है। वहीं पेस ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, मजबूती और एकजुटता सिखाता है। चैंप्स फाउंडेशन इन्हीं मूल्यों का प्रतीक है।

वेस्टइंडीज टीम कोलकाता के होटल में फंसी, हेड कोच डैरेन सैमी ने की अपील

कोलकाता (एजेंसी)। वेस्ट इंडीज को उनके ट्रैवल शेड्यूल के बारे में कोई ऑफिशियल अपडेट नहीं दिया गया है, लेकिन जिम्बाब्वे टीम के सदस्यों का पहला बैच अब घर के लिए निकल चुका है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के चार दिन बाद भी जब वेस्टइंडीज कोलकाता में फंसा हुआ है, तो उनके हेड कोच डैरेन सैमी ने एक्स पर एक पोस्ट किया है, जिसमें कहा गया है, 'मैं बस घर जाना चाहता हूं'।

पश्चिम एशिया में संकट के चलते वेस्टइंडीज उन टीमों में से एक है जो भारत में फंसी हुई हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक शुरू में आईसीसी ने वेस्टइंडीज को बताया था कि टीम को लंदन के लिए एक चार्टर फ्लाइट से कैरिबियन वापस लाने की कोशिश की जा रही है। माना जा रहा है कि प्लान यह था कि वेस्टइंडीज हफ़्ते के बीच में भारत से फ्लाइट ले ले, हालांकि कोई पक्की तारीख नहीं बताई गई थी। हालांकि, वेस्टइंडीज कोलकाता में ही है, जहां वे 1 मार्च को सुपर आठ के फाइनल मैच में भारत से हार गए थे।

पिछले वीकेंड शुरू हुए इस संकट की वजह से आम एयरस्पेस कॉरिडोर बंद होने से, आईसीसी को टीमों के लिए वापसी की फ़्लाइट का इंतजाम करने में एक बड़ी लॉजिस्टिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि बुधवार को जिम्बाब्वे के लिए अच्छी खबर आई, जब आईसीसी द्वारा उनके ट्रैवल इंतजामों में बदलाव करने के बाद उनकी टीम के सदस्यों का पहला बैच दिल्ली से घर के लिए रवाना हो गया। वेस्टइंडीज की तरह जिम्बाब्वे ने भी टी 20 वर्ल्ड कप में अपना आखिरी मैच 1 मार्च को दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका से खेला था जिसमें वह हार गया था। जिम्बाब्वे को पहले 2 मार्च को निकलना था, लेकिन वह प्लान कैंसिल कर दिया गया। उनकी टीम के बाकी सदस्यों के ट्रैवल प्लान के बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को एक बयान में कहा, 'जिम्बाब्वे क्रिकेट कन्फर्म करता है कि आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने वाली जिम्बाब्वे की सीनियर मेन्स टीम भारत से घर लौट रही है। हाल ही में आई दिक्कतों के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने दूसरे ट्रैवल अरेंजमेंट कर लिए हैं।' 'फ्लाइट की उपलब्धता और बदले हुए रूट की वजह से, टीम बैच में हरारे लौटेगी।' 'ज़िम्बाब्वे का ओरिजिनल ट्रैवल रूट दुबई से एमिरेट्स फ्लाइट से था, लेकिन इसे बदलना पड़ा। पता चला है कि जिम्बाब्वे अब अदीस अबाबा, इथियोपिया होते हुए हरारे जा रहा है।'

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में फंसा

लाहौर। मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए पाकिस्तान की क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। पाक टीम को 11 मार्च से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए बांग्लादेश दौरे पर जाना था। इसके लिए उसे 9 मार्च को बांग्लादेश पहुंचना था पर अब कहा जा रहा है पाकिस्तान की टीम इस दौरे को आगे बढ़ा सकती है। पिछले कुछ समय से बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) के साथ पाक बोर्ड (पीसीबी) के संबंध बेहतर हुए हैं और ऐसे में इस दौरे को आयोजित करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। दोनो टीम के बीच मीरपुर मे 11, 13 और 15 मार्च को तीन एकदिवसीय मैच होने थे पर अब ये खेले जाएंगे या नहीं तय नहीं है। इसका कारण ये है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद से ही दुनिया भर में तनाव का माहौल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज तभी आयोजित होगी, जब यात्रा जोखित और सुरक्षा की चिंताएं समाप्त होंगी। ये भी कहा जा रहा कि वर्तमान मौजूदा क्षेत्रीय तनाव की वजह से यह टूर होगा या नहीं कहा नहीं जा सकता है। वहीं बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसे पीसीबी की ओर से अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गयी है। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन्स के चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि कहा, अगर बात ऐसी हो जाती है कि वे यात्रा नहीं कर पा रहे तो इसमें कुछ नहीं किया जा सकता है पर अभी तक हमें उनकी ओर से कुछ नहीं कहा गया है।

ऑल इंग्लैंड ओपन में सात्विक-चिराग पहले ही राउंड में बाहर

बर्मिंघम। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मलेशिया के कांग खाई जिंग और एरॉन ताई से सीधे गेम में हारने के बाद ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले ही राउंड में बाहर हो गई। यूटिलिटा एरिना बर्मिंघम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में चौथी रैंक वाली भारतीय जोड़ी दुनिया की 33वें नंबर की मलेशियाई जोड़ी से 23-21, 21-12 से हार गई। सात्विक-चिराग ने अच्छी शुरुआत की और शुरुआती गेम के इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली, जिसके बाद मलेशियाई जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। 2024 के जूनियर वर्ल्ड चैंपियन कांग और एरॉन फिर आगे निकल गए और भारतीयों जोड़ी के दो मैच पॉइंट बचाने के बावजूद, आखिरकार टाई-ब्रेक में गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी इसी मोमेंटम को जारी रखते हुए मलेशियाई जोड़ी ने गेम पर अपना दबदबा बनाया। और सिर्फ पांच और पॉइंट देकर मैच आराम से जीत लिया। इस हार के साथ ही इस मशहूर टूर्नामेंट में भारत का पुरुष युगल में अभियान भी समाप्त हो गया।

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तानी क्रिकेटर को सुनाई खरी-खरी, भारत के खिलाफ कर रहा था गलत बयानबाजी

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारत और पाकिस्तान के क्रिकेटरों के बीच बयानबाजी एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर द्वारा भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लेकर की गई टिप्पणी पर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कैफ का मानना है कि इस तरह के बयान अक्सर सिर्फ मीडिया में चर्चा बटोरने के लिए दिए जाते हैं। उन्होंने साफ कहा कि भारतीय टीम को ऐसे बयानों पर ध्यान देने के बजाय अपने प्रदर्शन पर फोकस करना चाहिए।

आमिर के बयान पर कैफ का करारा जवाब

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा को 'स्लॉगर' बताया था। आमिर ने यह भी दावा किया था कि भारत टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाएगा। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे बयान अक्सर जानबूझकर दिए जाते हैं ताकि मीडिया में चर्चा बने। उनके मुताबिक आमिर जैसे अनुभवी खिलाड़ी को यह अच्छी तरह पता था कि भारत एक मजबूत टीम है और टूर्नामेंट के आगे के चरणों में पहुंचने की पूरी क्षमता रखती है।

'खबरों में बने रहने की कोशिश'

कैफ ने कहा कि कई बार खिलाड़ी अपनी लोकप्रियता बनाए रखने या सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। उन्होंने भारतीय प्रशंसकों से अपील की कि ऐसे कमेंट्स को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए। कैफ ने कहा कि अगर हर बयान का जवाब दिया जाएगा तो इससे उन लोगों को वही ध्यान मिलेगा जिसकी उन्हें तलाश रहती है। उनके अनुसार भारतीय टीम को अपने स्तर से नीचे जाकर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है।

2024 टी20 वर्ल्ड कप की हार का भी किया जिक्र

कैफ ने बातचीत के दौरान टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान की संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के खिलाफ मिली हार को भी याद किया। उन्होंने खासतौर पर उस मैच के सुपर ओवर का जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा था। कैफ ने आमिर की गेंदबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उस सुपर ओवर में जरूरत से ज्यादा वाइड गेंदें फेंकी गईं, जिसने पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। उनका मानना है कि दबाव की स्थिति में सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करना किसी भी अनुभवी गेंदबाज के लिए बेहद जरूरी होता है।

पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति पर भी बोले कैफ

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान क्रिकेट के मौजूदा ढांचे पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट सिस्टम में काफी अंतर है, जो दोनों टीमों के प्रदर्शन में भी दिखाई देता है। कैफ के अनुसार भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने घरेलू ढांचे, युवा खिलाड़ियों के विकास और प्रोफेशनल सिस्टम पर काफी काम किया है, जिसका फायदा टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रहा है।

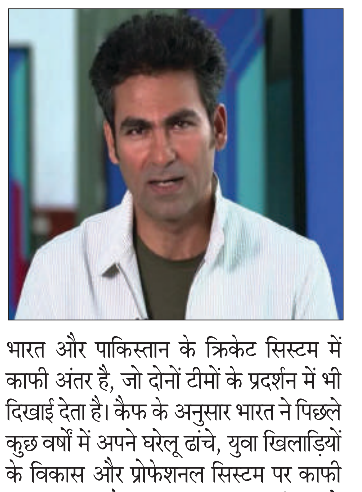

भारतीय फैंस को दी खास सलाह

कैफ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को सलाह दी कि उन्हें हर बयान पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया के दौर में कई बार छोटी-छोटी बातों को भी बेवजह बड़ा बना दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बेहतर होगा कि टीम और फैंस दोनों ही अपना ध्यान खेल और प्रदर्शन पर रखें, क्योंकि यही किसी भी टीम की असली पहचान बनाता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान का प्रदर्शन

गौरतलब है कि पाकिस्तान की टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर-8 चरण से आगे नहीं बढ़ पाई। लगातार दूसरे टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक न पहुंच पाने के कारण टीम को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मोहम्मद कैफ का संदेश साफ है कि भारतीय टीम को बेवजह की बयानबाजी से दूर रहकर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। उनके मुताबिक मैदान पर प्रदर्शन ही किसी भी टीम का असली जवाब होता है।

अपने ही दामाद पर भड़के शाहिद अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान की टीम का जिस प्रकार से टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खराब प्रदर्शन रहा है उससे पूर्व क्रिकेटर भड़के हुए हैं। पूर्व दिग्गजों ने टीम की रणनीति के साथ ही कप्तानी और खिलाड़ियों के कमजोर प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी खराब प्रदर्शन के लिए आड़े हाथों लिया है। शाहीन जबकि उनके दामाद हैं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम के खिलाफ बड़ी जीत नहीं दर्ज कर पाया। । सुपर-8 के मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ उसे बड़ी जीत चाहिये थी पर टीम मामूली अंतर से जीती और इस कारण सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गयी। इस मैच में अंतिम ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन से कसी हुई गेंदबाज की उम्मीद थी पर उन्होंने 22 रन दे दिये। इससे भी शाहिद खासे नाराज हैं। उन्होंने कहा कि शाहीन को इतने साल में ये समझ आ जानी चाहिए कि दबाव की स्थिति में कैसे गेंदबाजी करनी है। दांये हाथ के बल्लेबाज के सामने वाइड यॉर्कर डालना एशियाई पिचों पर फायदेमंद नहीं रहता है। अफरीदी ने यह भी कहा कि शाहीन बार-बार एक ही गलती दोहरा रहे हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए खिलाड़ियों को इन बातों की समझ होनी चाहिए। वहीं पाक बोर्ड भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद नाराज बताया जा रहा है और ऐसे में टीम में कई बदलाव होने तय है।

नीतिगत सुधार जिसने व्यावसायिक माहौल को बदल दिया

बिहान भारत

पिछले कुछ वर्षों में भारत न केवल निवेश के लिए, बल्कि व्यवसाय करने के लिए भी सबसे आकर्षक गंतव्यों में से एक के रूप में उभरा है। करीब एक दशक से अधिक समय पहले, सरकार ने भारत में व्यवसाय करने को आसान बनाने के उद्देश्य से विनियामक सुधारों का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरू किया था।

व्यवसाय करने में सुगमता (ईओडीबी) संबंधी पहलों के शुभारंभ और व्यवसाय-हितैषी सुधारों की एक श्रृंखला के साथ, भारत ने अब दक्षता और अवसर के एक नए युग में प्रवेश किया है। देश - और उसके युवा निवेशकों का उर्जा से भरपूर समुदाय - अब इस परिवर्तित, विकासोन्मुखी इकोसिस्टम के लाभों को प्राप्त करने के लिए सक्षम और तत्पर है। भारत का उद्यम इकोसिस्टम सुदृढ़ हुआ है जिसका प्रमाण मात्र पांच वर्षों में सक्रिय पंजीकृत कंपनियों की संख्या में लगभग 27 प्रतिशत की वृद्धि से मिलता है। यह संख्या 2020-21 में 1.55 लाख से बढ़कर 2025-26 में 1.98 लाख हो गई (3 फरवरी 2026 तक)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का व्यावसायिक विश्वास सूचकांक वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान और वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई से सितंबर (द्वितीय तिमाही) तक लगातार 100 के तटस्थ मानक से ऊपर बना हुआ है। यह भविष्य के उत्पादन, रोजगार और निवेश को लेकर सकारात्मक भाव का संकेत देता है। ये संकेतक सामूहिक रूप से उद्योग जगत की भावना की निरंतर सुदृढ़ता को पुष्ट करते हैं और ऐसे व्यावसायिक भाव को दशार्ते हैं, जहां कंपनियां मांग और विकास की संभावनाओं को लेकर आश्वस्त बनी हुई हैं।

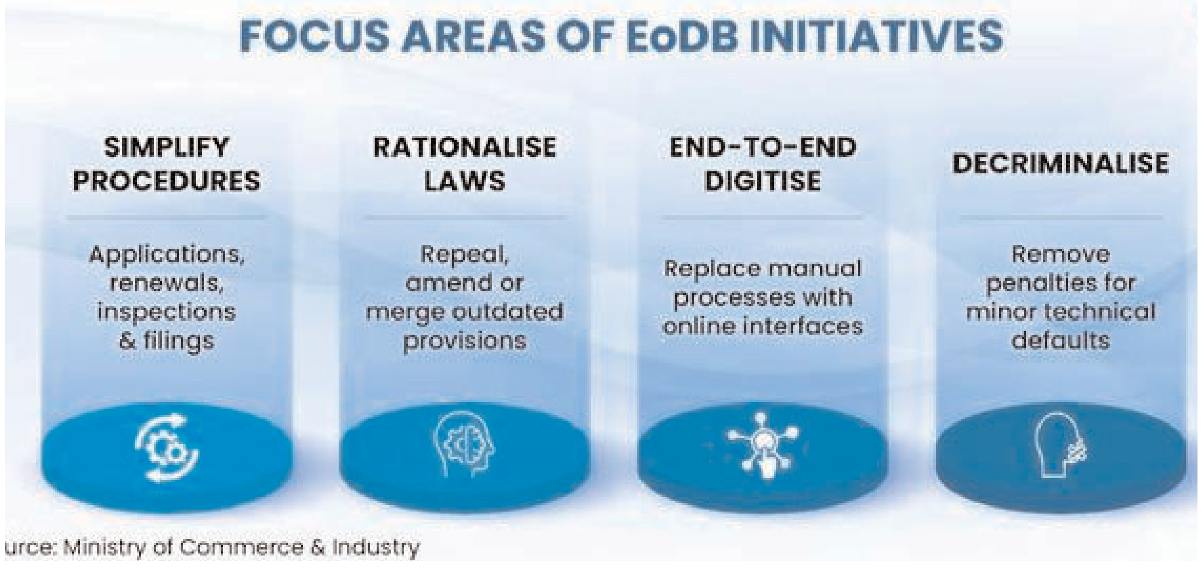

urce: Ministry of Commerce & Industry

व्यवसाय करने में सुगमता पर सरकार का रणनीतिक ध्यान

व्यवसाय करने में सुगमता (ईओडीबी) उद्यमिता, नवाचार और संपदा सृजन को प्रोत्साहित करने के मूलभूत आधार हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने निवेश आकर्षित करने, उद्यमिता को प्रोत्साहन देने और आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से व्यावसायिक वातावरण में सुधार को एक रणनीतिक प्राथमिकता बनाया है। विनियामक और विधायी संरचनाओं में सुधार, प्रक्रियाओं के सरलीकरण तथा अनावश्यक व्यवस्थाओं को समाप्त करके सरकार व्यवसायों के लिए एक अधिक पारदर्शी, कुशल और उम्मीद के मुताबिक इकोसिस्टम बनाना चाहती है।

आज व्यवसाय करने में सुगमता भारत के सुधार एजेंडा का एक केंद्रीय स्तंभ बन चुका है। केंद्रीय बजट 2026-27 इस दृष्टि को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल व्यापार सुगमीकरण, कर-निश्चितता, नियमों और वाद-विवाद में कमी, विश्वास-आधारित सीमा शुल्क प्रणाली तथा निवेश-अनुकूल कर व्यवस्था को प्रोत्साहित करने वाले उपायों को सम्मिलित करता है। ये सतत सुधार निवेशकों के विश्वास को सुदृढ़ करते हैं और भारत की स्थिति को एक अधिक प्रतिस्पर्धी और व्यवसाय-तत्पर अर्थव्यवस्था के रूप में मजबूत बनाते हैं।.

भारत के व्यावसायिक इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने वाले संस्थागत सुधार

भारत की सुधार-प्रेरित विकास रणनीति उद्यमिता को सुदृढ़ करने, वित्त तक पहुंच का विस्तार करने, विनियामक ढांचों का आधुनिकीकरण करने और व्यापार सुगमीकरण को सशक्त बनाने पर आधारित है। स्टार्टअप इंडिया, ऋण गारंटी योजनाओं, डिजिटल ऋण मूल्यांकन मॉडलों, बीमा क्षेत्र में व्यापक सुधारों तथा एकीकृत सीमा शुल्क प्रणालियों जैसी पहलों के माध्यम से सरकार एक अधिक पारदर्शी, प्रौद्योगिकी-सक्षम और निवेशक-अनुकूल इकोसिस्टम का निर्माण कर रही है।

ये सभी उपाय न केवल व्यवसाय करने में सुगमता (ईओडीबी) में सुधार करते हैं, बल्कि वित्तीय समावेशन को गहराई प्रदान करते हैं, नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं, एमएसएमई के विकास को गति देते हैं और भारत को एक प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यापार एवं निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करते हैं।

स्टार्ट-अप इंडिया

स्टार्टअप इंडिया पहल के अंतर्गत, पात्र कंपनियां उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) से स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त कर सकती हैं, जिससे उन्हें कर प्रोत्साहन, सरल अनुपालन प्रक्रियाओं, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के त्वरित निपटारे तथा अन्य विनियामक समर्थन सहित अनेक लाभ प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। यह पहल एक सुदृढ़ और समावेशी स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने का प्रयास करती है, जो नवाचार को प्रोत्साहित करे, सतत आर्थिक विकास को गति दे और देशभर में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न करे।

फरवरी 2026 तक 2.16 लाख से अधिक डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स के साथ, भारत विश्व के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक के रूप में सुदृढ़ स्थिति में है। वर्ष 2016 से प्रारंभ किए गए स्टार्टअप्स के लिए विनियामक सुधारों का उद्देश्य व्यवसाय करने में सुगमता को सुदृढ़ करना, पूंजी जुटाने की प्रक्रिया को सरल बनाना और स्टार्टअप इकोसिस्टम पर अनुपालन बोझ को कम करना है।

स्टार्टअप इंडिया से आगे बढ़ते हुए, अनेक पहलों ने तकनीकी नवाचार, ग्रामीण उद्यमिता, शैक्षणिक अनुसंधान और क्षेत्रीय समावेशन को प्रोत्साहित कर भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को और सुदृढ़ किया है। ये पहलें सुनिश्चित करती हैं कि स्टार्टअप समर्थन व्यापक, विकेंद्रीकृत और राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के साथ करीबी रूप से संबद्ध रहे।

ऋण गारंटी योजना

ऋण गारंटी योजनाएं एमएसएमई और स्टार्टअप्स को बिना जमानत अथवा तृतीय-पक्ष गारंटी के ऋण उपलब्ध कराकर व्यवसाय करने में सुगमता (ईओडीबी) को सुदृढ़ करती हैं। ये योजनाएं ऋणदाताओं के लिए जोखिम को कम करती हैं, जिससे उद्यमियों के लिए वित्त तक पहुंच आसान होती है, नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है और समग्र व्यावसायिक माहौल अधिक सरल और सुगम बनता है।

लक्षित योजनाएं:

- सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीटीएमएसई): सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) को 10 करोड़ रुपये तक की ऋण सहायता के लिए ऋण गारंटी उपलब्ध कराती है।
- स्टार्टअप्स के लिए ऋण गारंटी योजना (सीजीएसएस): स्टार्टअप्स को ऋण गारंटी प्रदान कर समर्थन देती है; संशोधित संरचना के तहत गारंटी सुविधा को सुदृढ़ किया गया है, जिसमें प्रति पात्र उधारकर्ता के लिए अधिकतम सीमा 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दी गई है।
- निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना (सीजीएसई): प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष एमएसएमई निर्यातक को 20,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त जमानत-मुक्त ऋण सहायता उपलब्ध कराती है।
- ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को सुगम और तीव्र बनाकर ये योजनाएं पूंजी तक पहुंच से जुड़े समय और लागत को भी कम करने में सहायक होती हैं।

ऋण आकलन मॉडल (सीएएम)

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने वर्ष 2025 में एमएसएमई के लिए डिजिटल फुटप्रिंट पर आधारित ऋण आकलन मॉडल (सीएएम) शुरू किया है। इस मॉडल का उद्देश्य डिजिटल रूप से प्राप्त और सत्यापन-योग्य डेटा का उपयोग कर एमएसएमई के लिए स्वचालित ऋण मूल्यांकन को सक्षम बनाना है, ताकि सभी ऋण आवेदनों के लिए वस्तुनिष्ठ निर्णय प्रक्रिया अपनाई जा सके तथा एमएसएमई के मौजूदा और नए बैंक दोनों प्रकार के उधारकर्ताओं के लिए मॉडल-आधारित ऋण सीमा का आकलन किया जा सके।

एमएसएमई के लिए व्यवसाय करने में सुगमता (ईओडीबी) में सुधार के साथ-साथ यह मॉडल ऋण गारंटी योजनाओं, जैसे सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए ऋण गारंटी कोष ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई), के साथ भी एकीकृत है। 1 अप्रैल से 30 नवंबर 2025 की अवधि के दौरान, सीएएम के ऋण कार्यक्रमों के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा 3.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक एमएसएमई ऋण आवेदन मिले हैं। इसमें 41.5 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि को स्वीकृति प्रदान की गई है।

सबका बीमा, सबकी रक्षा (बीमा संशोधन कानून) अधिनियम, 2025

सबका बीमा, सबकी रक्षा (बीमा संशोधन कानून) अधिनियम, 2025 के माध्यम से बीमा अधिनियम, 1938, भारतीय जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 तथा बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 में व्यापक संशोधन किए गए हैं। इसका उद्देश्य पॉलिसीधारकों की सुरक्षा को सुदृढ़ करना, बीमा प्रसार को गहराई देना, क्षेत्रीय विकास को गति प्रदान करना तथा व्यवसाय करने में सुगमता में उल्लेखनीय सुधार करना है।

एक प्रमुख सुधार के रूप में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे नए निवेशकों को आकर्षित करने, पूंजी की उपलब्धता बढ़ाने तथा व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए संरक्षण अंतर को कम करने की अपेक्षा है। यह अधिनियम निम्नलिखित उपायों के माध्यम से व्यवसाय करने में सुगमता को प्रोत्साहित करता है:

- बीमा मध्यस्थों के लिए एकमुश्त पंजीकरण, जिससे निर्बाध संचालन और बेहतर सेवा निरंतरता सुनिश्चित हो सके।
- शेयर अंतरण के लिए आईआरडीएआई की अनुमोदन सीमा को 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत करना, जिससे अनुपालन प्रक्रिया सरल हो सके।
- विदेशी पुनबीर्माकर्ताओं के लिए नेट ओन्ड फंड की आवश्यकता को 5,000 करोड़ रुपये से घटाकर 1000 करोड़ रुपये करना, जिससे भारत में पुनबीर्मा भागीदारी और क्षमता को प्रोत्साहन मिले।

व्यापार एवं निवेश सुगमता

सरकार ने भारत को एक प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यापार और निवेश गंतव्य के रूप में सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कार्गो प्रक्रियाओं को सुसंगत बनाने, सीमा शुल्क प्रणालियों का आधुनिकीकरण करने तथा निवेशकों की पहुंच को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। ये पहलें डिजिटल एकीकरण, त्वरित मंजूरी, प्रौद्योगिकी-आधारित जोखिम प्रबंधन तथा निवेश के विस्तारित अवसरों पर केंद्रित हैं, जिससे एक अधिक दक्ष, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल व्यापार इकोसिस्टम का निर्माण हो सके।

- कार्गो प्रक्रियाओं की मंजूरी के लिए एकल और परस्पर-संबद्ध डिजिटल विंडो।
- जिन वस्तुओं पर किसी प्रकार के नियम पालन की आवश्यकता नहीं है, उनके लिए आयातक द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण पूरा करने और शुल्क भुगतान के पश्चात सीमा शुल्क द्वारा तुरंत निकासी की जाएगी बशर्ते की शुल्क का भुगतान हो गया हो।
- सभी सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के लिए एकल, एकीकृत और स्केलेबल प्लेटफार्म के रूप में कस्टम्स इंटीग्रेटेड सिस्टम (सीआईएस) को दो वर्षों में लागू किया जाएगा।
- उन्नत इमेजिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी के साथ नन-इंट्रूसिव स्कैनिंग के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से विस्तारित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य सभी प्रमुख बंदरगाहों पर प्रत्येक कंटेनर की स्कैनिंग सुनिश्चित करना है।
- भारत के बाहर निवासी व्यक्तिगत व्यक्तियों (पीआरओआई) को पोर्टफोलियो निवेश योजना (पीआईएस) के माध्यम से सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों के इक्विटी साधनों में निवेश की अनुमति दी जाएगी। साथ ही, इस योजना के अंतर्गत एक व्यक्तिगत पीआरओआई के लिए निवेश सीमा को 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने तथा सभी व्यक्तिगत पीआरआईओ के लिए कुल निवेश सीमा को वर्तमान 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 24 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है।

व्यवसाय करने में सुगमता बढ़ाने के लिए विनियामक सुधार

समानांतर विनियामक सुधारों ने व्यवसाय करने में सुगमता को सुदृढ़ करने के उद्देश से क्षमता-निर्माण, विनियामक सामंजस्य और विश्वास तथा जवाबदेही पर आधारित शासन मॉडल को प्राथमिकता दी है। हालिया उपाय वित्तीय बाजारों, कराधान, श्रम विनियमन, दिवाला समाधान, सीमा शुल्क प्रशासन, गुणवत्ता मानकों और अनुपालन सरलीकरण जैसे विभिन्न क्षेत्रों को समाहित करते हैं। कानूनों के एकीकरण, लघु अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने, प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण और पारदर्शिता को सुदृढ़ करने के माध्यम से ये सुधार नियामकीय अवरोधों को कम करते हुए जवाबदेही को बनाए रखते हैं। ये समन्वित कदम विनियामक निश्चितता को मजबूत करते हैं, प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करते हैं और एक अधिक दक्ष तथा सुदृढ़ व्यावसायिक माहौल को बढ़ावा देते हैं।

आरबीआई के वृहत निर्देश

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने विनियामक ढांचे को सरल और सुव्यवस्थित करते हुए 9,000 से अधिक परिपत्रों और दिशानिर्देशों को एकीकृत कर विभिन्न श्रेणियों की विनियमित संस्थाओं के लिए कार्य-विशिष्ट 238 वृहत निर्देशों में परिवर्तित किया है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (एनएबीआरडी) के साथ समन्वय करते हुए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों को जारी निर्देशों को भी अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एकीकृत और सरल बनाया गया है।

पहुंच को सुदृढ़ करने और अनुपालन बोझ को कम करने के उद्देश्य से कुल 9,446 परिपत्र निरस्त किए जा रहे हैं, 3,809 को वृहत परिपत्रों में समाहित किया गया है और 5,673 को बेकार के रूप में चिन्हित किया गया है। यह प्रक्रिया स्पष्टता को बढ़ाती है और व्यवसाय करने में सुगमता को सुदृढ़ करती है।

नियमों को सरल बनाने और पारदर्शिता में सुधार की दिशा में सेबी की पहल

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने व्यवसाय करने में सुगमता (ईओडीबी) को सुदृढ़ करने और पूंजी बाजारों को गहराई प्रदान करने के उद्देश्य से, विनियामक आवश्यकताओं को सरल बनाने और पारदर्शिता को मजबूत करने के लिए विभिन्न उपाय प्रस्तुत किए हैं। इसने प्रतिभूतिकृत ऋण साधनों (एसडीआई) के निर्गम और सूचीबद्धता से संबंधित दिशानिर्देशों को भारतीय रिजर्व बैंक के मानक परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण संबंधी मानकों के अनुरूप समायोजित किया है, जिससे व्यापक विनियामक सामंजस्य, सुगम अनुपालन और निर्गमकर्ताओं के लिए स्पष्ट प्रक्रियाएं सुनिश्चित होती हैं।

पेनाल्टी एवं अभियोजन को सुसंगत बनाना

अनुपालन संबंधी दबाव को कम करने के उद्देश्य से सरकार ने पेनाल्टी को सुसंगत बनाने, लघु चूकों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने तथा मूल्यांकन और अभियोजन ढांचे को सरल बनाने के लिए कई उपाय किए हैं, जिससे कर प्रणाली अधिक पारदर्शी, अनुमान-योग्य और व्यवसाय-अनुकूल बन सके।

- एकीकृत मूल्यांकन एवं पेनाल्टी आदेश में अपील के दौरान पेनाल्टी पर कोई ब्याज देय नहीं; पूर्व-जमा 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत (मूल कर मांग पर) किया गया।
- पुनर्मूल्यांकन के बाद भी अद्यतन रिटर्न दाखिल करने की अनुमति, अतिरिक्त 10 प्रतिशत कर के साथ।
- पूर्ण कर और ब्याज के भुगतान पर, कम-रिपोर्टिंग से आगे बढ़ाकर गलत-रिपोर्टिंग के मामलों तक पेनाल्टी एवं अभियोजन से संरक्षण का विस्तार।
- खाताबही प्रस्तुत न करने तथा वस्तु के रूप में किए गए भुगतानों पर टीडीएस से संबंधित प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना; लघु अपराधों पर केवल जुमार्ना।
- तकनीकी पेनाल्टी को सुसंगत बनाकर उन्हें शुल्क के रूप में परिवर्तित किया गया।
- आनुपातिक अभियोजन संरचना, जिसमें अधिकतम 2 वर्ष के साधारण कारावास का प्रावधान, जिसे जुमार्ने में परिवर्तित किया जा सकता है।
- 20 लाख रुपये से कम मूल्य की विदेशी परिसंपत्तियों का खुलासा नहीं करने पर पूर्वप्रभावी संरक्षण (1.10.2024 से प्रभावी)

विश्वास-आधारित तंत्र

व्यवसाय करने में सुगमता (ईओडीबी) को सुदृढ़ करने के लिए सरकार का ध्यान विश्वास-आधारित सीमा शुल्क तंत्र प्रदान करने पर केंद्रित है। इस संदर्भ में, केंद्रीय बजट 2026झ27 में टियर 2 और टियर 3 अधिकृत आर्थिक ऑपरेटरों (एईओ) के लिए शुल्क स्थगन अवधि को 15 दिनों से बढ़ाकर 30 दिन करने का प्रस्ताव किया गया है, ताकि गोदी से गोदाम तक बेहतर पारगमन सुनिश्चित हो सके और जस्ट-इन-टाइम विनिर्माण को सुविधा मिल सके। शुल्क स्थगन अवधि में यह वृद्धि आयातित वस्तुओं पर सीमा शुल्क या आयात शुल्क का भुगतान तुरंत करने के बजाय निर्धारित अवधि के भीतर बाद में करने की अनुमति प्रदान करती है।

स्थगित शुल्क भुगतान एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अंतर्गत शुल्क भुगतान और सीमा शुल्क निकासी को अलग कर दिया जाता है। यह ह्यपहले प्रक्रिया पूर्तिझबाद में भुगतानह्न के सिद्धांत पर आधारित है। इसका उद्देश्य गोदी से गोदाम तक निर्बाध पारगमन सुनिश्चित करना है, ताकि जस्ट-इन-टाइम विनिर्माण को सुविधा मिल सके। अधिकृत आर्थिक परिचालक (एईओ) वह व्यावसायिक इकाई है जो वस्तुओं की अंतरराष्ट्रीय आवाजाही में संलग्न होता है और जिसे राष्ट्रीय सीमा शुल्क कानून के प्रावधानों के अनुपालन की आवश्यकता होती है। इसे राष्ट्रीय प्रशासन द्वारा या उसकी ओर से विश्व सीमा शुल्क संगठन (डबल्यूसीओ) अथवा समकक्ष आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा मानकों के अनुरूप अनुमोदित किया जाता है।

अन्य प्रस्तावों में शामिल हैं-

- पात्र विनिर्माता-आयातकों को समान शुल्क स्थगन सुविधा प्रदान करना। इससे उन्हें समय के साथ पूर्ण रूप से टियर 3-एईओ के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।
- अधिक निश्चितता और बेहतर व्यावसायिक योजना के लिए, सीमा शुल्क पर बाध्यकारी अग्रिम निर्णय की वैधता अवधि को वर्तमान 3 वर्षों से बढ़ाकर 5 वर्ष करना।
- एईओ मान्यता के आधार पर माल निकासी में वरीयता प्रदान करना।
- जोखिम प्रणालियों में विश्वसनीय आयातकों की पहचान, जिससे सत्यापन न्यूनतम हो; साथ ही इलेक्ट्रॉनिक रूप से सीलबंद निर्यात माल को कारखाने से जहाज तक सीधे निकासी की अनुमति।
- अनुपालन-रहित वस्तुओं के लिए, विश्वसनीय आयातकों की फाइलिंग से सीमा शुल्क को स्वत: सूचना प्राप्त होगी, जिससे आगमन पर तत्काल रिहाई संभव होगी।
- सीमा शुल्क गोदाम ढांचे को ऑपरेटर-केंद्रित प्रणाली में परिवर्तित करना, जिसमें स्व-घोषणाएं, इलेक्ट्रॉनिक ट्रैकिंग और जोखिम-आधारित ऑडिट शामिल हों, ताकि विलंब और अनुपालन लागत में कमी लाई जा सके।

जन विश्वास कानून

सरकार ने विश्वास-आधारित विनियामक ढाँचे को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई छोटे मोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2023 के माध्यम से 42 अधिनियमों की 183 धाराओं को अपराध की श्रेणी से हटाया गया, जिससे लघु और तकनीकी उल्लंघनों के लिए आपराधिक दायित्व में कमी आई।

इन प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2025, जिसमें 355 प्रावधान शामिल हैं उसने व्यवसाय करने में सुगमता(ईओडीबी) को प्रोत्साहित करने के लिए 288 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का संबंधी संशोधन का प्रस्ताव किया। इनके अलावा 67 प्रावधान ऐसे जोड़े गये जिनका उद्देश्य जीवन की सुगमता को बढ़ाना है। यह ह्नन्यूनतम सरकार, अधिकतम शासनह्न के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है और सतत आर्थिक विकास तथा व्यवसाय करने की सुगमता में सुधार को प्रोत्साहित करने की दिशा में अग्रसर है।

दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता(आईबीसी), 2016

दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) ने वित्तीय रूप से संकटग्रस्त कंपनियों के समयबद्ध समाधान को सक्षम बनाकर तथा ऋणदाताओं के लिए वसूली में सुधार कर भारत के दिवाला ढांचे को उल्लेखनीय रूप से परिवर्तित किया है। कॉरपोरेट पुनर्जीवन या परिसमापन के लिए एक स्पष्ट, संरचित और समय-सीमित प्रक्रिया स्थापित कर इसने पारदर्शिता को बढ़ाया है, ऋणदाताओं के विश्वास को सुदृढ़ किया है और एक अधिक पूवार्नुमान-योग्य व्यावसायिक वातावरण को प्रोत्साहित किया है।

आईबीसी का मुख्य उद्देश्य संकटग्रस्त कॉरपोरेट देनदारों (सीडी) को पुनर्जीवित करना है। स्थापना से लेकर सितंबर 2025 तक कुल 3,865 कॉरपोरेट देनदारों का समाधान किया गया है- जिनमें से 1,300 का समाधान प्रस्तावित समाधान योजनाओं के माध्यम से, 1,342 का अपील, पुनरीक्षण या समझौते के माध्यम से तथा 1,223 का वापसी के माध्यम से हुआ। 30 सितंबर 2025 तक समाधान योजनाओं के अंतर्गत ऋणदाताओं ने 3.99 लाख करोड़ रुपये की वसूली की है। यह परिसमापन मूल्य का लगभग 170 प्रतिशत तथा उचित मूल्य का लगभग 94 प्रतिशत (1,177 मामलों के आधार पर) है। समग्र रूप से, ऋणदाताओं ने अपने स्वीकृत दावों का 32 प्रतिशत से अधिक वसूल किया है।

संपत्तियों के मूल्य को अधिकतम करके, उद्यमिता को प्रोत्साहन देकर, ऋण की उपलब्धता को सुदृढ़ करके तथा सभी हितधारकों के हितों में संतुलन स्थापित कर इस संहिता ने समग्र ऋण इकोसिस्टम को मजबूत किया है और देश में व्यावसायिक विश्वास को बढ़ाया है।

सेक्यूरिटी मार्केट्स कोड 2025 (एसएमसी)

एसएमसी कोड, 2025 प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, सेबी अधिनियम, 1992 तथा डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 का स्थान लेता है, और इस प्रकार भारत के प्रतिभूति बाजारों को संचालित करने वाले असमान कानूनों का एकीकरण करता है। इसमें बोर्ड संरचना, स्वतंत्रता, हितों के टकराव का प्रबंधन, पारदर्शिता, विनियामक सैंडबॉक्सिंग, निवेशक संरक्षण, बाजार अवसंरचना संस्थानों का शासन तथा व्यवसाय करने में सुगमता (ईओडीबी) जैसे विषयों को समाहित किया गया है।

गुणवत्ता नियंत्रण आदेश

विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) भारत के गुणवत्ता इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनका कार्यान्वयन उपभोक्ता सुरक्षा को बढ़ाने, निम्न-स्तरीय उत्पादों के प्रसार पर अंकुश लगाने, निवेश आकर्षित करने तथा दुर्घटनाओं और जनहानि के जोखिम को कम करने के लिए सुदृढ़ गुणवत्ता मानकों को लागू कर वैश्विक विनिर्माण में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने की महत्वाकांक्षा का समर्थन करता है। क्यूसीओ उत्पाद दोषों और खराबियों का प्रारंभिक स्थिति में पता लगाने में भी सहायक हैं, जिससे विश्वसनीयता में सुधार और अधिक सुसंगत लागत के माध्यम से निमार्ता और उपभोक्ता दोनों को लाभ होता है।

अनुपालन बोझ को न्यूनतम रखने और विशेषकर एमएसएमई के लिए व्यवसाय करने में सुगमता को समर्थन देने के लिए, निर्माण तथा कार्यान्वयन-दोनों चरणों में उद्योग निकायों, क्षेत्रीय संघों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श किया जाता है।

हाल के वर्षों में भारत ने अपने अनिवार्य गुणवत्ता आश्वासन ढांचे का उल्लेखनीय विस्तार किया है। 31 दिसंबर 2025 तक 723 उत्पादों को कवर करने वाले 143 क्यूसीओ अधिसूचित किए जा चुके हैं-जो 2019 में 214 उत्पादों के कवरेज की तुलना में तीन गुना से अधिक वृद्धि को दशार्ता है। यह संतुलित दृष्टिकोण विनियामक दक्षता और व्यावसायिक सुगमता के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए गुणवत्ता मानकों को सुदृढ़ करता है।

विनियामक अनुपालन बोझ (आरसीबी) पहल

वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई विनियामक अनुपालन बोझ (आरसीबी) पहल का उद्देश्य केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों तथा राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा व्यापक स्व-समीक्षा के माध्यम से व्यवसायों और नागरिकों पर पड़ने वाले विनियामक दबाव को कम करना है। पिछले पाँच वर्षों में 47,000 से अधिक नियमों को समाप्त या कम किया गया है।.

इसके अतिरिक्त, विस्तारित फ्छइ+ पहल के अंतर्गत 23 राज्य-कार्यान्वित अधिनियमों में पहचाने गए 6,262 नियमों में से 4,846 को पहले ही समाप्त या कम किया जा चुका है, जिससे विनियामक सरलीकरण की प्रक्रिया को और गति मिली है।

न्यूनतम वैकल्पिक कर (एमएटी)

न्यूनतम वैकल्पिक कर (एमएटी) भारत में व्यवसाय करने में सुगमता को सुदृढ़ करते हुए एक न्यायसंगत और पारदर्शी कर संरचना सुनिश्चित करता है, जिसके अंतर्गत लाभकारी कंपनियों को न्यूनतम कर का भुगतान करना अनिवार्य है। हाल ही में, केंद्रीय बजट 2026झ27 में एमएटी के ढांचे के अंतर्गत महत्वपूर्ण तार्किक उपाय प्रस्तावित किए गए हैं। अनुमानित कराधान का विकल्प चुनने वाले अनिवासियों को एमएटी के दायरे से बाहर रखने का प्रस्ताव है, जिससे अनुपालन बोझ कम होगा और कर-निश्चितता बढ़ेगी। बायबैक कराधान को सुव्यवस्थित करते हुए सभी शेयरधारकों के हाथों में बायबैक को पूंजीगत लाभ के रूप में कराधान के दायरे में लाने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, नई कर व्यवस्था में उपलब्ध एमएटी ऋण के समायोजन को कर देयता के एक-चौथाई तक अनुमति देने का प्रस्ताव है। साथ ही, एमएटी को अंतिम कर के रूप में मानने तथा इसकी दर को 15 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है, ताकि राजस्व स्थिरता बनाए रखते हुए कर संरचना को सरल बनाया जा सके।

मुख्य बातें

- भारत में व्यवसाय पंजीकरण 2020-21 में 1.55 लाख से बढ़कर 2025-26 में 1.98 लाख हो गए, जो लगभग 27 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ता है (3 फरवरी 2026 तक)।
- केंद्रीय बजट 2026-27 डिजिटल व्यापार सुगमता, कर-निश्चितता, नियमों और वाद-विवाद में कमी, विश्वास-आधारित सीमा शुल्क प्रणाली तथा निवेश-अनुकूल कर व्यवस्था जैसे विभिन्न प्रस्तावित उपायों के माध्यम से भारत में व्यवसाय करने में सुगमता संबंधी इकोसिस्टम को और सुदृढ़ कर रहा है।
- स्टार्ट-अप इंडिया, ऋण गारंटी योजना, डिजिटल ऋण मूल्यांकन मॉडल आदि जैसे संस्थागत सुधार एक पारदर्शी, प्रौद्योगिकी-सक्षम और निवेशक-अनुकूल इकोसिस्टम का निर्माण कर रहे हैं।
- समानांतर विनियामक सुधार जैसे जन विश्वास कानून, आईबीसी, एमएटी आदि क्षमता-निर्माण, विनियामक सामंजस्य तथा विश्वास और जवाबदेही पर आधारित शासन मॉडल को प्राथमिकता दे रहे हैं।

श्रम सुधार

29 केंद्रीय श्रम कानूनों का चार श्रम संहिताओं में एकीकरण ने अनुपालन को सरल बनाकर, मंजूरी समय सीमा को कम करके और विशेष रूप से एमएसएमई के लिए अधिक परिचालन लचीलापन प्रदान कर व्यवसाय करने में सुगमता (ईओडीबी) को उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ किया है।

- संहिताओं में कारखाने के निर्माण या विस्तार के लिए अनुमति प्रदान करने की समयसीमा 30 दिन निर्धारित की गई है तथा कुल मंजूरी अवधि को 90 दिनों से घटाकर 30 दिन कर दिया गया है।
- इनमें ठेका श्रम मानदंडों को सरल बनाते हुए 50 से कम श्रमिकों को नियोजित करने वाले ठेकेदारों को लाइसेंस से छूट दी गई है, तथा इलेक्ट्रॉनिक एकल पंजीकरण, एकल रिटर्न और पांच वर्ष के लिए वैध अखिल भारतीय एकल लाइसेंस की व्यवस्था की गई है, जिसमें अनुमोदन स्वत: स्वीकृत माने जाएंगे।
- संहिताओं ने छह मौजूदा बोर्डों के स्थान पर एक एकल राष्ट्रीय त्रिपक्षीय बोर्ड की स्थापना की है, अपराधों के समायोजन को श्रेणीबद्ध मौद्रिक दंड के माध्यम से सक्षम किया है, आपराधिक दंडों को दीवानी दंडों से प्रतिस्थापित किया है तथा विधिक कार्रवाई से पूर्व अनुपालन हेतु 30 दिन की नोटिस अवधि अनिवार्य की है।
- इनमें छंटनी, पुनर्नियोजन, बंदीकरण तथा स्थायी आदेशों के लिए सीमा को 300 श्रमिकों तक बढ़ाया गया है, जिससे प्रतिष्ठानों को पूर्व अनुमति के बिना अधिक परिचालन लचीलापन प्राप्त होता है।

जीएसटी 2.0

सितंबर 2025 में लागू किए गए जीएसटी सुधारों ने कर दरों को सरल बनाकर और प्रमुख क्षेत्रों में दरों में कमी करते हुए व्यवसाय करने में सुगमता (ईओडीबी) को सुदृढ़ किया है जिससे कर भार घटता है और मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होता है। सरल दो-दर संरचना की दिशा में यह कदम अनुपालन और लेन-देन लागत को कम करता है, जबकि दरों के सुसंगत बनाने से किफायत बढ़ती है और उद्यमिता को प्रोत्साहन मिलता है।

इसका प्रभाव कर आधार के विस्तार में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहां पंजीकृत करदाताओं की संख्या 2017 में लगभग 60 लाख से बढ़कर जनवरी 2026 में 1.6 करोड़ से अधिक हो गई है जो अर्थव्यवस्था के ज्यादा औपचारिक होने का संकेत है। इसके अतिरिक्त, श्रम-प्रधान और कृषि-आधारित इनपुट क्षेत्रों जैसे वस्त्र और उर्वरक में उल्टे शुल्क ढांचे के सुधार से लागत और कार्यशील पूंजी पर दबाव कम हुआ है, जिससे व्यावसायिक संचालन अधिक सुगम हुआ है।

निष्कर्ष

भारत का एक वैश्विक व्यावसायिक महाशक्ति के रूप में उभरना कराधान, विनियमन, वित्त, श्रम, व्यापार और निवेश जैसे क्षेत्रों में स्थायी एवं संरचनात्मक सुधारों पर आधारित है। नियमों के अनुपालन को सुसंगत बनाने और विश्वास-आधारित शासन से लेकर डिजिटल व्यापार प्रणालियों तथा स्टार्टअप समर्थन तक, सुधारों की यह निरंतर गति एक पारदर्शी, पूवार्नुमान-योग्य और विकासोन्मुखी इकोसिस्टम को प्रतिबिंबित करती है।

उद्यम पंजीकरण में वृद्धि, सुदृढ़ व्यावसायिक भावना, औपचारिककरण का विस्तार और ऋण तक बेहतर पहुंच उद्योग तथा निवेशकों के विश्वास को रेखांकित करते हैं। जैसे-जैसे भारत वैश्विक वैल्यू चेन्स के साथ अपने एकीकरण को गहरा कर रहा है और अपने नीतिगत ढांचे को सुदृढ़ कर रहा है, वह केवल व्यवसाय करने में सुगमता (ईओडीबी) को ही नहीं सुदृढ़ कर रहा, बल्कि एक सुदृढ़, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तत्पर आर्थिक परिदृश्य का निर्माण भी कर रहा है।

मशहूर हस्तियों की मौजूदगी में हुई अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक की शादी

एजेंसी

मुंबई। भारत रत्न और मशहूर क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी मशहूर हस्तियों की मौजूदगी में गुरुवार को मुंबई में सानिया चंडोक के साथ हो गई। शादी समारोह के बाद फिल्म जगत के सुपरस्टार अमिताभ बच्चन पत्नी जया बच्चन के साथ उपस्थित थे।

अर्जुन और सानिया की शादी से जुड़ीं रस्में पिछले कुछ दिनों से शुरू हो गई थीं। हल्दी सेरेमनी और मेहंदी सेरेमनी बड़ी धूमधाम से हुई थी। आज दोपहर में करीब 12.45 बजे अर्जुन-सानिया परिणय सूत्र में बंध गए। इस मौके पर सचिन तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि तेंदुलकर पास में खड़े थे। सचिन ने सिल्वर शेरवानी पहनी हुई थी, जबकि अंजलि ने गुलाबी साड़ी पहनी हुई थी। दोनों बहुत खुश लग रहे थे।

अर्जुन और सानिया ने एक-दूसरे को माला पहनाई। बाद में उन पर फूल बरसाए गए। इस शादी समारोह में खिलाडियों से लेकर नेताओं तक वर्ली के फाइव स्टार होटल में शामिल हुए। इस शादी की रस्मों में अजिंक्य रहाणे, अनिल कुंबले, अजीत अगरकर, सुप्रिया सुले, राज ठाकरे, सुनील गावस्कर, शंकर महादेवन, फरहान अख्तर, युवराज सिंह, शायना एनसी, जहीर खान, महेंद्र सिंह धोनी, आशीष नेहरा, श्रेयस अय्यर, इरफान पठान, शाहरुख खान भी मौजूद थे। इस सेरेमनी में कई सेलिब्रिटीज ने कैमरे के सामने पोज दिए।

प्रधानमंत्री मोदी 8 मार्च को दिल्ली मेट्रो की नई लाइनों का करेंगे उद्घाटन व शिलान्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आठ मार्च को दिल्ली में मेट्रो की दो नई लाइनों का उद्घाटन करेंगे और तीन नए कॉरिडोर का शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं की कुल लागत 18,300 करोड़ रुपये से अधिक है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि इस अवसर पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉपोरेशन के दो नए कॉरिडोर मजलिस पार्क से मौजपुर-बाबरपुर (पिंक लाइन) और दीपाली चौक से मजलिस पार्क (मैजेंटा लाइन) का उद्घाटन किया जाएगा। इसके साथ ही मेट्रो के फेज-5 (ए) के अंतर्गत तीन नए कॉरिडोर का शिलान्यास भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से राजधानी में सार्वजनिक परिवहन को और मजबूत बनाने के साथ ही यातायात दबाव और प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी। यह कार्यक्रम दिल्ली के डीडीए उत्सव स्थल-3 (निरंकारी मंडल के सामने) में आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मजलिस पार्क से मौजपुर-बाबरपुर तक 12.3 किलोमीटर लंबे सेक्शन में आठ एलिवेटेड स्टेशन होंगे। इसके शुरू होने से पिंक लाइन की कुल लंबाई लगभग 71.56 किलोमीटर हो जाएगी और दिल्ली को देश की पहली पूर्ण रूप से संचालित रिंग मेट्रो मिलेगी।

इसी तरह दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक लगभग 9.92 किलोमीटर लंबे मैजेंटा लाइन विस्तार में सात एलिवेटेड स्टेशन होंगे। इसके जुड़ने से मैजेंटा लाइन की कुल लंबाई करीब 49 किलोमीटर हो जाएगी।

मुख्यमंत्री के अनुसार इन कॉरिडोरों के निर्माण में कई महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग उपलब्धियां भी हासिल की गई हैं। दीपाली चौक-मजलिस पार्क कॉरिडोर का एक हिस्सा लगभग 28.36 मीटर की ऊंचाई तक जाता है, जो दिल्ली मेट्रो के सबसे ऊंचे एलिवेटेड सेक्शनों में से एक है। वहीं मजलिस पार्क-मौजपुर बाबरपुर कॉरिडोर के निर्माण के दौरान यमुना नदी पर एक नया पुल भी बनाया गया है और डबल-डेकर वायडक्ट तैयार किया गया है, जिसमें मेट्रो ट्रैक और सड़क फ्लाईओवर दोनों शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मेट्रो फेज-5 (ए) के तहत तीन नए कॉरिडोर का शिलान्यास भी करेंगे। इनमें रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर, एरोसिटी से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा टर्मिनल-1 तक गोल्डन लाइन विस्तार तथा तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक गोल्डन लाइन विस्तार शामिल हैं।

रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक करीब 9.9 किलोमीटर लंबा सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर पूरी तरह भूमिगत होगा और इसमें नौ नए स्टेशन बनाए जाएंगे। यह कॉरिडोर इंडिया गेट, भारत मंडपम और केंद्रीय प्रशासनिक क्षेत्रों को मेट्रो कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों को भी लाभ मिलेगा। फरीदाबाद और बल्लभगढ़ के यात्री वायलेट लाइन के माध्यम से तुगलकाबाद पहुंचकर गोल्डन लाइन से सीधे एयरपोर्ट तक यात्रा कर सकेंगे, जबकि नोएडा के यात्रियों को भी दक्षिण दिल्ली और एयरपोर्ट तक बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

धनबाद मंडल के सोनारडीह स्थित रेलवे फाटक 7 से 10 मार्च रात 10-5 बजे तक बंद रहेगी

धनबाद: रेल संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ट्रेनों की सुरक्षित एवं सुचारु आवाजाही से सम्बंधित कार्य हेतु सोनारडीह स्थित रेलवे फाटक संख्या-7/एसपीएल/3टी पर सड़क यातायात को अस्थायी रूप से बंद रखा जाएगा। यह कार्य दिनांक 07.03.26 एवं 10.03.26 को निर्धारित किया गया है। दोनों तिथियों को रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 05:00 बजे तक उक्त रेलवे फाटक से किसी भी प्रकार का सड़क आवागमन संभव नहीं होगा। रेल प्रशासन आम जनता, स्थानीय निवासियों, व्यवसायियों तथा वाहन चालकों से विनम्र अनुरोध करता है कि वे निर्धारित तिथि एवं समयावधि के दौरान वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। साथ ही, अनावश्यक असुविधा से बचने हेतु अपनी यात्रा की पूर्व योजना सुनिश्चित करें तथा यातायात संबंधी निदेशों एवं संकेतकों का पालन करें। जनसहयोग से ही रेल संरक्षा संबंधी कार्यों को समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सकता है। रेल प्रशासन आपके सहयोग के लिए आभारी है।

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में 5 लाख का इनामी नक्सली राजेश पुनेम ढेर

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ राज्य के दंतेवाड़ा जिले के थाना गीदम क्षेत्र अंतर्गत गुमलनार, गिरसापारा और नेलगोड़ा के बीच जंगली और पहाड़ी क्षेत्र में मुठभेड़ में पांच लाख रुपये का इनामी नक्सली मुठभेड़ में मारा गया। मौके से एक एसएलआर, एक इंसास रायफल एवं एक पिस्टल सहित बड़ी मात्रा कारतूस और नक्सल सामग्री बरामद किया गया है। दरअसल, जंगल में नक्सली गतिविधियों की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा के निर्देश पर उप पुलिस अधीक्षक (नक्सल ऑप्स) राहुल कुमार उयके के नेतृत्व में डीआरजी एवं बस्तर फाइटर्स के जवानों का एक दल रवाना किया गया था। 3 मार्च को रात लगभग 9 बजे सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हो गई। मुठभेड़ के बादजवानों ने अगले दिन जंगल में सर्च अभियान चलाया। सर्चिंग के दौरान मुठभेड़ स्थल से एक पुरुष सशस्त्र नक्सली का शव मिला। वहीं मौके से एक एसएलआर, एक इंसास रायफल एवं एक पिस्टल सहित बड़ी मात्रा खालीकारतूस और नक्सल सामग्री बरामद हुई है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने गुरूवार को मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ स्थल से बरामद पुरूष नक्सली के शव की पहचान राजेश पुनेम एसीएम, भैरमगढ़ एरिया कमेटी के सदस्य निवासी ग्राम बुरजी, थाना गंगालूर, जिला बीजापुर के रूप में की गई है। राजेश पुनेम पर पांच लाख रुपये का इनामी था।

नेपाल चुनाव: शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ नेपाल में मतदान

काठमांडू। नेपाल में जेनरेशन-जेड के आंदोलन के बाद आयोजित देश के पहले आम चुनाव का मतदान गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। छिटपुट घटनाओं को छोड़कर, देशभर में प्रतिनिधि सभा के सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। समाचार पत्र कांतिपुर के अनुसार, चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मतदान सुबह सात बजे शुरू होकर शाम पांच बजे खत्म हुआ। चुनाव आयोग आयुक्त डॉ. जानकी कुमारी तुलधर ने कहा कि भले ही मतदान का समय शाम पांच बजे तक है, लेकिन मतदान केन्द्र पर कतार में लगे मतदाता उसके बाद भी मतदान कर सकते हैं। आयोग के अनुसार, अभी तक किसी भी मतदान केन्द्र पर मतदान स्थगित करने की कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गयी है। दोलखा, सरलाही और रौतहट में विवाद कुछ समय के लिए सुलझ गया था। दोलखा के तमाकोशी-4 स्थित मालू मतदान केन्द्र पर मतदान कुछ समय के लिए स्थगित होने के बाद भी जारी है। आयोग ने कहा है कि मतदान के विवरण की जानकारी देने के लिए गुरुवार शाम 6:15 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जायेगी। प्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली में 65 राजनीतिक दल 61 चुनाव चिह्नों पर चुनाव लड़ रहे हैं। प्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली में 3,406 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 3,017 पुरुष, 388 महिलाएं और एक अन्य उम्मीदवार शामिल हैं। आनुपातिक चुनाव प्रणाली में 3,135 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 1,363 पुरुष और 1,772 महिलाएं शामिल हैं। प्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली में 165 निर्वाचन क्षेत्रों और आनुपातिक चुनाव प्रणाली में 110 सीटों के लिए चुनाव हुए। इस चुनाव में 1.89 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 90 लाख से ज्यादा पुरुष और 92 लाख से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। चुनाव में 1.86 लाख अनंतिम मतदाता भी हैं। इस चुनाव के लिए देशभर में 10,967 मतदान केंद्रों में 23,112 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए थे। 143 अस्थायी मतदान केंद्र भी बनाए गए थे। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, विकलांग व्यक्तियों और गर्भवती महिलाओं को सुगम मतदान के लिए प्राथमिकता देने की व्यवस्था की गयी थी। चुनाव सुरक्षा के लिए 79,727 नेपाल सेना, 75,797 नेपाल पुलिस, 34,567 सशस्त्र पुलिस बल, 1,921 राष्ट्रीय जांच एजेंसी और 149,090 चुनाव पुलिस बल तैनात किये गये थे। इस बीच, नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने देश में हो रहे संसदीय चुनाव पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन किया है। हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार श्रीमती कार्की ने काठमांडू के चुनाव क्षेत्र-5 में धापासी निम्न माध्यमिक विद्यालय फियामलचुली के मतदान केन्द्र पर वोट डाला। उन्होंने बाद में संवाददाताओं से बातचीत में चुनाव के उत्साहपूर्ण संचालन को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने अपने नेतृत्व को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, मैंने अपना कर्तव्य पूरा किया है। देश में चुनाव हो रहे हैं और मैं बहुत खुश हूं।

भारत-फिनलैंड डिजिटल और सस्टेनेबिलिटी में रणनीतिक साझेदारी को देंगे नई गति : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ वार्ता के बाद कहा कि भारत और फिनलैंड डिजिटलाइजेशन और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्रों में अपने संबंधों को एक नई रणनीतिक साझेदारी का रूप दे रहे हैं, जिससे उच्च प्रौद्योगिकी और नवाचार के अनेक क्षेत्रों में सहयोग को गति मिलेगी।

हैदराबाद हाउस में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति स्टब के भारत के पहले दौरे का स्वागत करते हुए कहा कि वह न केवल एक वैश्विक नेता हैं बल्कि एक प्रतिष्ठित विचारक और लेखक भी हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष आयोजित रायसीना डायलॉग में मुख्य अतिथि के रूप में उनकी उपस्थिति भारत के लिए सम्मान और प्रसन्नता की बात है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक कई क्षेत्रों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। ऐसे वैश्विक माहौल में भारत और यूरोप जैसे दो बड़े कूटनीतिक साझेदारों के बीच संबंधों का नया दौर वैश्विक स्थिरता, विकास और साझा समृद्धि को मजबूत आधार प्रदान कर रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 की शुरूआत में भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग को और मजबूती मिलेगी।

मोदी ने कहा कि भारत और फिनलैंड डिजिटल प्रौद्योगिकी, अवसंरचना और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि फिनलैंड की कंपनी नोकिया के मोबाइल फोन और दूरसंचार नेटवर्क ने करोड़ों भारतीयों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि फिनलैंड के वास्तुकारों के सहयोग से चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाया गया है। इसके साथ ही दोनों देशों के सहयोग से असम के नुमालीगढ़ में दुनिया की सबसे बड़ी बांस आधारित बायोएथेनॉल रिफाइनरी की स्थापना भी की गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति स्टब की यात्रा के दौरान भारत और फिनलैंड ने अपने संबंधों को डिजिटलाइजेशन और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। यह साझेदारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 6जी दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग को नई ऊर्जा देगी।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिज जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में भी दोनों देशों की साझेदारी को और गहरा किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और फिनलैंड जैसे लोकतांत्रिक और जिम्मेदार देशों के बीच यह रणनीतिक साझेदारी विश्व के लिए भरोसेमंद प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने में सहायक होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि फिनलैंड भारतीय छात्रों और प्रतिभाओं के लिए तेजी से एक पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण माइग्रेशन और मोबिलिटी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे संयुक्त अनुसंधान और स्टार्टअप सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि फिनलैंड शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श माना जाता है और दोनों देशों ने शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूल-से-स्कूल साझेदारी और शिक्षा के भविष्य पर अनुसंधान सहयोग को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। इससे स्कूल से लेकर उद्योग तक मानव संसाधन विकास के हर स्तर पर सहयोग को और मजबूत किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नॉर्डिक क्षेत्र में फिनलैंड भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और दोनों देश आर्कटिक तथा ध्रुवीय अनुसंधान के क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ ग्रह दोनों देशों की साझा प्राथमिकता है और इस वर्ष फिनलैंड के सहयोग से भारत में वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम का आयोजन किया जाएगा, जिससे सस्टेनेबिलिटी के प्रयासों को नई गति और नए विचार मिलेंगे।

वियतनाम और जापान के लिए सीधी नई उड़ानें शुरू करेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली। टाटा समूह की अगुवाई वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया ने वियतनाम और जापान के लिए अपनी नई उड़ानें शुरू करने का ऐलान किया है। इसके तहत कंपनी अपने नेटवर्क विस्तार के तहत वियतनाम के हनोई और टोक्यो के हनेडा के लिए नॉन स्टॉप सर्विस को जोड़ेगी। कंपनी ने बताया कि एयर इंडिया 01 मई से दिल्ली से वियतनाम के हनोई के लिए और 15 जून से मुंबई से टोक्यो के हानेडा के लिए अपनी सीधी उड़ानें शुरू करने वाली है। एयर इंडिया ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, मरीन ड्राइव के सनसेट से लेकर शिबुया की रौनक भरी रातों तक जापान अब पहले से कहीं ज्यादा करीब है। हम 15 जून से मुंबई और टोक्यो हानेडा के बीच हफ़्ते में ४७ नॉन-स्टॉप फ्लाइट की शुरूआत कर रहे हैं, जिससे यात्रियों के लिए जापान के कल्चर, एनर्जी और हमेशा रहने वाले आकर्षण का अनुभव करना आसान हो जाएगा। एयरलाइन ने कहा कि बुकिंग अभी शुरू है।

कांगो में खदान धंसने से 70 नाबालिगों समेत 200 से अधिक मजदूरों की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

एजेंसी

किंशासा। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में मंगलवार को एक खदान के ढहने से 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गयी है। डीआरसी सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी। डीआरसी के खनन मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, यह घटना नॉर्थ किवु प्रांत में रुबाया खदान पर हुई, जो कोल्टन संसाधन के लिए जानी जाती है।

यह दुर्घटना बहुत ज्यादा भारी बारिश के कारण हुई। शुरूआती आंकड़ों के अनुसार इस हादसे में करीब 70 नाबालिगों सहित 200 से ज्यादा लोगों की जान चली गयी। बयान में कहा गया है कि रुबाया माइनिंग क्षेत्र 2024 से मार्च 23 मूवमेंट (एम23) विद्रोही ग्रुप के नियंत्रण में है, जिससे इस हादसे में बचाव कार्य खास तौर पर मुश्किल हो गया है। मंत्रालय ने बताया कि खनन क्षेत्र को पहले नवंबर से खतरे के क्षेत्र के तौर पर वर्गीकृत किया गया था।

इस वर्गीकरण के बाद यहां खनन पर रोक लग जानी चाहिए थी। रूबाया के रहने वाले और खनिक डेविड कासेरेका ने बताया, कसासा नाम के पहाड़ पर भारी बारिश के बाद भूस्खलन हुआ था। भूस्खलन ने कई लोगों को निगल लिया। एम23 ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

इससे पहले जनवरी में भी रूबाया में कोल्टन खनन स्थल पर कई शाफ्ट गिरने से कम से कम 200 लोग मारे गए थे। स्थानीय मीडिया ने बताया कि मरने वालों की संख्या 400 से ज्यादा हो सकती है, जिसमें वे लोग शामिल नहीं हैं जो अभी भी लापता हैं। कोल्टन, या कोलंबाइट-टैंटलाइट, टैंटलम का मुख्य स्रोत है। यह एक दुर्लभ धातु है जिसका इस्तेमाल आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने में होता है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि अकेले रूबाया की खदानें वैश्विक टैंटलम आपूर्तिकर्ता के रूप में लगभग 15 प्रतिशत का योगदान देती है।

डीजीआर द्वारा पूर्व सैनिकों के लिए विशेष रोजगार मेले का आयोजन 17 को

चंडीगढ़ : पूर्व सैनिकों को नागरिक कार्यबल में सशक्त बनाने और उनके पुनर्गठन में सहायता करने की एक ऐतिहासिक पहल के तहत, रक्षा मंत्रालय के पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के महानिदेशालय पुनर्वास (डीजीआर) द्वारा 17 मार्च 2026 को चंडीगढ़ में पूर्व सैनिकों के लिए एक रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है।

यह रोजगार मेला भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के पूर्व सैनिकों को सुरक्षा, आईटी, प्रशासन, रसद (लॉजिस्टिक्स), स्वास्थ्य सेवा और इंजीनियरिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख कॉर्पोरेट और औद्योगिक नियोक्ताओं के साथ जोड़ने के लिए एक समर्पित मंच के रूप में कार्य करेगा।

यह पहल पूर्व सैनिकों के पुनर्वास और कल्याण के प्रति पूर्व सैनिक कल्याण विभाग (रक्षा मंत्रालय) की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उनके अनुशासन, नेतृत्व और तकनीकी विशेषज्ञता को पहचान मिले—ऐसे कौशल जिन्हें नागरिक नौकरी बाजार में अत्यधिक महत्व दिया जाता है। डीजीआर द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान पूरे भारत में विभिन्न स्थानों पर पूर्व सैनिकों के लिए 18 रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें से अब तक दिल्ली, चेन्नई, अहमदाबाद, लखनऊ, वाराणसी, कोलकाता, सिकंदराबाद, जम्मू, भोपाल, कोच्चि, गुवाहाटी, देहरादून, बेंगलुरु और पुणे में सोलह मेलों का आयोजन किया जा चुका है।

पूर्व सैनिकों को उन भर्तीकताओं के सामने अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा जो पूर्व सैनिकों द्वारा कार्यबल में लाए जाने वाले अद्वितीय मूल्य को समझते और सराहते हैं। पंजीकरण करने पर नियोक्ताओं को समर्पित, कुशल और मिशन-तैयार पेशेवरों के बायोडाटा (रेज्यूमे) तक निःशुल्क पहुँच प्राप्त होगी। नियोक्ता रोजगार मेले के दौरान पहले से शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के साक्षात्कार और चयन की योजना बना सकते हैं।

नियोक्ता और पूर्व सैनिक www.esmhire.com पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं, जो विशेष रूप से पूर्व सैनिकों के लिए एक एआई-संचालित जॉब प्लेटफॉर्म है। पंजीकरण का लिंक डीजीआर की वेबसाइट www.dgrindia.gov.in पर 'Job Fair' बटन के तहत भी उपलब्ध है। पंजीकरण अब शुरू हो चुका है और पूर्व सैनिकों (ESM) तथा नियोक्ताओं के लिए निःशुल्क है।

आज से होगी 'विकसित भारत: जी राम जी यूथ डिजिटल कैंपेन' की शुरूआत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय माई भारत के साथ मिलकर शुक्रवार से एक राष्ट्रव्यापी डिजिटल अभियान विकसित भारत- जी राम जी यूथ डिजिटल कैंपेन की शुरूआत करने जा रहा है।

मंत्रालय के बयान के अनुसार इस अभियान में युवाओं को केंद्र में रखते हुए उन्हें क्विज, वीडियो चैलेंज तथा रचनात्मक प्रतियोगिताओं जैसी सहभागितापूर्ण गतिविधियों से जोड़ना और डिजिटल जन-आंदोलन का रुप प्रदान करना है।

इसके तहत 6 मार्च से 60 सेकंड फॉर माई विलेज नाम से एक राष्ट्रीय स्तर की शॉर्ट वीडियो, रील, एनिमेटेड वीडियो प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जा रहा है। यह पहल युवाओं को अपने गांव के विकास, रोजगार सृजन एवं आजीविका संवर्धन में अधिनियम की भूमिका को रचनात्मक रुप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगी।

यह प्रतियोगिता 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के लिए है। प्रतिभागी 30 से 60 सेकंड की अवधि का वीडियो किसी भी भारतीय भाषा में तैयार कर माई भारत पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक प्रविष्टि जमा कर सकेगा। वीडियो मोबाइल फोन, कैमरा अथवा एनिमेशन टूल्स की सहायता से बनाया जा सकता है।

युवा प्रतिभागी, अधिनियम के उद्देश्य एवं प्रमुख विशेषताएं, ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका सृजन में इसके लाभ, गांव के विकास एवं परिवर्तन में इसकी भूमिका, युवाओं एवं महिलाओं के लिए अवसर, विकसित भारत एट 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में अधिनियम के योगदान तथा मेरा गांव, मेरा भविष्य - आत्मनिर्भर एवं विकसित गांव की परिकल्पना तथा ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने के नवाचार जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति भी दे सकते हैं।

मंत्रालय के अनुसार विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) या वीबी-जी राम जी अधिनियम के प्रति व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित करना है। इस अभियान को विकसित भारत-जी राम जी-युवा शक्ति, पंचायत की प्रगति नाम दिया गया है।

मंत्रालय के अनुसार प्रतियोगिता में सभी पात्र प्रतिभागियों को डिजिटल सहभागिता प्रमाणपत्र दिया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र इत्यादि दिए जाएंगे तथा उन्हें ग्रामीण विकास मंत्री एवं मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से संवाद का अवसर भी प्राप्त होगा। विजेताओं का चयन विषय से संबद्धता, रचनात्मकता, मौलिकता तकनीकी गुणवत्ता, प्रभाव एवं दिशानिर्देशों के पालन के आधार पर किया जाएगा।

युवा प्रतिभागी, प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए क्यूआर कोड स्कैन कर सकते है या बेवसाइट पर मौजूद लिंक पर क्लिक कर अथवा माई भारत.गव. इन पर विजिट कर भाग ले सकते हैं।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com